शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 186 | गुवाहाटी | रविवार, 29 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई, 68 विदेशियों को भेजा मटिया ट्रांजिट कैंप — पेज 3
शास्त्रीय रागों से गूंजेगा विजय चौक, 3,500 ड्रोन से रोशन होंगी रायसीना की पहाड़ियां — पेज 4
करोड़ जनआकांक्षा के अनुरूप होगा उप्र का नया बजट : योगी — पेज 5
शौर्य, पराक्रम व देशभक्ति का पर्याय रहा है गुर्जर समाज : प्रधानमंत्री मोदी — पेज 8

मदरसों में सुधार के लिए राज्य सरकार व पुलिस को मुस्लिम नेता का साथ : डीजीपी

बंगाईगांव। असम में मदरसों के सुधार के लिए राज्य सरकार और पुलिस मिलकर काम कर रही है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भास्कर ज्योति महंत ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मदरसों की संख्या को कम करने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि हम मदरसों में सामान्य शिक्षा देना चाहते हैं और मदरसों में पंजीकरण की व्यवस्था शुरू करना चाहते हैं। डीजीपी ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि हम राज्य के निजी मदरसों में सुधार ला रहे हैं। इन मदरसों को नियमों के तहत चलाया जाएगा। इसके लिए मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने भी सरकार और पुलिस को अपना समर्थन दिया है। बता दें कि कुछ निजी मदरसों में जिहादी -शेष पृष्ठ दो पर

आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह होंगे असम के अगले डीजीपी

गुवाहाटी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह असम के अगले पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) होंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, वर्तमान में राज्य पुलिस बल में एक विशेष डीजीपी हैं जो भास्कर ज्योति महंत से पदभार ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक सरकारी समारोह में भाषण के दौरान ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह का अगला डीजीपी बनने का जिक्र किया। जब बाद में पत्रकारों द्वारा नई नियुक्ति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह एक नियमित मामला है ...। शर्मा ने कहा कि गृह विभाग द्वारा शुक्रवार को अधिसूचना जारी की गई थी, हालांकि आधिकारिक आदेश अभी तक मीडिया के साथ साझा नहीं किया गया है। सिंह ने नियुक्ति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा -शेष पृष्ठ दो पर

असम राइफल्स और नगा-विद्रोही में हुई झड़प

कोहिमा। सेना के एक सूत्र ने शनिवार को बताया कि असम राइफल्स की एक टीम और अलगाववादी संगठन एनएससीएन (आईएम) कैडरों के बीच नगालैंड के इंटंकी नेशनल पार्क में मामूली टकराव हो गया। सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार शाम को हुई यह घटना करीब 40 मिनट तक चली, हालांकि यह ज्यादा गंभीर नहीं हुई। कई असम राइफल्स की टीमें गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में 72 से 96 घंटे तक गश्त के लिए बाहर थीं। एक पेट्रोलिंग दल अपना गश्त पूरा करने के बाद शुक्रवार की शाम करीब चार बजे इंटांकी नेशनल पार्क में आराम करने के लिए रुके थे। अधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय को समझने वाला कार्य सिद्ध करता है।
– **आचार्य चाणक्य**

सीएम ने 1200 से अधिक उम्मीदवारों को दिया नियुक्ति पत्र

विभिन्न सरकारी विभागों में मिला मौका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी पाने वाले 1,200 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन उम्मीदवारों कोनियुक्त किया गया जो 1988 से अब तक की कार्रवाई में मारे गए पुलिस कर्मियों के परिवार के सदस्य हैं। सीएम शर्मा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा गृह और राजनीतिक विभागों के लिए शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में 1,208 चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करने की काफी खुशी है। अब तक 41,710 नियुक्तियों के साथ हम अपने 1 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर मारे गए पुलिस कर्मियों के परिवारों के लिए नौकरी सुनिश्चित करने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। सीएम ने कहा कि 1996 से 2005 के बीच, राज्य के लगभग सभी समुदायों के पास एक सशस्त्र संगठन था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में, उनके परिवारों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी मिलती थी, लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया और परिजनों को अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाने लगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें लगा कि इन शहीदों के परिवारों को नौकरी दी जानी चाहिए। कुल मिलाकर 422 ऐसे कर्मी हैं जिनके परिवारों को अभी तक नौकरी नहीं मिली है। हमें उम्मीद है कि अगले दो महीनों में हम सभी परिवार के सदस्य को नियुक्ति दे सकेंगे। इस कार्यक्रम में कुल 72 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नियुक्ति पत्र पाने वाली स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की नर्सों को मुस्कुराते चेहरे और समर्पण के साथ सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नर्सों को विनम्र होने और रोगियों और उनके परिजनों को मुस्कान और समझ के साथ संबोधित करने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि सरकार नर्सों को अंग्रेजी पढ़ाने और कंप्यूटर संचालन जैसे सॉफ्ट स्किल की ट्रेनिंग भी देगी ताकि वे राज्य के बाहर भी रोजगार के अवसर तलाश सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित नर्सों की भारी मांग है और हम अपनी लड़कियों के कौशल को उन्नत करना चाहते हैं ताकि वे दुनिया में कहीं भी रोजगार पा सकें।

कम उम्र में विवाह पर असम सरकार का सख्त एक्शन

पांच-छह महीने में गिरफ्तार होंगे हजारों पति : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार कम उम्र में विवाह और इस दौरान बच्चे के जन्म को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राज्य सरकार ने बाल विवाह और कम उम्र में मां बनने की परिपाटी को रोकने के लिए सख्त कानून लाने और यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। यहां आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि हजारों पति अगले पांच से -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड विस चुनाव में 11 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा राजद

पटना। नगालैंड विधानसभा चुनाव को ले राजद की तैयारी 11 सीटों पर होगी। इस बाबत राजद ने कृषि मंत्री सर्वजीत और राजद नेता भोला यादव को पूरी स्थिति का जायजा लेने भेजा था। वहां से लौटकर आए राजद नेताओं ने अपनी रिपोर्ट उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को दे दी है। अब आगे की तैयारी के लिए राजद के प्रतिनिधि फिर से सोमवार को नगालैंड जा रहे हैं। नगालैंड में चुनाव को लेकर 31 जनवरी को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव

भाजपा ने जारी की 48 उम्मीदवारों की सूची

अगरतला /नई दिल्ली। त्रिपुरा विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची के अनुसार केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक को धनपुर सीट से मैदान में उतारा गया है। वहीं, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को टाउन बोरदोवाली से भाजपा प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा नेताओं अनिल बलूनी और संबित पात्रा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजिक एक संवाददाता सम्मेलन में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आईएमएफ ने पाक के बजटीय अनुमानों में अरबों रुपए का उल्लंघन पाया

इस्लामाबाद। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ अपनी महत्वपूर्ण वार्ता से पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने इसके बजटीय अनुमानों में 2,000 अरब रुपए का उल्लंघन पाया है। आईएमएफ के शुरुआती आकलन के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के बजटीय अनुमानों में 2,000 अरब रुपए से अधिक का उल्लंघन पाया गया है, जिसके चलते इस देश का बजट घाटा और बढ़ सकता है। पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अधिकारी विस्तारित -शेष पृष्ठ दो पर

अमृत उद्यान के नाम से जाना जाएगा मुगल गार्डन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध मुगल गार्डन अब *अमृत उद्यान* के नाम से जाना जाएगा। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह उद्यान साल में एक बार जनता के लिए खुलता है और लोग इस बार 31 जनवरी से इस उद्यान को देखने जा सकते हैं। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को राष्ट्रपति भवन उद्यान उत्सव 2023 -शेष पृष्ठ दो पर

सुखोई और मिराज की आपस में टक्कर, एक पायलट की मौत

भोपाल/जयपुर। शनिवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। लेकिन इसके बारे में पूरी जानकारी मिलने में ढाई घंटे से अधिक का वक्त लग गया। एयरफोर्स के दो फाइटर प्लेन सुखोई-30 और मिराज-2000 शनिवार सुबह 10.00 से 10.30 बजे के बीच ग्वालियर के पास आपस में टकराकर क्रैश हो गए। सुखोई पर दो और मिराज पर एक पायलट सवार थे। हादसे में सुखोई के दोनों पायलट इजेक्ट होने में कामयाब रहे, लेकिन मिराज के पायलट विंग कमांडर हनुमंथ राव सारथी की मौत हो गई। एयरफोर्स ने बताया कि सुखोई से इजेक्ट हुए दोनों पायलट घायल हैं। इनके नाम अभी नहीं बताए गए हैं। एयरफोर्स का कहना है कि दोनों सुखोई और मिराज ने रुटीन ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों ट्रेनिंग के दौरान बेहद पास उड़ान भर रहे थे। तभी दोनों आपस में टकरा गए। टकराने से मिराज में आग लग गई और वह मध्यप्रदेश के मुरैना के पहाड़गढ़ में जा गिरा। इसे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके पायलट की मौत हो गई। घटनास्थल पर उसके एक हाथ की वीडियो फुटेज भी सामने आई। टकराने के बाद सुखोई में आग नहीं लगी, लेकिन उसके विंग्स टूट गए। उसके दोनों पायलटों को जब लगा कि एयरक्राफ्ट क्रैश होने वाला है उन्होंने खुद को इजेक्ट कर लिया। दोनों पैराशूट के सहारे जमीन पर आ गिरे। इसके बाद सुखोई बिना पायलट के पहले वाले घटनास्थल से करीब 90 किमी दूर राजस्थान के भरतपुर जिले के पिंगोरा में जा गिरा। वहां मौजूद लोगों ने भी विंग्स टूटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जब विमान गिरा तब उसके विंग्स नहीं थे। इस हादसे की खबर सबसे पहले सुबह करीब 11 बजे सामने आई। तब भरतपुर में एक फाइटर प्लेन के क्रैश होने की बात कही गई। लेकिन भरतपुर -शेष पृष्ठ दो पर

यरूशलम में आतंकी हमला आठ की मौत

यरूशलम। पूर्वी यरूशलम स्थित एक यहूदी उपासना स्थल के पास शुक्रवार रात एक हमलावर ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। इजराइली पुलिस और बचाव सेवा ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि हमलावर को भी मार गिराया गया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि हमले में कुछ लोगों के घायल होने की भी सूचना है। आपातकालीन सेवा ने कहा कि घायलों का -शेष पृष्ठ दो पर

अस्पताल में आग से डॉक्टर दंपती समेत छह जिंदा जले

धनबाद। झारखंड के धनबाद में शुक्रवार रात 1 बजे एक प्राइवेट अस्पताल में आग लग गई। इसमें डॉक्टर दंपती समेत 6 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसे के वक्त सभी लोग सो रहे थे। डॉक्टर का शव बाथटब से मिला है। ऐसा कहा जा रहा है कि खुद को बचाने के लिए वे पानी के टब में बैठ गए थे। यहीं उनकी लाश मिली। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन शुरुआती जांच के बाद पुलिस का -शेष पृष्ठ दो पर

चांद के हिस्सों पर कब्जा कर सकता है चीन : नासा

बीजिंग। चीन स्पेस प्रोग्राम की आड़ में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इंडो पैसिफिक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन की रिपोर्ट में नासा के एक अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने स्पेस प्रोग्राम का इस्तेमाल आर्थिक, सैन्य और तकनीकी ताकत को बढ़ाने के लिए कर रहा है। ऐसा करके चीन अमेरिका जैसी बड़ी ताकतों को चुनौती देना चाहता है। नासा के अधिकारी बिल नेल्सन ने पॉलिटिको नाम की वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा था कि चीन चांद के एक हिस्से पर साइंटिफिक रिसर्च फैसिलिटी बना रहा है। आशंका इस बात की है कि चीन बाद में इस इलाके पर कब्जा कर सकता है। ऐसी आशंका इसलिए भी है, क्योंकि अंतरिक्ष के नियम पहले आओ, पहले पाओ की तरह काम करते हैं... चीन ने पिछले साल एक स्पेस स्टेशन बनाया था जिसने चांद से कई सैंपल इकट्ठा करने के लिए अलग-अलग मिशन भेजे थे। चीन की चांद के साउथ पोल पर एक लूनर रिसर्च स्पेस स्टेशन बनाने की योजना भी है, जिसके साल 2025 में शुरू होने की संभावना है। चीन 2023 में 60 स्पेस मिशन भेजेगा रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन लगातार स्पेस में इंटर करने की क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलोजी कॉर्पोरेशन के चेयरमैन वू यानशेंग ने पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीसी के स्थापना दिवस पर पीएम ने जारी किया 75 रुपए का स्मारक सिक्का

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनसीसी के 75 सफल वर्षों के उपलक्ष्य में एक विशेष डे कवर और 75 रुपए का एक स्मारक सिक्का जारी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष के इस पड़ाव में एनसीसी भी अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। जिन लोगों ने एनसीसी का प्रतिनिधित्व किया है और इसका हिस्सा रहे हैं, मैं राष्ट्र निर्माण में उनकी सराहना करता हूं। हम इस समारोह को हमेशा याद रखेंगे क्योंकि यह *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* के मंत्र को प्रतिध्वनित करता है। इसलिए, मैं आयोजक और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गोवा में सरकार की गाइडलाइन, खुले में शराब पीने व खाना बनाने पर जुर्माना

गोवा। गोवा में टूरिस्ट्स की प्राइवेसी और सेफ्टी को ध्यान में रखकर यहां की सरकार ने नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि टूरिस्ट के साथ या उनकी सोलो फोटो खींचने से पहले उनसे इजाजत जरूर ले लें, खासकर जब वे धूप में लेटे हों या फिर समुद्र में मस्ती कर रहे हों। सरकार का कहना है कि इससे पर्यटकों की निजता का सम्मान हो सकेगा। नई एडवाइजरी में गोवा में ओपन प्लेस में खाना पकाना भी बैन कर दिया गया है। ऐसा करने पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं, बीच पर शराब पीने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सरकार ने चट्टानों और खतरनाक जगह पर सेल्फी न लेने को कहा है, ताकि हादसे रोके जा सकें। इसके अलावा

टूरिस्ट से गोवा की ऐतिहासिक इमारतों को नुकसान न पहुंचाने की अपील की गई है। ओवरचार्जिंग से बचने के लिए टैक्सी का मीटर देखकर किराया देने को कहा गया है। गाइडलाइन के मुताबिक यहां आने वाले पर्यटकों से टूरिस्ट डिपार्टमेंट के साथ रजिस्टर होटल में रुकने की सलाह दी गई है। यहां हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं, जिन्हें ठग चोरी की बाइक या कार कम कीमत पर बेचने की कोशिश करते हैं। नई गाइडलाइन में टूरिस्ट को ऐसे लोगों से अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। टूरिस्ट के लिए ये गाइडलाइन 26 जनवरी को गोवा टूरिस्ट डिपार्टमेंट ने जारी की हैं। इसका मकसद पर्यटकों की प्राइवेसी बनाए रखने, उनकी सेफ्टी और ठगी से बचाना है।

बीटिंग द रिट्रीट में होगा देश का सबसे बड़ा ड्रोन शो

पंजाब। इस साल *बीटिंग द रिट्रीट* सेरेमनी में आयोजित होने वाले ड्रोन शो में 3,500 स्वदेशी ड्रोन शामिल होंगे। देश के इतिहास का सबसे बड़ा ड्रोन शो होगा। ये ड्रोन सहज तालमेल के माध्यम से राष्ट्रीय प्रतीकों और घटनाओं के असंख्य रूपों को दिखाया जाएगा। इस ड्रोन शो में स्टार्टअप इकोसिस्टम की सफलता को दिखाया जाएगा। बता दें कि ड्रोन को लेकर पीएम मोदी काफी संजीदा हैं। उनका मानना है कि आने वाला समय ड्रोन युग होने वाला है। इसके अलावा बीटिंग रिट्रीट में पहली बार नॉर्थ और साउथ ब्लॉक के अग्रभाग पर पहली बार 3डी एनामॉर्फिक प्रोजेक्शन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम इस समारोह को और भी खास बना देगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सेना के तीनों अंग और राज्य पुलिस व सीएपीएफ के संगीत बैंड द्वारा *बीटिंग द रिट्रीट* सेरेमनी में 29 धुनों को बजाया जाएगा. समारोह की शुरुआत अग्नीवीर धुन के साथ शुरू होगी। तीनों सेनाएं *अल्मोड़ा, केदारनाथ, संगम दूर, सतपुड़ा की रानी, भागीरथी, कोंकण सुंदरी* जैसी मोहक धुनें बजाएंगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया, वायु सेना के बैंड *अपराजेय अर्जुन, चरखा, वायु शक्ति, स्वदेशी* धुन बजाएंगे। वहीं नौसेना के बैंड *एकला चलो रे, हम तैयार हैं* और *जय भारती* की धुनें बजाएंगे। इंडियन आर्मी का बैंड *शंखनाद, शेर-ए-जवान, भूपाल, अग्रणी भारत, यंग इंडिया, कदम कदम बढ़ाए जा, ड्रमर्स कॉल* और *ऐ मेरे वतन के* बजाएगा। कार्यक्रम का समापन *सारे जहां से अच्छा* की धुन के साथ होगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, रविवार (29 जनवरी) को दोपहर 2 बजे से रात 9.30 बजे तक विजय चौक पर यातायात वाहनों का आना-जाना प्रतिबंधित होगा।

तेरापंथ धर्मस्थल में मना 159वां मर्यादा महोत्सव

गुवाहाटी । श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान एवं सभी संघीय संस्थाओं के सहयोग से 28 जनवरी 2023, शनिवार को प्रात: 9:15 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में 159वें मर्यादा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति, गौहाटी ज्ञानशाला, अर्हम् भजन मंडली आदि के अलावा समाज के अनेकानेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायक श्री विनीतजी चिंडालिया द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। इसी क्रम में तेरापंथी सभा के अध्यक्ष श्री बजरंग कुमार सुराणा, महिला मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती राजश्री दुगड़, तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष श्री मनीष कुमारजी सिंघी, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री बजरंगलाल डोसी, ज्ञानशाला की मुख्य प्रशिक्षिका श्रीमती कान्ता देवी बच्छावत ने अपने सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किए। साथ ही मर्यादा गीत उपाध्यक्ष श्री बाबूलाल सुराणा, सहमंत्री श्री राजकुमार बैद एवं श्री बजरंगलाल डोसी ने प्रस्तुत किया। इस दौरान चेतना सेठिया ने कविता प्रस्तुत की। ज्ञानशाला परिवार की सामूहिक गीतिका की प्रस्तुति दी गई। ज्ञानशाला परिवार की ममता पुगलिया, ममता बोथरा एवं कनकलता सेठिया के नेतृत्व में ज्ञानशाला के छोटे-छोटे बच्चों एवं प्रशिक्षिकाओं ने भव्य लघु नाटिका प्रस्तुत की। उल्लेखनीय है कि युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में बायतु (राजस्थान) में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ मर्यादा महोत्सव मनाया गया। इसी क्रम में यह आयोजन गुवाहाटी में भी किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा के कार्यकारिणी सदस्य श्री राजेश जमड़ ने किया। इस आशय की जानकारी तेरापंथी सभा के मंत्री रायचन्द पटावरी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

दूसरे दिन मां सरस्वती की प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

वाराणसी (हिंस)। काशीपुराधिपति की नगरी में लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी हंसवाहिनी मां सरस्वती का विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद धूमधाम से उनकी प्रतिमाओं का विसर्जन युवाओं ने चिहिन्त तालाब कुंडों में किया। मूर्ति विसर्जन का क्रम अपरान्ह से देर शाम तक बना रहा। विसर्जन के लिए सुबह से ही पंडालों में विदाई के निमित्त पूजन-अनुष्ठान और भंडारे का आयोजन किया गया। इसके बाद युवाओं ने ट्राली व अन्य वाहनों पर मां सरस्वती के साथ ही भगवान गणेश की प्रतिमाओं को विराजमान कराकर बाजे-गाजे व ढोल, नगाड़े की गूंज के बीच शोभायात्रा निकाली। रास्ते भर भक्त माता रानी के जयकारे लगाते हुए एक दूसरे पर अबीर-गुलाल उड़ाते और नाचते गाते हुए चिहिन्त तालाबों कुंडों पर पहुंचे और अगले बरस जल्दी आने की कामना कर माता रानी को विदाई दी।

जर्जर पुल पार नहीं कर पाई गर्भवती महिला, बीच रास्ते में दिया बच्चे को जन्म

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिला प्रशासन का एक अपरिपक्व निर्णय और लोक निर्माण विभाग का कर्मकांड से अब आम लोगों को पीढ़ा भुगतना पड़ रहा है। रास्ते पर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया, पुल के जरिए आवाजाही बंद होने के कारण ई-रिक्शा पार नहीं कर पा रही थी, जिसे कमजोर लकड़ी का पुल कहा गया और पुल पर तीन पहिया और चार पहिया वाहन बंध कर दिया गया लोक निर्माण विभाग द्वारा। लकड़ी के पुल को बहुत खतरनाक तरीके से शिशु और मां को पैदल पार करती हैं। यह दुखद घटना कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेड़ा में हुई। आज दस महीने से जलजली नदी के इस लकड़ी के पुल की मरम्मत नहीं की गई है और पुल खराब होने कारण पुल के सामने ही लकड़ी का टुकड़ा गाड़ दिया गया है। ताकि तीन पहिया या चार पहिया वाहन गुजर न सकें। परिवार के साथ भखुराड़िया गांव की एक गर्भवती महिला समीना खातून को आज सुबह घर से ई-रिक्शा में नगरबेड़ा खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहता था, जब प्रसव पीड़ा शुरू हुई। लेकिन जलजली नदी पर बने पुल के जरिए ई-रिक्शा पार नहीं कर पाने के कारण वह करीब दो घंटे तक पुल के बेस में दबे पोल को बिना किसी साधन के उठाने की कोशिश करने में नाकाम रहे। प्रसव पीड़ा ना सह पाकर महिला ने रास्ते में ही एक सन्तान जन्म दिया। बाद में शिशु सहित मां को नगरबेड़ा खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लिया गया। डॉक्टर का कहना है कि दोनों खतरे से बाहर है। यह वेदना दायक घटना से चारों ओर सनसनी फैला है। उल्लेखनीय है कि जनता ने खुद अपने पैसे खर्च करके वनाया हुआ पुल को लोक निर्माण विभाग ने बंध कर दिया जिससे लाखों लोगोंको पीढ़ा भुगतना पड़ रहे हैं। इसलिए जनता ने सरकार से गुजारिश कि जल्द से जल्द पुल को मरम्मत कर के चलने लायक बना देने की मांग किया।

पृष्ठ एक का शेष

मदरसों में सुधार के ...

गतिविधियों पर नकेल कसने और कई अल-कायदा और अंसारुल्ला बांग्ला टीम (एबीटी) मॉडल का भंडाफोड़ किया गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने निजी मदरसों में शैक्षिक सुधार की पहल की। ऐसे में कई मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों और डीजीपी के बीच कई दौर की बैठकें हुईं और निजी मदरसों में सुधार के कई फैसले लिए गए। इससे पहले डीजीपी ने कहा था कि राज्य के सभी छोटे मदरसों को बड़े मदरसों में मिला दिया जाएगा। जबकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि सरकार राज्य में मदरसों की संख्या कम करना चाहती है। उन्होंने कहा था कि हम पहले चरण में मदरसों की संख्या कम करना चाहते हैं। हम मदरसों में सामान्य शिक्षा देना चाहते हैं और मदरसों में पंजीकरण की व्यवस्था शुरू करना चाहते हैं। हम इस पर समुदाय के साथ काम कर रहे हैं और वे असम सरकार की भी मदद कर रहे हैं।

आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र...

कि वह राज्य के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हम पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से पिछले डेढ़ वर्षों में वर्तमान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्राप्त गति को बनाए रखने के लिए काम करना जारी रखेंगे। ट्विटर पर, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने लिखा कि मां कामाख्या के आशीर्वाद से, मैं असम के लोगों की सेवा करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। गौरवशाली असम पुलिस का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा जताने के लिए असम के माननीय मुख्यमंत्री का आभार। 1991 बैच के असम-मेघालय कैडर के अधिकारी, सिंह दिसंबर 2019 में अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) के रूप में असम लौटे थे, जब राज्य में सीएए विरोध चरम पर था। राज्य वापस भेजे जाने से पहले वह नई दिल्ली में एनआईए के आईजीपी के रूप में कार्यरत थे। वह पहले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) का भी हिस्सा थे।

असम राइफल्स और...

ने कहा कि ब्रेक के दौरान, गश्ती दल ने एनएससीएन (आईएम) के कैडरों को उसी रास्ते पर देखा और दोनों दलों के बीच मामूली टकराव हो गया। सूत्र ने कहा कि समझौते के अनुसार इसे रोकने के लिए असम राइफल्स के गश्ती दल के नेता ने अपने सैनिकों को हटाने का फैसला किया और यह सुनिश्चित किया कि घटना आगे न बढ़े। घटना के कथित वीडियो में दोनों पक्षों के बीच चर्चा दिखाई गई जिसमें असम राइफल्स के जवानों ने दावा किया कि वे रास्ता भटक गए थे। केंद्र सरकार और नेशनलिस्ट सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम (इसाक-मुइवा) के बीच 2015 में समझौता हुआ था। इस समझौते में तय किया गया था कि दोनों पक्ष आपसी बातचीत से नगा समस्या का हल ढूंढेंगे। हालांकि 1997 में दोनों पक्षों में करीब 80 राउंड की बातचीत के बाद सीजफायर समझौता हुआ था। हालांकि, अंतिम समाधान अभी तक सामने नहीं आया है।

पांच-छह महीने में...

छह महीने में गिरफ्तार होंगे क्योंकि 14 साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बनाना अपराध होगा, भले वे वैध तरीके से उसके पति हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के विवाह की कानूनी उम्र 18 साल है और जो इससे कम उम्र की लड़की से शादी करेंगे उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शर्मा ने कहा कि कई (जो कम उम्र की लड़कियों से शादी करेंगे) जेल का सामना कर सकते हैं। मातृत्व पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि महिलाओं को मां बनने को लेकर लंबे समय तक प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उम्र बढ़ने पर जटिलताएं बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि मां बनने की उचित उम्र 22 से 30 वर्ष है। उन्होंने मुसकुराते हुए कहा कि जिन महिलाओं ने अबतक शादी नहीं की है उन्हें परिणय सूत्र में बंध जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम बहुत कम उम्र में मां बनने के खिलाफ हैं लेकिन साथ ही महिलाओं को बहुत इंतजार नहीं करना चाहिए जैसा कई करती हैं...ईश्वर ने हमारे शरीर को ऐसा बनाया है कि सभी चीजों के लिए एक उचित उम्र है। गौरतलब है कि असम मंत्रिमंडल ने सोमवार को फैसला किया कि जो पुरुष 14 साल से कम उम्र की लड़की से शादी करेंगे उनके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार 14 से 18 साल उम्र तक की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

नगालैंड विस चुनाव...

आखिरी तारीख सात फरवरी है और 27 फरवरी को मतदान होना है। राजद के संपर्क में सत्ताधारी दल के वैसे नेता हैं, जिन्हें लग रहा है कि उन्हें टिकट से वंचित किया जा सकता है। ऐसे नेताओं को अपने चुनाव चिह्न पर राजद चुनाव मैदान में उतार सकता है। इसके अतिरिक्त स्थानीय इकाई को भी यह कहा गया है कि अपने स्तर पर वे वैसे उम्मीदवारों को तय करें जो मुकाबले में रह सकते हैं। सीटों को चिह्नित भी किया जा चुका है। नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए राजद ने अभी किसी भी दल से तालमेल नहीं किया है, परंतु संभावनाएं इस दिशा में जरूर तलाश की जा रही हैं। जदयू भी नगालैंड के चुनाव मैदान में रहेगा। वहां राजद और जदयू के साथ तालमेल के बारे में पूछे जाने पर संबंधित राजद नेता ने बताया कि अभी तक जदयू के साथ मिलकर प्रत्याशी दिए जाने पर कोई बात नहीं हुई है। बिहार के बाहर संबंधित राज्य की स्थिति पर चुनाव लड़ा जाना है। ऐसे में यह कोशिश जरूर हो रही है कि दोनों दलों के बीच आपस में टकराव नहीं हो। इस बारे में स्थानीय इकाईयों को नीचे के फीडबैक के आधार पर काम करना है। नगालैंड के चुनाव में राजद देश से नगालैंड के सीधे संपर्क के विषय को आगे करेगा। इसी तरह से नगालैंड के भीतर सड़क संपर्क भी एक मुद्दा रहेगा।

भाजपा ने जारी की ...

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की घोषणा की। भौमिक केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं। वह त्रिपुरा से सांसद हैं। 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में वामपंथ के गढ़ माने जाने वाले त्रिपुरा में भाजपा ने सरकार बनाई थी। उससे पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने त्रिपुरा में 25 साल तक शासन किया था। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कांग्रेस के पूर्व नेता और त्रिपुरा के पूर्व शाही परिवार के वंशज प्रद्योत देब बर्मन के नेतृत्व वाली पार्टी तिपरा मोथा के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए बातचीत कर रहे थे, लेकिन अब ऐसे किसी गठबंधन को खारिज कर दिया गया है। वहीं, माकपा इस बार राज्य का चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ रही है।

अमृत उद्यान के ...

का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने एक बयान में कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन उद्यानों को *अमृत उद्यान* के रूप में एक सामान्य नाम देकर प्रसन्न हैं। सरकार ने पिछले साल दिल्ली के प्रतिष्ठित *राजपथ* का नाम बदलकर *कर्तव्य पथ* कर दिया था। केंद्र का कहना है कि इन चीजों के नाम में बदलाव औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को हटाने का प्रयास है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति भवन उद्यानों की समृद्ध विविधता का ठिकाना है। मूल रूप से, उनमें ईस्ट लॉन, सेंट्रल लॉन, लॉन्ग गार्डन और सर्कुलर गार्डन शामिल हैं। इस साल के उद्यान उत्सव में, कई अन्य आकर्षणों के साथ ही आगंतुक 12 अनूठी किस्मों के विशेष रूप से उगाए गए *ट्यूलिप* के फूल देख पाएंगे। उद्यान 31 जनवरी, 2023 को आम जनता के लिए खुलेंगे और 26 मार्च, 2023 तक खुले रहेंगे, जबकि हर सोमवार को यह बंद रहेंगे। साथ ही ये उद्यान आठ मार्च को होली के मौके पर भी बंद रहेंगे।

सुखोई और मिराज की...

कलेक्टर ने कहा कि भरतपुर के नजदीक चार्टर्ड प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। कुछ देर बाद मुरैना से भी एक फाइटर प्लेन के क्रैश होने की खबर मिली। तब तक यह माना जा रहा था कि ये दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं। करीब 15 मिनट बाद खबर आई कि दो फाइटर प्लेन मुरैना में टकराए हैं। करीब 11.30 से 12.30 बजे तक यह साफ नहीं हो सका की मामला क्या है। इसके बाद भास्कर टीम ने ग्राउंड से जानकारी जुटाई कि हादसा अलग-अलग नहीं हुए हैं। दोनों एयरक्राफ्ट ग्वालियर एयरबेस से उड़े थे और मुरैना के पास टकराए। इनमें से एक फाइटर प्लेन 90 किमी दूर भरतपुर के पास गिरा। लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे कोई कन्फर्म नहीं कर रहा था। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में एक अन्य प्लेन के आगरा एयरफोर्स बेस से उड़ने और भरतपुर में क्रैश होने की खबर दी गई। हालांकि दोपहर दो बजे के करीब एयरफोर्स ने ट्वीट कर स्थिति कुछ हद तक साफ की और बताया कि सुखोई और मिराज एयरक्राफ्ट हादसे के शिकार हुए हैं।

यरूशलम में आतंकी ...

उपचार किया जा रहा है। वहीं इजरायल ने इसे आतंकी हमला बताया है। वहीं अमेरिका ने यरुशलम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 8 लोगों की मौत हुई, इसे *जघन्य* बताया है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को यरुशलम में एक आराधनालय में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने बंदूक हमले को *जघन्य* करार दिया। उधर भारत ने भी इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा कि भारत ने शुक्रवार रात इजरायल के यरुशलम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। दरअसल, बीती रात को यरुशलम के एक पूजा स्थल के पास गोलीबरी हुई जिसमें सात लोग मारे गए और तीन लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। अरिंदम बागची ने ट्वीट में कहा कि हम यरुशलम में कल रात हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम उन लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत में इजरायल के राजदूत नौर गिलोन ने यरुशलम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। पुलिस के मुताबिक यह हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब सवा आठ बजे नेवे याकोव स्ट्रीट पर एक पूजा स्थल के पास हुआ। नौर गिलोन ने ट्वीट किया कि शब्बत के दिन यहूदियों के पूजा स्थल जाने वालों पर जेरूसलम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत से मिले समर्थन के लिए हम उसके आभारी हैं। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। पुलिस बलों को धन्यवाद जिसने आतंकवादी को गोली मार दी। एक बयान में, पुलिस ने पुष्टि की है कि पुलिस कर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंच कर गोली चलाने वाले अज्ञात को मार गिराया। यरुसलम पुलिस द्वारा जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना को एक संदिग्ध आतंकी हमला माना जा रहा है। पुलिस ने शूटर की पहचान पूर्वी यरुशलम के रहने वाले 21 वर्षीय युवक के रूप में की है। पुलिस प्रमुख याकोव शबताई ने इस घटना को पिछले कुछ वर्षों में हुए सबसे खराब आतंकवादी हमलों में से एक बताया है। इजराइल के मैगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन बचाव सेवा ने कहा कि गोलीबारी के पीड़ितों में से पांच को घटना स्थल पर मृत घोषित कर दिया गया। पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक अन्य पुरुष और महिला को मृत घोषित कर दिया गया, बाकी घायलों का इलाज जारी है।

चांद के हिस्सों पर ...

महीने 2023 में किए जाने वाले कई स्पेस मिशन और डेवलपमेंट गोल्स की रूपरेखा तैयार की थी। इनमें मैन्ड मून मिशन यानी चीनी अंतरिक्ष यात्रियों का चांद पर जाना भी शामिल है। चीन 2023 में 200 स्पेसक्राफ्ट लॉन्च करने के साथ ही 60 स्पेस मिशन भी करेगा। इसके तहत वो शेनझाऊ-16, शेनझाऊ-17 और तियानझाऊ-6 कार्गो क्राफ्ट के जरिए कई फ्लाइट मिशन को अंजाम देगा। स स्पेस फोर्स की चीफ ऑफ स्टाफ निना आर्मागनो ने 2022 के नवंबर में दावा किया था कि चीन आर्थिक फायदे और स्ट्रैटेजिक वजहों से स्पेस रेस को जीतने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका को डर है कि अगर चीन अपने सभी मिशन में कामयाब होता है तो वो स्पेस रेस में उनको पीछे छोड़ देगा। इसके अलावा अमेरिका को ये भी डर है कि कहीं चीन अंतरिक्ष में अपने सैन्य ठिकाने बनाना शुरू न कर दे।

एनसीसी के स्थापना...

इसे और भी सफल बनाने में शामिल सभी लोगों को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स, भारत की युवा पीढ़ी के रूप में देश की अमृत पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये अमृत पीढ़ी आने वाले 25 वर्षों में देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी, भारत को आत्मनिर्भर व विकसित बनाएगी। आपने कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया। मैं आपको राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, पुलिस स्मारक, नेताजी सुभाष संग्रहालय और पीएम संग्रहालय जैसी कुछ जगहों पर जाने की सलाह दूंगा।

आईएमएफ ने पाक के ...

कोष सुविधा के तहत नौवीं समीक्षा के लिए मंगलवार से बातचीत शुरू करने वाले हैं। इस दौरान राजकोषीय फिसलन और वित्तीय आंकड़ों का मिलान पर मुख्य रूप से चर्चा की जाएगी। समीक्षा के बाद पाकिस्तान को धन की अगली किश्त जारी की जाएगी, जो सितंबर से ही लंबित पड़ा हुआ है। सरकार ने 2022-23 के लिए बजट घोषणा की पूर्व-संध्या पर कहा था कि बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 प्रतिशत पर रह सकता है। इसके साथ ही प्राथमिक घाटा जीडीपी के मुकाबले सकारात्मक 0.2 प्रतिशत रहने का अनुमान था। स्थानीय समाचारपत्र द न्यूज ने सूत्रों के हवाले से प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा है कि मुद्राकोषने पाकिस्तानी अधिकारियों से मिनी-बजट के जरिये 600 अरब रुपए के अतिरिक्त कराधान उपाय करने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारी इसके लिए बिल्कुल भी सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि प्राथमिक घाटा इस हद तक नहीं बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजटीय अनुमानों में 2,000 अरब रुपए के उल्लंघन की पहचान करते हुए यह चेतावनी दी है कि प्राथमिक और बजट घाटा बड़े पैमाने पर बढ़ सकता है। इस बीच समाचार पत्र एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान को चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में केवल 5.6 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज मिला है, जो सालाना बजट अनुमान का एक चौथाई हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक मामलों के मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चला कि जुलाई से दिसंबर 2022 तक विदेश से मिला ऋण केवल 5.6 अरब डॉलर था। यह राशि इस अवधि में चुकाए जाने वाले विदेशी ऋण के बराबर भी नहीं है। ऐसे में विदेशी मुद्रा भंडार को गंभीर नुकसान हुआ।

अस्पताल में आग ...

कहना है कि आग स्टोर रूम से शुरू हुई होगी। आग लगने के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है। डॉक्टर विकास हाजरा खिड़की से खुद को बचाने की गुहार लगा रहे हैं। नीचे फायरकर्मी और लोग उनसे कह रहे हैं कि चिंता मत कीजिए डॉक्टर साहब...हम आ रहे हैं... हम सीढ़ी से आपके पास आ रहे हैं। अस्पताल का नाम हाजरा क्लिनिक एंड हॉस्पिटल है और धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के टेलिफोन एक्सचेंज रोड पर है। डॉक्टर परिवार समेत क्लिनिक के फर्स्ट फ्लोर पर रहते थे। हादसे में डॉक्टर दंपती डॉ. विकास हाजरा, डॉ. प्रेमा हाजरा, भांजा सोहम खमारू, रिश्तेदार शंभू सिंघो, नौकरानी तारा मंडल समेत 6 की दम घुटने से मौत हो गई। सभी शव अलग-अलग कमरों से बरामद हुए हैं। अस्पताल के गार्ड ने बताया कि रात 1 बजे के बाद चिंगारी दिखाई थी। हम दौड़कर ऊपर भागे तब तक पहली मंजिल आग की लपटों से घिर गई। करीब 1 घंटे बाद हमने बाकी सुरक्षाकर्मियों की मदद से 6 बॉडी बाहर निकाली। आग लगने के दौरान नीचे वाले वार्ड में 10-15 मरीज भी भर्ती थे। जैसे ही उन्हें आग लगने की जानकारी हुई वो खुद निकलकर बाहर चले गए। आग वहां तक नहीं पहुंची थी। आग सिर्फ फर्स्ट फ्लोर तक ही पहुंची थी। डॉ. प्रेमा हाजरा मौत के दो घंटे पहले तक मरीजों को देख रही थीं। नर्सिंग होम में भर्ती एक महिला का प्रसव रात 12 बजे कराया था। महिला गांधी रोड की रहने वाली है। शुक्रवार रात डिलीवरी के बाद बेटा हुआ है। ओटी में मौजूद नर्सों ने कहा कि डॉ. प्रेरणा हाजरा ने मरीज से कहा था मुंह मीठा कराइये। डॉ. विकास हाजरा हर साल सरस्वती पूजा मनाते थे। इस आयोजन में शामिल होने उनका भांजा सोहम खमारू 25 जनवरी को कोलकाता से धनबाद पहुंचा था। इस आयोजन में शामिल होने डॉ. विकास हाजरा के ममेरे भाई, सुनील मंडल और रिश्तेदार शंभू सिंघो भी पहुंचे थे। खबर आ रही है कि हाजरा क्लिनिक के पास फायर एनओसी भी नहीं था। अस्पताल पिछले कई दशक से संचालित हो रहा था। कुछ साल पहले धनबाद के अग्नि शमन पदाधिकारी ने फायर एनओसी लेने के लिए डॉक्टर से कहा था। धनबाद की ग्रामीण एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा, जांच की जा रही है। रांची से फॉरेंसिक टीम धनबाद आएगी। इस घटना के पीछे क्या वजह है, क्या कारण है। इसकी जांच होगी। हाजरा दंपती के एक बेटा और एक बेटी है। बेटा पुदुचेरी (पांडिचेरी) में पढ़ाई कर रहा है। बेटी नेपाल में एमबीबीएस कर रही है। दोनों के आने के बाद दंपती का अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा कि धनबाद स्थित हाजरा मेमोरियल अस्पताल में देर रात लगी आग से प्रसिद्ध डॉक्टर दंपती डॉ. विकास और डॉ. प्रेमा हाजरा समेत कुल 6 लोगों की मृत्यु की खबर से मन व्यथित है।

स्ववेंद भाष्य

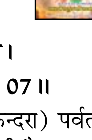

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(योगाभ्यास)

जल वायू अनुकूल है, नद प्रमोद वनवास।
सहज कन्दरा वा बनी, तहँ चल योग सुपास॥ 07॥

शब्दार्थ : (नद) बड़ी नदी (प्रमोद) प्रसन्नता (सहज कन्दरा) पर्वतीय गुहा, जो दो पहाड़ी स्थानों के बीच में स्वाभाविक बनी रहती है (सुपास) समीप।

भाष्य : बड़ी नदी, वन या पर्वतीय गुहा, जहां पर मन प्रसन्न हो और जलयावु अनुकूल हो, उस स्थान पर जाकर योग का अभ्यास करें।

योगी एक एकान्त में, दृढ़ आसन आसीन।
अन्तर अगम सनेह है, शब्द सुरति लवलीन॥ 08॥

शब्दार्थ : (योगी) विहंगम योग द्वारा चेतन पथ का गामी (सनेह) प्रेम (शब्द) नाम, परमप्रभु (सुरति) चेतना (लवलीन) अनुरक्त (आसीन) बैठकर।

भाष्य : विहंगम योगी एकांत में दृढ़ आसन में बैठकर अंतर चेतन स्नेह से युक्त हो कर शब्द में सुरति द्वारा लवलीन हो कर उपासना करें।

तापमान
अधिकतम 27°
न्यूनतम 14°

घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई, 68 विदेशियों को भेजा मटिया ट्रांजिट कैंप

गुवाहाटी। असम सरकार ने 68 विदेशियों को चिह्नित करके उन्हें ट्रांजिट कैंप में भेज दिया है। सरकार द्वारा यह कार्रवाई शुक्रवार (27 जनवरी 2023) को की गई। अवैध घुसपैठियों के लिए इस नए ट्रांजिट कैंप को ग्वालपाड़ा जिले के मटिया इलाके में बनाया गया है। इसका निर्माण केंद्र सरकार के निर्देश पर असम के 6 अलग-अलग ट्रांजिट कैंप में रखे गए घुसपैठियों को एक जगह करने के लिए हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कैंप में न सिर्फ एजेंसियों द्वारा पकड़े गए घुसपैठी हैं, बल्कि इस जगह वो विदेशी घुसपैठी भी रखे गए हैं जो निचली अदालतों द्वारा वीजा नियमों का उल्लंघन के दोषी साबित हुए हैं। असम प्रदेश के जेल विभाग की आईजी बर्नाली शर्मा के मुताबिक, शिविर में लगभग 68 लोग रखे गए हैं। इनमें से 45 पुरुष, 21 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। दोनों बच्चे अपने अभिभावकों के साथ हैं। बताया यह भी जा रहा है कि कुछ ही समय में यहां अन्य घुसपैठियों को भी लाया जाएगा। जिस मटिया ट्रांजिट कैंप में ये सभी विदेशी घुसपैठी रखे गए हैं, उसकी कुल क्षमता 3000 लोगों की है। यहां अवैध विदेशियों को रखने की पूरी तैयारी की जा चुकी है। देखरेख के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस कैंप को और पहले शुरू हो जाना था, लेकिन स्टाफ नहीं नियुक्त होने के चलते इसमें देरी हुई। आईजी जेल के मुताबिक, विदेशियों को जेल से ट्रांजिट शिविर लाने के दौरान स्थानीय पुलिस उन्हें पूरी सुरक्षा देती है। मटिया ट्रांजिट कैंप लगभग 2.5 हेक्टेयर में फैला हुआ है। यहां लाई जा रहीं महिलाओं के लिए अलग सेल बने हुए हैं। यहां मौजूद विदेशी घुसपैठियों के लिए स्कूल और अस्पताल भी मौजूद हैं। इन सभी जगहों पर काम करने के लिए सरकार ने अलग-अलग विभागों के अलग-अलग लोगों का चयन किया है। बताया जा रहा है कि असम के 6 ट्रांजिट केंद्रों को मिलाकर घुसपैठियों की कुल संख्या लगभग 1,000 है। ये कैंप वर्तमान में चार सेंट्रल जेल और दो जिला जेलों में स्थित हैं। ये कैंप कोकराझाड़, ग्वालपाड़ा, तेजपुर, जोरहाट, डिब्रूगढ़ और सिलचर में बने हुए हैं।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

धेमाजी (हि.स.)। धेमाजी जिले के सिलापथार इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात सिलापथार थाना अंतर्गत डिमो चाराली इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 515 पर हुई दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों व्यक्ति 10 फरवरी को तीन दिवसीय श्रीमंत शंकरदेव के 92वें अधिवेशन के प्रतिनिधि शिविर भोजनालय, मंच आदि के निर्माण के काम में लगे हुए थे। शिविर के काम कर लौटते समय डिमो चाराली इलाके में ख ? ट्रैक्टर (एएस-07एसी-6747) के पीछे बाइक (एएस-22बी-899) जा टकराई जिसकी वजह से बाइक पर सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता विजन महाजन जींस में पहुंचे कोर्ट, टल गई सुनवाई

गुवाहाटी। गौहाटी हाईकोर्ट से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। गौहाटी हाई कोर्ट में एक केस की सुनवाई इसलिए टाल दी गई क्योंकि याचिकाकर्ता के वकील ने जींस की पतलून पहनी हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट परिसर में जींस पहनने पर वकील को कार्रवाई का भी सामना करना पड़ा। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, याचिकाकर्ता के वकील बीके महाजन जींस पहने हुए थे। इसलिए अदालत को उन्हें हाई कोर्ट परिसर से बाहर करने के लिए पुलिस जवान को बुलाना पड़ा.कोर्ट के आदेश के मुताबिक, मामला शुक्रवार (27 जनवरी) का है। वकील का पूरा नाम बिजन महाजन है। हाई कोर्ट के आदेश में यह भी लिखा गया कि इस आदेश को माननीय मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ लर्नेड महापंजीयक के संज्ञान में लाया जाए। मामले को असम, नागालैंड, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश की बार काउंसिल के संज्ञान में भी लाया जाए। आदेश की कॉपी के मुताबिक, बीके महाजन याचिकाकर्ता ए चौधरी का केस लड़ रहे हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, महाजन को कई दफा कोर्ट परिसर में जींस पहने हुए देखा गया लेकिन कल (27 जनवरी) अदालत का ध्यान उन पर गया और उन्हें कोर्ट परिसर से बाहर होना पड़ा। बता दें कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों को उनके लिए निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करना होता है। वकीलों का ड्रेस कोड अधिवक्ता अधिनियम 1961 के तहत आता है, जो बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों से शासित होता है। ड्रेस कोड के तहत वकील को सफेद शर्ट, सफेद नेकबैंड और एक काला कोट पहनना अनिवार्य किया गया है। वहीं, नियम कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के अलावा वकील गाउन पहनें या नहीं, यह वैकल्पिक है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत के बाद उग्र भीड़ ने डंपर को फूका, सड़क जाम

रंगिया (निसं)। रंगिया इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने डंपर ने आग लगा दिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को रंगिया तिनाली के पास तेज रफ्तार डंपर (एएस-25ईसी-9359) द्वारा बाइक को पीछे से ठोकर मारे जाने की वजह से बाइक चालक और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान रंगिया गोगामालसा निवासी हाकिम अली और नाजिम अली के रूप में की गई है। यह दुर्घटना भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दुर्घटना में शामिल वाहन में आग लगा दी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन की मदद से डंपर में लगी आग को बुझाया तब तक डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा घटनास्थल के पास कई दुकानों में भी आग लग जाती। स्थानीय लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह ठप हो गया था। मौके पर पहुंची अर्धसैनिक बलों की एक टीम ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाया। पुलिस सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बारातियों से भरी कार खाई में गिरने से एक मरा, पांच घायल

होजाई (हि.स.)। होजाई जिला के डबका में शनिवार तड़के बारातियों से भरी एक कार 25 फुट गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए, जबकि एक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को तड़के लगभग 3.30 बजे बारातियों को लेकर जा रही एक टोयोटा सफारी कार (एएस-01ईवाई-5695) अनियंत्रित होकर डबका इलाके में 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सभी घायलों को होजाई हम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार काकी से नगांव जिला के कोलियाबोर जा रही थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पथरुघाट के शहीद किसानों को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने शनिवार को पथरुघाट के शहीद किसानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ बहादुरी से लड़कर देशभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश करने वाले वीर किसानों की पावन भूमि है पथरुघाट। आज ही के दिन दरंग जिला के पथरुघाट में अंग्रेजों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी जान की कुर्बानी देने वाले किसान शहीदों को श्रद्धांजलि। पथरुघाट की इस लड़ाकू चेतना का इतिहास हर असमिया को सदियों तक आलोकित करेगा। उल्लेखनीय है कि पथरुघाट 1894 की घटना के लिए प्रसिद्ध है, जिसे पथरुघाट का रण (पथरुघाट की लड़ाई) के रूप में जाना जाता है, जो कि किसान विद्रोह के दौरान शोषक औपनिवेशिक ब्रिटिश राज के खिलाफ था। 1826 में असम के ब्रिटिश विलय के बाद, राज्य की विशाल भूमि का सर्वेक्षण शुरू हुआ। इस तरह के सर्वेक्षणों के आधार पर, अंग्रेजों ने कथित तौर पर 70-80 प्रतिशत तक भूमि पर कर लगाना शुरू कर दिया था। ब्रिटिश अधिकारियों ने किसानों के विरोध और सभाओं को राजद्रोह के आधार के रूप में देखना शुरू किया। 28 जनवरी 1894 को गुस्सा भड़क गया, क्योंकि अंग्रेज अधिकारियों ने किसानों की शिकायतों को सुनने से इनकार कर दिया। इस दौरान पुलिस लाठीचार्ज के बाद खुली गोलीबारी हुई, जिसमें आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 15 किसान मारे गए, और 37 घायल हो गए, वहीं अनौपचारिक स्रोतों के अनुसार 140 किसान मारे गए। पथरुघाट को असम के जलियांवाला बाग के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2000 से, सेना हर साल 29 जनवरी को शहीदों को श्रद्धांजलि देती है, जिसे कृषक शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। सेना ने शहीदों की याद में शहीद स्तंभ भी बनाया है।

बेंगतल पुलिस चौकी प्रभारी अफजल हुसैन निलंबित

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के बेंगतल पुलिस चौकी प्रभारी अफजल हुसैन को निलंबित कर दिया गया है। बेंगतल पुलिस चौकी में एक महिला ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि बेंगतल चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर अफजल हुसैन ने महिला को न्याय दिलाने के बजाय आरोपितों का पक्ष लिया था। पीड़िता ने शुक्रवार को पहले मीडिया और बाद में चिरांग जिला के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। इसके बाद चिरांग जिला पुलिस अधीक्षक प्राणजीत बोरा ने बेंगतल पुलिस चौकी के प्रभारी अफजल अली को निलंबित कर दिया है। वहीं बंगाईगांव जिला के अभयापुरी इलाके में चोरों द्वारा एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला शनिवार को सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात अभयापुरी के शिवपुर इलाके में परिमल मंडल के घर में चोर प्रवेश कर सोने-चांदी के गहने समेत नगद दस हजार रूपए चुराकर फरार हो गए।

शंकरदेव शिशु निकेतन में रजत जयंती समारोह का सफल समापन

गोलाघाट (निसं)। देरगांव नगर स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ रजत जयंती समारोह 22 व जनवरी 23 जनवरी को आयोजित किया गया। विद्यालय की रजत जयंती समारोह कार्यक्रमों को सुचारू संचालन हेतु दीपक गोस्वामी को कार्यकारी अध्यक्ष, दिलीप कुमार खाउंद को मुख्य सचिव, विकास हजारिका को महासचिव, अरूप कुमार बोरा, दिलीप हजारिका, सुनील बरठाकुर, राजमोहन शर्मा और मधुचंदा बरठाकुर को उपाध्यक्ष तथा छह अन्य सहायक सचिव के रूप में शामिल कर एक आयोजन समिति का गठन किया गया था। आयोजन के पहले दिन जतींद्रनाथ नेउग द्वारा ध्वजारोहण एवं कुंजलता महंत ने दीप प्रज्वलन और शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारम्भ हुआ। इसके बाद विद्यालय के शुभचिंतक एवं पूर्व अध्यक्ष प्रबंधन समिती आदित्य ठाकुर द्वारा प्रदर्शनी एवं स्वागत द्वार का उद्घाटन देरगांव टाउन कमेटी के जूनियर इंजीनियर बैकुंठनाथ सैकिया द्वारा किया गया। इस दौरान डी के डी कॉलेज के अवकाश प्राप्त वाइस प्रिंसिपल प्रभात चंद्र महंत की अध्यक्षता में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसके बाद शाम के समय प्रसिद्ध पत्रकार चक्रपाणि पराशर की मेजबानि में और वक्ता के रूप में भाग लेते हुए एक लाइव शो के जरिए रजत जयंती समारोह पर पूर्व छात्रों द्वारा रचित ज्ञानोर जोतिरे आमी जिलिकाम धोरा शीर्षक थीम सॉन्ग को रिलीज किया गया। आयोजन के पहले दिन संपन्न हुई सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ सांस्कृतिक शोधकर्ता नुरुल सुल्तान ने किया। इस आयोजन में प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने भी हिस्सा लिया। वहीं समारोह के दूसरे दिन शंकर देव शिशु निकेतन के प्रांगण से नगर के मुख्य सड़कों पर रंगारंग सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय अधिवक्ता चिंतामणि महंत हरी झंडी दिखाई। जिसमें करीब बारह सौ से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस शोभायात्रा के अंत में संस्कृत पंडित रोहिणी बल्लव गोस्वामी द्वारा दीप प्रज्वलित कर आम सभा का उदघाटन किया और अध्यक्षता रजत जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष दुलु बरुआ ने की। सभा का संचालन राज मोहन शर्मा ने किया। इस दौरान देरगांव के विधायक भबेन भराली, असम प्रकाशन भारती के अध्यक्ष डॉ बिबेकानंद शर्मा, स्वयं सेवी संस्था ऑल एंड सनड्री के संस्थापक अभिषेक सिंहा, देरगांव पीटीसी के प्रिंसिपल देवाशीष शर्मा (एपीएस), शिशु शिक्षा समिति असम के प्रशिक्षण प्रमुख देबदास सिंहा, गोलाघाट जिला पत्रकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्रनाथ हजारिका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (गोलाघाट मुख्यालय) अंजन पंडित, डीकेडी कॉलेज सेवानिवृत्त प्राचार्य बीना ठाकुर बेजबरुआ, कुरालगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल बिपुल ठाकुर, आरएसएस जोरहाट के प्रसारक केशव भुइयां, शंकरदेव शिशु निकेतन प्रबंधन समिति के पूर्व अध्यक्ष बुबुल चंद्र बोरा, पूर्व अध्यक्ष आदित्य ठाकुर आदि मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभा के दौरान आमंत्रितों को फूलाम गमछे, जापी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर बीना ठाकुर बेजबरुआ ने पवन चंद्र बोरा द्वारा संपादित राजतायन शीर्षक से एक स्मारिका का विमोचन किया। सभा के अंत में शाम को पुरस्कार वितरण और उसके बाद संस्थान के छात्रों तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

असम में पुलिस मुठभेड़ मामले की याचिका खारिज

गुवाहाटी। गौहाटी हाई कोर्ट ने शुक्रवार को असम में हुई पुलिस मुठभेड़ों पर दाखिल जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। न्यायमूर्ति सुमन श्याम और न्यायमूर्ति सुष्मिता फुकन खौंड की खंडपीठ ने कहा कि याचिका पूरे तथ्यों की ठीक से पुष्टि किए बिना दायर की गई थी। अदालत ने कहा कि मई 2021 और अगस्त 2022 के बीच 171 घटनाओं में पुलिस हिरासत में चार मौतों सहित 56 लोगों की मौत हुई है। वहीं, 145 लोग घायल हुए हैं। इन घटनाओं में 171 अगल-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और पुलिस की जांच अभी जारी है। वहीं, महाधिवक्ता देवजीत सैकिया नेअदालत को आश्वासन दिया कि सभी मामलों में जांच पूरी होने के बाद दोषी पुलिस अधिकारियों सहित सभी दोषी व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। खंडपीठ ने एसआईटी के गठन या सीबीआई को जांच सौंपने के याचिकाकर्ता के अनुरोध को भी खारिज कर दिया।

झुंझाड़ परिवार गुवाहाटी का भजन कीर्तन आयोजित

गुवाहाटी। श्री बालाजी शहीद श्री अमरचंद झुंझाड़जी धाम सीकर के गुवाहाटी स्थान पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रात: ध्वजारोहण के बाद भजन-कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें देशभक्ति गीतों का सभी ने आनंद उठाया। इससे पूर्व गुवाहाटी स्थान पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के पश्चात गणेश व सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्थानीय गायक कलाकारों ने बालाजी झुंझाड़ जी महाराज के भक्ति से ओतप्रोत भजनों के साथ देशभक्ति गीतों की ऐसी सुमधुर तान छेड़ी कि सारा वातावरण मंगलमय हो उठा। सीकर स्थान के पुजारी अनिल पारीक, जयपुर स्थान के कपिल पारीक एवं गुवाहाटी स्थान के मुरारीलाल शर्मा ने अपने संबोधन में सभी झुंझाड़ परिवार सदस्यों एवं देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी। मनमोहन शर्मा ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में झुंझाड़ परिवार के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

नेत्र चिकित्सा शृंखला ईआरसी उत्तर लखीमपुर में दे रहा सेवा

उत्तर लखीमपुर। ईआरसी लेंस, जो पूर्वी भारत का एक प्रमुख नेत्र चिकित्सालय है, उत्तर लखीमपुर में उसी के एक शाखा का उद्घाटन किया गया है। आंखों की समस्याओं के लिए यह नेत्र चिकित्सा शृंखला में 5 लाख से अधिक रोगियों का इलाज किया गया, और असम, पश्चिम बंगाल, नागालैंड और बिहार में शाखाओं के साथ ही, ईआरसी लेंस से लखीमपुर की पूरी आबादी को कम लागत-उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र चिकित्सा प्राप्त करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण भी किया गया। ईआरसी लेंस एक असम आधारित स्टार्ट-अप है, और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विश्व बैंक के वाशिंगटन डीसी कार्यालय द्वारा वैश्विक मान्यता प्राप्त है। 2020 में, इसे विश्व स्तर पर शीर्ष 50 उभरती टेक कंपनीयों में शामिल किया गया था। अपने प्लेटफॉर्म ईआरसी लेंस डॉट कॉम और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, इसका उद्देश्य सुनिश्चित गुणवत्तापूर्ण और कम लागत के साथ लोगों के घरों के दरवाजे पर आंखों की चिकित्सा को सुलभ बनाना है। इसके सभी शाखा चिकित्सालय इसके गुणवत्ता मानकों के माध्यम से आश्वस्त हैं। इसने डॉक्टरों और टीम को प्रशिक्षित किया है, जिन्हें उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नेपाल और दक्षिण भारत में प्रशिक्षित किया गया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ भी भागीदार है, जो रोगियों के कल्याण के लिए सर्वोत्तम पद्धतियों को लागू करता है। ईआरसी लेंस को उत्तर लखीमपुर में सौमेरपीठ / सौमरपीठ अस्पताल द्वारा अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए आमंत्रित किया गया है, जो उन लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं, जो या तो एक साधारण नेत्र चश्मा या कैतैरैकट्/मुक्ताबिंद/मोतियाबिंद सर्जरी के लिए नेपाल या लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। उद्घाटन समारोह पर बोलते हुए, डेइजी सैकिया, जो विपणन विभाग के साथ काम करती हैं, ने कहा कि ईआरसी लेंस उत्तर लखीमपुर में समुदायों की सेवा करने के लिए बहुत उत्साहित है, ईआरसी के पास कम सेवा वाले क्षेत्रों में जाने का जनादेश है, और हम खुश हैं कि हालांकि थोड़ा सा देर से ही सही, अभी हम यहां सेवाओं के अपने पूरे विस्तार के साथ उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों को अपने फोन पर ऐप की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया। सौमेरपीठ / सौमरपीठ अस्पताल की डॉ के. एम रीवा दास, दीक्षा और सौमेरपीठ / सौमरपीठ अस्पताल एवं ईआरसी/ईआरसी के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

शास्त्रीय रागों से गूंजेगा विजय चौक, 3,500 ड्रोन से रोशन होंगी रायसीना की पहाड़ियां

- पैरों पर थिरकने वाली 29 भारतीय धुनें बजाएंगे तीनों सेनाओं के संगीत ब्रास बैंड
- पहली बार नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में किया जाएगा 3डी एनामॉर्फिक प्रोजेक्शन

नई दिल्ली, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस समारोहों के समापन का प्रतीक 'बीटिंग द रिट्रीट' में इस साल भारतीय शास्त्रीय रागों पर आधारित भारतीय धुनें विजय चौक पर गूंजेगी। समारोह में 29 जनवरी को राष्ट्रपति और सशस्त्र सेना की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और सैन्य बलों के प्रमुख सीडीएस जनरल अनिल चौहान समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल होंगे। भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के संगीत बैंड पैर थिरकने वाली 29 भारतीय धुनें बजाएंगे। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन और संसद के करीब विजय चौक पर होने वाला यह कार्यक्रम देश के सबसे बड़े ड्रोन शो का गवाह बनेगा, जिसमें 3,500 स्वदेशी ड्रोन शामिल होंगे। ड्रोन शो सहज तालमेल के माध्यम से रायसीना पहाड़ियों पर शाम के आकाश को रोशन करेगा। ड्रोन शो में स्टार्टअप इकोसिस्टम की सफलता और देश के युवाओं का तकनीकी कौशल दिखेगा और भविष्य के पथ-प्रदर्शक रुझानों का मार्ग प्रशस्त करेगा। बोटलैब्स डायनेमिक्स की ओर से ड्रोन शो में पहली बार नॉर्थ और साउथ ब्लॉक के अगले हिस्से में बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के दौरान एक 3डी एनामॉर्फिक प्रोजेक्शन होगा। समारोह की शुरूआत सामूहिक बैंड की 'अग्निवीर' धुन से होगी, जिसके बाद पाइप्स और ड्रम बैंड से 'अल्मोड़ा', 'केदारनाथ', 'संगम दूर', 'सतपुड़ा की रानी', 'भागीरथी', 'कोंकण सुंदरी' जैसी मोहक धुनें निकाली जाएंगी। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारतीय वायु सेना के बैंड 'अपराजेय अर्जुन', 'चरखा', 'वायु शक्ति', 'स्वदेशी', जबकि 'एकला चलो रे', 'हम तैयार हैं' और 'जय भारती' की धुनें बजाएंगे। भारतीय सेना

का बैंड 'शंखनाद', 'शेर-ए-जवान', 'भूपाल', 'अग्रणी भारत', 'यंग इंडिया', 'कदम कदम बढ़ाए जा', 'ड्रमर्स कॉल' और 'ए मेरे वतन के लोगों' धुन बजाएगा। कार्यक्रम का समापन 'सारे जहां से अच्छा' की सदाबहार धुन के साथ होगा। समारोह के मुख्य संचालक फ्लाइट लेफ्टिनेंट लीमापोकपम रूपचंद्र सिंह होंगे। आर्मी बैंड का नेतृत्व सूबेदार दिग्गर सिंह करेंगे, नौसेना और वायु सेना के बैंड कमांडर एम एंथोनी राज और वारंट ऑफिसर अशोक कुमार होंगे। राज्य पुलिस और सीएपीएफ बैंड के कंडक्टर सहायक उप निरीक्षक प्रेम सिंह होंगे। भारतीय सेना के नायब सूबेदार संतोष कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में बुगलर प्रदर्शन होगा और सूबेदार मेजर बसवराज वाग्गे के निर्देशन में पाइप और ड्रम बैंड बजाया जाएगा।

क्या है 'बीटिंग द रिट्रीट' - दरअसल, चार दिवसीय गणतंत्र दिवस समारोह का समापन हर साल 29 जनवरी को विजय चौक पर 'बीटिंग द रिट्रीट' के साथ होता है। इस अनूठे समारोह की शुरूआत 1950 के दशक से हुई थी, जब भारतीय सेना के मेजर रॉबर्ट्स ने बड़े पैमाने पर बैंड का प्रदर्शन करके इस समारोह की परंपरा विकसित की थी। 'बीटिंग द रिट्रीट' उस समय से सदियों पुरानी सैन्य परंपरा है, जब सूर्यास्त के समय बिगुलरों के पीछे हटने की आवाज देते ही सैनिक अपने हथियार बंद करके युद्ध से अलग हो जाते थे। यही कारण है कि पीछे हटने की आवाज के दौरान खड़े होने की प्रथा आज तक बरकरार रखी गई है। रंग और मानक आवरण वाले झंडे सैनिकों के पीछे हटने पर उतारे जाते हैं। ड्रम बिट्स उन दिनों को याद करते हैं जब शाम को नियत समय पर कस्बों और शहरों में सैनिकों को उनके क्वार्टर में वापस बुला लिया जाता था। इन सैन्य परंपराओं के आधार पर 'बीटिंग द रिट्रीट' समारोह बीते समय की पुरानी यादों का माहौल बनाता है।

भारत पूरी दुनिया के लिए तैयार करेगा फोरेंसिक विशेषज्ञ : शाह

अजय कुमार

धारवाड़/नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत पूरी दुनिया के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञ तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के साथ जोड़ा जाए ताकि देश में दोष सिद्धि दर को विकसित देशों से भी ऊपर लाया जा सके। शाह ने शनिवार को उत्तरी कर्नाटक के धारवाड़ में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की आधारशिला रखते हुए कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया में फोरेंसिक विशेषज्ञों की जरूरत बढ़ी है। अपराधियों को सजा

दिलाने में वैज्ञानिक साक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभाएंगे। शाह ने कहा कि छह साल से अधिक की सजा वाले अपराधों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य करने की दिशा में काम किया जा रहा है। लोगों को समय पर न्याय मिल सके और अपराधियों को सजा मिल सके इसके लिए सरकार भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम में बदलाव करने के बारे में विचार कर रही है। शाह ने कहा कि क्राइम की दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे में पुलिस को अपराधियों से दो कदम आगे रहने की जरूरत है। इस दिशा में फोरेंसिक साइंस का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में दुनिया के सबसे अधिक फोरेंसिक विशेषज्ञ हमारे पास होंगे।

प्रियंका गांधी वाड्रा भारत जोड़ो यात्रा में हुई शामिल

पुलवामा, (हि.स.)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा शनिवार को राहुल गांधी के साथ पुलवामा जिले के लिथपोरा में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। भारत जोड़ो यात्रा के लिथपोरा में विराम के लिए रुकने से पहले प्रियंका गांधी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ चलीं। यात्रा अवंतीपोरा से शुरू हुई जहां पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती भारत जोडो यात्रा के लिए राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं। राहुल गांधी ने लिथपोरा में आत्मघाती कार बम हमले में शहीद सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि दी। भारत जोड़ो यात्रा रात के लिए

पंथाचौक में ही रुकेगी। वहां एक रात रुकने के बाद यात्रा रविवार सुबह पंथा चौक से शुरू होगी और शहर के बुलेवार्ड रोड पर नेहरू पार्क के पास समाप्त होगी। राहुल गांधी एमए रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में सोमवार को तिरंगा फहराएंगे। इसके बाद एसके स्टेडियम में एक जनसभा करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए 23 विपक्षी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा को त्रिस्तरीय सुरक्षा दी जा रही है। सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए हैं। यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। ट्रैफिक भी डायवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कल सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई थी।

मध्य प्रदेश के मुरैना में वायु सेना के सुखोई-30 और मिराज-2000 फाइटर जेट क्रैश

- दोनों विमानों ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर हवाई ठिकाने से भरी थी उड़ान
- रक्षा मंत्री ने वायु सेना प्रमुख से वार्ता करके दुर्घटना की जानकारी ली

नई दिल्ली, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुरैना के पास शनिवार को सुबह वायुसेना के लड़ाकू विमान सुखोई-30 और मिराज 2000 दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। दोनों विमानों ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर हवाई ठिकाने से उड़ान भरी थी, जहां अभ्यास चल रहा था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे राहत बचाव दल ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मौके पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसे हटाकर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। रक्षा मंत्री ने एयरफोर्स चीफ से इस हादसे को लेकर बातचीत की है। वायु सेना की ओर से अभी इस दुर्घटना के बारे में अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि दुर्घटना के दौरान सुखोई-30 में 2 पायलट, जबकि मिराज 2000 में एक पायलट था।

प्रारंभिक खबरों में बताया गया है कि 2 पायलट सुरक्षित हैं, जबकि वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर को तीसरे पायलट की खोज में लगाया गया है। रक्षा सूत्र के मुताबिक वायु सेना की ओर से जल्द ही कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए जा सकते हैं, ताकि दुर्घटना के कारणों के साथ यह भी पता लगाया जा सके कि दोनों लड़ाकू विमानों में मध्य-वायु टक्कर हुई थी या नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीडीएस जनरल अनिल चौहान और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी के संपर्क में हैं। उनसे क्रैश की जानकारी जुटा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भारतीय वायु सेना के दो विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर वायु सेना प्रमुख ने जानकारी दी है। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायुसेना के पायलटों के बारे में जानकारी ली और वे घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पुलवामा,(हि.स.)। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर घाटी में अपने अंतिम चरण में है। राहुल गांधी ने शनिवार को 2019 में पुलवामा के लिथपोरा में हुए आतंकी हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी। एक अधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी ने अवंतीपोरा से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा को लिथपोरा में थोड़ी देर के लिए रोक दिया और उस स्थान पर फूलों का गुलदस्ता रखा, जहां एक आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 से अधिक

जवान शहीद हुए थे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने शुक्रवार को काजीगुंड इलाके में सुरक्षा चूक का कारण बताकर दिन में यात्रा रोक दी थी, जिसे शनिवार सुबह फिर से शुरू किया गया। यह यात्रा सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई, जो 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी।

अमित अरोड़ा की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला 30 जनवरी को

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित अमित अरोड़ा की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 30 जनवरी को फैसला सुनाने का आदेश दिया। ईडी ने अरोड़ा की जमानत का विरोध करते हुए कोर्ट से कहा कि पत्नी की माइनर सर्जरी होनी है। इसके लिए अंतरिम जमानत की जरूरत नहीं है। दरअसल अमित अरोड़ा ने पत्नी की सेहत का हवाला देते हुए अंतरिम

जमानत की मांग की है। इसके पहले 19 जनवरी को कोर्ट ने अमित अरोड़ा की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हालांकि कोर्ट ने कहा था कि जब ऑपरेशन की तिथि तय हो जाएगी तो आरोपित दोबारा कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

सरकार ने दिल्ली के मुगल गार्डन का नाम बदलकर 'अमृत उद्यान' किया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आजादी के अमृतकाल में गुलामी की मानसिकता से बाहर आने के क्रम में शनिवार को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन स्थित मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने कहा, स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के समारोह के अवसर पर ह्यआजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर, राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन उद्यान को अमृत उद्यान के रूप में एक सामान्य नाम दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29

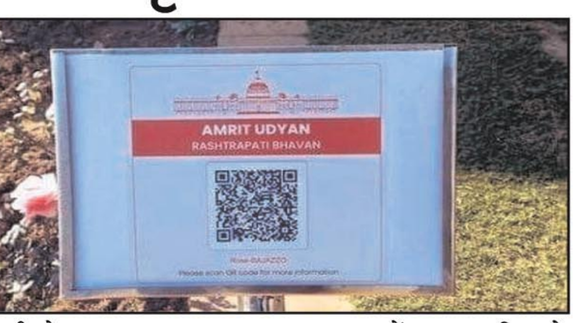

जनवरी को उद्यान उत्सव का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 31 जनवरी से 26 मार्च तक अमृत उद्यान दो महीने के लिए आम जनता के लिए खुला रहेगा। ऑनलाइन बुकिंग कर लोग अमृत उद्यान में जाकर 12 किस्म के ट्यूलिप सहित अन्य फूलों को देख सकेंगे। सप्ताह में प्रत्येक सोमवार को यह बंद रहेगा। इसके अलावा 8 मार्च को होली के दिन भी बंद रहेगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बंगाल सरकार से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना में लगातार हो रही धांधली की शिकायतों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सजग हो गया है। इस बाबत आयोग की ओर से राज्य सरकार को एक पत्र लिखा गया है जिसमें आवास योजना के क्रियान्वयन और वंचित लोगों से संबंधित रिपोर्ट मांगी गई है। राज्य सचिवालय सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि पत्र बहुत पहले आया था लेकिन अभी तक राज्य सरकार की ओर से जवाब नहीं दिया गया है। आरोप लगे हैं कि आवास योजना में जिन लोगों के नाम हैं, वे अगर सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के प्रति वफादार या कार्यकर्ता नहीं हैं तो उनका नाम आवास योजना की सूची से गैर लाभुकों के रूप में हटाया जा रहा है। दूसरी तरफ जो लोग तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हैं उनका

बहुमंजिला मकान होने के बावजूद उन्हें इस योजना का वित्तीय लाभ मिल रहा है। अब मानवाधिकार आयोग की ओर से जो पत्र भेजा गया है उसमें दो हफ्ते के भीतर जवाब देने को कहा गया है। मानवाधिकार कार्यकर्ता संगीता बताया ने कहा कि वह 2018 से लगातार इस तरह की शिकायतें राज्य सरकार के पास कर रही हैं लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी जिसके बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से मदद मांगी थी। उन्होंने अकेले दिल्ली में कम से कम 500 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में केंद्र सरकार की एक टीम बंगाल में आवास योजना के क्रियान्वयन का जायजा लेकर गई है। आरोप है कि इस योजना का लाभ केवल तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों को दिया जा रहा है वह भी ऐसे लोगों को जिनके पास पहले से मकान हैं।

दिल्ली के एलजी ने सरकारी जमीन को फर्जी तरीके से बेचने वाले अधिकारी को किया बर्खास्त

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। एलजी वीके सक्सेना ने सरकारी और ग्रामसभा की जमीन को फर्जी तरीके से एक व्यक्ति के पक्ष में करने के आरोप में दिल्ली प्रशासनिक अधीनस्थ सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी हरीश बजाज को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही अधिकारियों को संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजनिवास से जुड़े अधिकारियों के अनुसार हरीश बजाज ने वर्ष 2015-16 के दौरान राजस्व विभाग द्वारा जारी नियमों विनियमों और निदेशों का उल्लंघन करते हुए दुर्भावनापूर्ण इरादे व वित्तीय लाभ के साथ अवैध रूप से 106 फर्द को पंजीकृत किया था। इनमें 57 सरकारी ग्रामसभा भूमि और पार्सल से संबंधित थे या अधिग्रहण के लिए अधिसूचित थे। कदाचार चूक और कमीशन के

कृत्यों के लिए बजाज को वर्ष 2020 में सेवानिवृत्त कर दिया गया था लेकिन उन्होंने अपील दायर कर दी। जब उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी तब वह श्रम विभाग में उपसचिव थे। अधिकारी ने कहा बजाज ने प्रविधानों का उल्लंघन किया व सक्षम प्राधिकारी एडीएम (पूर्व) से भूमि की स्थिति रिपोर्ट प्राप्त किए बिना भूमि से संबंधित 57 दस्तावेजों को पंजीकृत किया जैसा कि दिनांक 25.08.2006 के आदेश द्वारा तय किया गया था।

प्रियंका गांधी वाड्रा भारत जोड़ो यात्रा में हुई शामिल

पुलवामा, (हि.स.)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा शनिवार को राहुल गांधी के साथ पुलवामा जिले के लिथपोरा में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। भारत जोड़ो यात्रा के लिथपोरा में विराम के लिए रुकने से पहले प्रियंका गांधी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ चलीं। यात्रा अवंतीपोरा से शुरू हुई जहां पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती भारत जोडो यात्रा के लिए राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं। राहुल गांधी ने लिथपोरा में आत्मघाती कार बम हमले में शहीद सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि दी। भारत जोड़ो यात्रा रात के लिए पंथाचौक में ही रुकेगी। वहां एक रात रुकने के बाद यात्रा रविवार सुबह पंथा चौक से शुरू होगी और शहर के बुलेवार्ड रोड पर नेहरू पार्क के

पास समाप्त होगी। राहुल गांधी एमए रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में सोमवार को तिरंगा फहराएंगे। इसके बाद एसके स्टेडियम में एक जनसभा करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए 23 विपक्षी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा को त्रिस्तरीय सुरक्षा दी जा रही है। सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए हैं। यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। ट्रैफिक भी डायवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कल सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई थी।

शरद पवार ने की बीबीसी डाक्यूमेंट्री बैन करने की आलोचना कहा यह लोकतंत्र पर हमला

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने आज कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित एक डॉक्यूमेंटरी ह्यद मोदी क्वेश्चन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लोकतंत्र पर हमला है। शरद पवार ने मुंबई के एक होटल में शनिवार सुबह आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बीबीसी मीडिया समूह द्वारा बनायी गयी डॉक्यूमेंटरी पर प्रतिबंध लगाना पूरी तरह से अलोकतंत्रिक फैसला है। उन्होंने कहा कि लोग धार्मिक मुद्दों पर अपना वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का समर्थन किया और जगह-जगह उसमें शामिल भी हुए लेकिन केंद्र सरकार ने गांधी की अलग छवि पेश करने की कोशिश की। राहुल गांधी को आम लोगों से बड़े पैमाने पर समर्थन मिलने के कारण सरकार अपने प्रयास में पूरी तरह विफल रही। राज्य के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के प्रस्तावित इस्तीफे की चर्चा पर पवार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य महापुरुषों पर कई विवादास्पद बयानबाजी करने वाले व्यक्ति से

राज्य के लोगों को मुक्त किया जा रहा है।

पवार ने कहा एक सर्वेक्षण में यह संकेत दिया गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में नहीं आएगी और इस आधार पर हम सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी तक इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। हर राज्य में अलग-अलग मुद्दे हैं और इसे सुलझाना जरूरी है। उन्होंने कहा दिल्ली से विभिन्न विपक्षी दलों के बीच समन्वय को लेकर चर्चा शुरू होगी। पवार ने वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के नेता प्रकाश अंबेडकर के इस बयान का खंडन किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि श्री मोदी केंद्रीय जांच प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे हैं। शिवसेना (ठाकरे) और वीबीए के बीच गठबंधन पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए पवार ने कहा हमने अब तक वीबीए के साथ चर्चा नहीं की है। एमवीए के रूप में हम आने वाले चुनाव का एकजुट होकर सामना करेंगे और हम उद्धव ठाकरे के साथ हैं।

रेलवे की अगली योजना जिसपर चल रहा है काम

नई दिल्ली ईएमएस। वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वर्जन के लिए 1800 करोड़ रुपये रेलवे बजट से स्वीकृत किए गए हैं। अगले दो सालों में देश के अलग-अलग रूटों पर इस संस्करण की 400 ट्रेनें ट्रैक पर उतारी जायेंगी। रेलवे के अनुसार आईसीएफ साहित कई कंपनियों ने इन ट्रेनों को बनाने में दिलचस्पी दिखाई है।

400 ट्रेनों में से पहली 200 चेयर कार ट्रेनें होंगी और बाकी स्लीपर वर्जन होंगी। यह भी बताया गया है कि चेयर कार ट्रेनों को अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे की गति से चलाने के लिए डिजाइन किया जाएगा और ये व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए 130 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। जबकि बाकी 200 ट्रेनें जो स्लीपर वर्जन में होंगी उन्हें 220 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति और 200 किमी प्रति घंटे की व्यावसायिक गति से चलने के लिए डिजाइन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार अगले दो साल में सभी 400 ट्रेनें देश के अलग-अलग रेल मार्गों की पटरी पर दौड़ने के लिए तैयार हो जाएंगी। दरअसल वंदे भारत ट्रेनों के चेयर कार संस्करण धीरे-धीरे शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों की जगह लेंगे और ट्रेन के स्लीपर संस्करण राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों की जगह लेंगे। रेलवे के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वर्जन के कोच एल्युमिनियम के बने होंगे और इसे अधिकतम 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने के लिए डिजाइन किया जाएगा। हालांकि सफर के लिए यह स्लीपर ट्रेन 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। जानकारी के अनुसार दक्षिण भारत के कई राज्यों में इस साल के अंत में वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत होगी। नए रूट्स में तेलंगाना में काचीगुड़ा से कर्नाटक में बेंगलुरु तक और तेलंगाना में सिकंदराबाद से आंध्र प्रदेश में तिरुपति और महाराष्ट्र में पुणे शामिल हैं। कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है। अब तक देश में आठ वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। ये नागपुर-बिलासपुर दिल्ली-वाराणसी दिल्ली-कटड़ा दिल्ली-ऊना गांधीनगर-मुंबई चेन्नई-मैसूर हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम रूट पर चल रही हैं।

आपातकाल से भी गंभीर है स्थिति पुलिस की मिलीभगत से मुसलमानों को बनाया जा रहा निशाना : एडवोकेट आनंद ग्रोवर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कॉलेजियम और केंद्र सरकार के बीच न्यायिक नियुक्तियों को लेकर विवाद जारी है। इस कड़ी में नया नाम सीनियर एडवोकेट आनंद ग्रोवर का जुड़ा है। ग्रोवर ने न्यायिक बिरादरी से न्यायपालिका के साथ खड़े होने की अपील की है। आनंद ग्रोवर ने बार की खामोशी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि बार को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। अगर बार मजबूत नहीं है तो न्यायपालिका के मजबूत होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बार की तरफ से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है। कॉलेजियम की तारीफ करते हुए ग्रोवर ने कहा दरअसल गणतंत्र दिवस से पहले बुधवार को ह्यद लंदन स्टोरी नामक एक थिंक टैंक ने वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह यूरोपीय संघ में भारतीय डायस्पोरा द्वारा चलाया जाने वाला थिंक टैंक है। चर्चा का विषय टेकिंग स्टाक आफ कांस्टीट्यूशनल राइट्स आफ प्रोटेक्शन इन इंडिया था। आनंद ग्रोवर का मानना है कि मौजूदा समय में न्याय समानता स्वतंत्रता और बंधुत्व खतरे में है। संवैधानिक मूल्य संकट में हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक बहुत खतरनाक स्थिति है। हालांकि यह पहली बार नहीं है। पहले भी संवैधानिक मूल्यों पर हमला हुआ। आपातकाल के दौरान न्यायपालिका ने दम तोड़ दिया था लेकिन आज स्थिति अधिक गंभीर है। ग्रोवर ने कहा ऐतिहासिक रूप से मजबूत सरकार का उदय न्यायपालिका और न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर हुआ है। ऐसा सिर्फ भारत में नहीं हुआ है। दुनिया भर की यही हालत है। न्यायपालिका का राजनीतिकरण बढ़ा है। आनंद ग्रोवर का मानना है कि देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। सिस्टमैटिक तरीके से उनके साथ हिंसा और भेदभाव किया जा रहा है। मुस्लिमों की लिंचिंग में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आनंद ग्रोवर ने कहा मुसलमानों की लिंचिंग एक प्रमुख मुद्दा है। मुसलमानों की लिंचिंग में पुलिस की मिलीभगत होती है। घटनाओं के बाद उनकी जवाबदेही तय नहीं होती है। देश में बहुलता और धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर कर दिया गया है। अल्पसंख्यक अपने ही देश में दूसरे दर्जे के नागरिक की तरह महसूस करते हैं।

अदाणी समूह पर हिण्डनबर्ग की निगेटिव रिपोर्ट, सरकार इस मुद्दे को सदन में रखे : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को अदाणी उद्योग ग्रुप के सम्बंध में अमेरिकी फर्म हिण्डनबर्ग की आई निगेटिव रिपोर्ट पर सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने अपने ट्वीट में कहा कि देश में पिछले दो दिनों से गणतंत्र दिवस से ज्यादा प्रमुख अदाणी उद्योग ग्रुप के सम्बंध में अमेरिकी फर्म हिण्डनबर्ग की आई निगेटिव रिपोर्ट चर्चा में। इस रिपोर्ट का शेयर बाजार पर व्यापक बुरा प्रभाव पड़ा है। सरकार चुप है जबकि देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई उससे जुड़ी हुई है। आगे उन्होंने कहा कि शेयरों में धोखाधड़ी आदि के आरोपों के बाद अदाणी की सम्पत्ति में 22.6 अरब डालर की कमी व उनके विश्व रैंकिंग घटने से ज्यादा लोग इससे चिन्तित हैं कि सरकार ने ग्रुप में जो भारी निवेश कर रखा है उसका क्या होगा? अर्थव्यवस्था का क्या होगा? बेचैनी व चिन्ता स्वाभाविक। समाधान जरूरी। मायावती ने कहा कि संसद के 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र के प्रारंभ में ही सरकार को इस मुद्दे पर विस्तार से स्वयं ही वक्तव्य सदन के दोनों सदन में रखना चाहिए। ताकि पूरे देश में व खासकर अर्बन मिडिल क्लास परिवारों में आर्थिक जगत तथा अदाणी ग्रुप आदि को लेकर छाई बेचैनी व मायूसी थोड़ी कम हो सके।

करोड़ जनआकांक्षा के अनुरूप होगा उप्र का नया बजट : योगी

-जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों संग बैठक कर दिए निर्देश

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने सांसद और विधायकों के साथ प्रदेश के सभी 18 मंडलों में संचालित विकास परियोजनाओं की गहन समीक्षा के बाद शनिवार को शासन स्तर पर बैठक की। इस बैठक में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करके समीक्षा की गयी और उसे अमल में लाने के निर्देश भी दिए गए। इस बैठक में मंत्री, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव स्तर के अधिकारी शामिल थे। इस विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने वर्तमान वित्तीय बजट में प्राविधानित राशि के उपयोग की विभागवार समीक्षा की और जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को तेज करने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले माह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 के कार्यक्रमों के उपरांत आगामी वित्तीय वर्ष का बजट आंकलन प्रस्तुत किया जाना है। सभी विभाग अपनी भावी योजनाओं के अनुरूप बजट के लिए अपना प्रस्ताव तैयार कर भेजें। जितनी आवश्यकता हो, उतनी ही मांग करें। संबंधित मंत्री भी अपने विभागीय स्थिति की समीक्षा करें। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार से हमें हर संभव सहायता मिल रही है। केंद्र से सामंजस्य स्थापित कर अवशेष धनराशि प्राप्त करें। विभागीय मंत्री स्वयं भारत सरकार के मंत्रियों से संवाद करें। केन्द्रांश के अभाव में परियोजना बाधित न रखें। नियमानुसार राज्यांश जारी कर कार्य जारी रखा जाए। सभी विभाग शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र केन्द्र को भेजें। उन्होंने कहा कि आवंटन के अनुरूप खर्च में होमगार्ड, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, लोक निर्माण विभाग, दिव्यांग जन सशक्तिकरण, एमएसएमई, नगर विकास, वन, व्यावसायिक शिक्षा को प्रयास तेज करने होंगे। इन विभागों में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा कराएं। गांवों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास में आमजन को सहभागी बनाने के लिए मातृभूमि योजना प्रारंभ की जा रही है। बड़ी संख्या में लोगों ने इस योजना से जुड़कर अपने गांव में अपने पूर्वजों के नाम पर भवन, सड़क, कम्युनिटी सेंटर, आदि बनवाने की इच्छा जताई

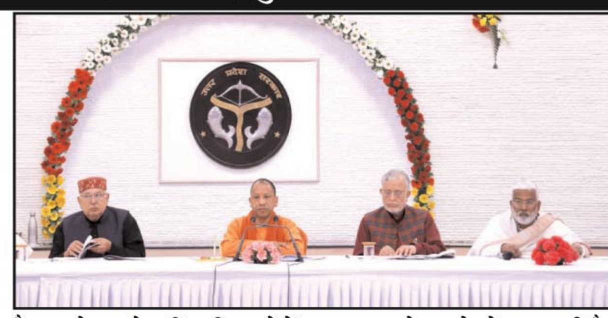

है। इस योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी दो माह की अवधि में सभी विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार मेलों का आयोजन हो। रोजगार एवं सेवायोजन विभाग, उद्योग विभाग के साथ मिलकर प्रयास करें। इन मेलों के आयोजन के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन लें। प्रभारी मंत्रीगण भी इन मेलों में उपस्थित रहेंगे। बिजली बिल के समयबद्ध भुगतान के लिए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि लोगों को सही बिल मिले और समय पर मिले। ओवरबिलिंग, फाल्स बिलिंग अथवा विलंब से बिल दिया जाना उपभोक्ता को परेशान करती है। बिजली बिल की वसूली के नाम पर कहीं भी उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों से संवाद के दौरान नए बस स्टेशनों की स्थापना की आवश्यकता प्राप्त हुई है। 23 नए सर्वसुविधायुक्त बस स्टेशन बनाने के हमारे प्रयास का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसे तेजी से आगे बढ़ाया जाए। हमें नए रूट पर बसें चलानी हैं। इस संबंध में विभाग स्तर से योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए। हर जिले में पीपीपी मॉडल पर कम से कम एक आधुनिक मॉडल बस स्टेशन विकसित किया जाए। निर्माण संबंधी विकास कार्यों में कार्यदायी संस्थाओं की बड़ी भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को सभी शासकीय कार्यदायी संस्थाओं में मैनपॉवर की उपलब्धता, दक्षता, क्षमता की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों पर सभी विभागों को ध्यान देना होगा। इन जिलों में युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देने के लिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक, कौशल विकास केंद्र की स्थापना की योजना तैयार की जाए। जिन नए इंटर कॉलेजों, महाविद्यालयों का भवन निर्माण पूरा हो गया है और उन्हें हैंडओवर कर दिया गया है, उन्हें यथाशीघ्र क्रियाशील किया जाए। महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम तय करते समय न्यू एज कोर्सेज को वरीयता दी जाए। यह सुनिश्चित कराएं की कहीं स्टाफ की कमी न हो। उन्होंने कहा कि 50-60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके राजकीय इंटर कॉलेजों के भवनों का जीर्णोद्धार किया जाना आवश्यक है। अब जर्जर हो चुके इन परिसरों ने देश को अनेक रत्न दिए हैं। इनके पुराने जर्जर भवनों को ध्वस्त कराकर नवीन भवन निर्माण के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार की जाए। दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने के लिए उनके कौशल विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। इन्हें मोटराइज्ड ट्राई साइकिल दिया जाए। हरिहरपुर (आजमगढ़) में संगीत महाविद्यालय की स्थापना का कार्य समय से प्रारंभ कर दिया जाए। इसके लिए पर्याप्त धनराशि प्राविधानित है। इस कार्य में देर न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर, कप्तान, मुख्य विकास अधिकारी आदि फील्ड में तैनात सभी अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद-संपर्क बनाए रखें। माह में एक बार जनप्रतिनिधियों के साथ विकास परियोजनाओं की समीक्षा करें। इसी प्रकार जिला मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक भी हो। सुशासन में अपराधों की अलग-अलग प्रकृति के अनुसार त्वरित न्याय के लिए अलग-अलग कानूनों से जुड़े अदालतों की व्यवस्था है। अदालतों के लिए एकीकृत कोर्ट भवन बनाये जाने की योजना को शीघ्र क्रियान्वित किया जाए। इस बैठक में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह समेत अन्य मंत्री और अफसर मौजूद रहे।

खेल महाकुम्भ से देश को मिल रहे युवा खिलाड़ी : केशव प्रसाद मौर्य

बस्ती, (हि.स.)। सांसद खेल महा कुंभ पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार खेलों को बढ़ावा दे रही है। बस्ती में "सांसद खेल महाकुम्भ" का समापन करने के बाद उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से गांव की प्रतिभा निखरती है और गांव के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा बिखेरने के लिए अच्छा मंच मिल रहा है। अगर गांव के खिलाड़ी ऐसे आयोजन में भाग लेंगे तो एक दिन प्रदेश में गोल्ड मेडल प्राप्त करके अपने जिले गांव का नाम रोशन करेंगे। भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से खेलों को बढ़ावा मिला है। केंद्र व प्रदेश की सरकार खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। साल 2017 से पहले केवल एक पार्टी और एक

जाति के लोगों को सम्मानित किया जाता था। लेकिन भाजपा की सरकार जब से बनी है तब से सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। सभी जिलों को समान रुप से बिजली मिल रही है। गुंडे, माफियाओं पर निरंतर कार्यवाही हो रही है। उन्होंने कहा कि एक समय था कि जब जम्मू कश्मीर में तिरंगा लगाने के लिए प्रदर्शन करना पड़ता था, लेकिन आज जम्मू कश्मीर में तिरंगा लगाने के लिए सभी लोग अपने आप उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। सड़कों का निर्माण अभियान चलाकर कराया जा रहा है। "बस्ती जनपद एक बहुत बड़ी हस्ती है, जिसकी कल्पना कभी नहीं की जा सकती" जी-20 की अध्यक्षता की चार बैठके के उत्तर प्रदेश में होंगी। जिससे देश प्रदेश का नाम बढ़ रहा है।

रामगढ़ विधान सभा उप चुनाव लड़ेगी भाकपा

रांची, (हि.स.)। भाकपा की राज्य परिषद की बैठक वरिष्ठ नेता पशुपति कॉल की अध्यक्षता में अल्बर्ट एक्का चौक स्थित राज्य कार्यालय में शनिवार को संपन्न हुई। राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कार्य रिपोर्ट, सांगठनिक रिपोर्ट और राजनीतिक रिपोर्ट पेश किया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव वामदलों के सहयोग से भाकपा लड़ेगी। भाकपा ने वामदलों से भाकपा उम्मीदवार को समर्थन करने की अपील की है। बैठक में सदस्यता अभियान, नवीकरण और जन संगठनों के निर्माण सहित जन आंदोलन को विकसित करने को लेकर विस्तारित चर्चा की गई। साथ

ही राज्यस्तरीय रणनीति बनाई गई। किसानों की जन समस्याओं को लेकर पूरे राज्य में 14 फरवरी को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। 11 मार्च को अल्पसंख्यकों के सवाल को लेकर रांची के एसडीसी सभागार में सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। इससे पूर्व बैठक की शुरूआत दिवंगत साथियों की श्रद्धांजलि से शुरू की गई। इस मौके पर पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडे, अजय कुमार सिंह सहित कई नेता मौजूद थे।

शराब पीने वाले की निशानदेही पर सप्लायर को करें गिरफ्तार, तोड़े सप्लाई चेन : केके पाठक

बेतिया, (हि.स.)। बिहार के अपर मुख्य सचिव केके पाठक मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार की अध्यक्षता में शराबबंदी के निमित पश्चिम चंपारण जिले में क्रियान्वित सभी कार्यों की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में शनिवार को सम्पन्न हुयी। अपर मुख्य सचिव द्वारा मद्य निषेध को लेकर दर्ज कांडों तथा कुल गिरफ्तारी, वाहनों की जब्ती, देशी-विदेशी शराब की जब्ती, ब्रेथ एनालाइजर से जांच, शराब पीने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी और उनकी निशानदेही पर सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए की गयी गिरफ्तारी, वाहनों की नीलामी, ट्रायल की स्थिति आदि की विस्तृत समीक्षा की गयी। डीएम पश्चिम चम्पारण कुंदन कुमार द्वारा पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से मद्य निषेध को लेकर जिये में किये जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी अपर मुख्य सचिव को दी। अपर सचिव द्वारा जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा मद्य निषेध को लेकर किये जा रहे कार्यों पर संतोष प्रकट किया और कहा कि मद्य निषेध को लेकर जारी अद्यतन दिशा-निदेशों को गहनता से एवं कारगर तरीके से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मद्य निषेध को लेकर लगातार छापेमारी

अभियान, पेट्रोलिंग करने और गिरफ्तारी में तेजी लाने की आवश्यकता है। उत्पाद विभाग एवं पुलिस अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर पैनी नजर बनाकर रखनी है। ऐसे स्थलों पर नियमित छापेमारी, गिरफ्तारी की जाय। उन्होंने कहा कि ब्रेथ एनालाईजर से लगातार जांच करायी जाय। जिले में चिन्हित हॉटस्पॉट पर सतत निगरानी रखी जाए। चेकपोस्ट के माध्यम से प्रत्येक आने-जाने वाले वाहनों तथा चालकों एवं यात्रियों की जांच की जाय। चालकों की जांच में ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग किया जाय। शराब पीने वाले को पकड़ने पर उनसे सप्लाई चेन की जानकारी लें, पीने वाले की निशानदेही पर पिलाने वाले तक पहुंचें और उसे गिरफ्तार करें। उन्होंने कहा कि पीने वाले की निशानदेही पर पिलाने वाले को पकड़ने से सप्लाई चेन को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए ठोस कारगर कार्रवाई करें। इस कार्य में आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजकों को मद्य निषेध से संबंधित मामलों के ट्रायल में तेजी लाने का निदेश दिया। उन्होंने लोकअभियोजकों से कहा कि मद्य निषेध को लेकर अभियुक्तों को सजा दिलाने में सरकार का पक्ष मजबूती से रखे तथा त्वरित गति से ट्रायल चलवा कर दोषियों को सजा दिलाएं और निर्देश दिया कि होमियोपैथी, आयुर्वेदिक, एलोपैथी की थोक एवं खुदरा दुकानों की नियमित जांच करायी जाय। निरीक्षण के क्रम में स्टॉक रजिस्टर वेरिफाई करें तथा कार्रवाई करें। इसके साथ ही पेंट फैक्ट्री, ट्रांसपोर्ट, कुरियर कंपनी की भी समय-समय पर जांच करायी जाय।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर आंदोलनरत छात्रों ने चुनाव अधिकारी लापता का लगाया पोस्टर

-महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर में जगह-जगह लगा पोस्टर

वाराणसी, (हि.स.)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में छात्रसंघ चुनाव को लेकर आंदोलनरत छात्रों ने शनिवार को पूरे परिसर में चुनाव अधिकारी लापता का पोस्टर लगा दिया है। परिसर में जगह-जगह छात्रसंघ चुनाव के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी के लापता का पोस्टर सोशल मीडिया में भी सुर्खियों में है। छात्रों ने पोस्टर में मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पीताम्बर दास को ढ़ूढ़ने पर पांच रुपये का इनाम भी घोषित किया है। छात्रों ने पोस्टर के जरिये कहा है कि हमारे चुनाव अधिकारी वाराणसी से कुछ दिनों से लापता हो गये हैं। काफी खोजबीन के बाद कुछ पता नहीं चल रहा है। छात्रों का आरोप है कि न तो मिलते हैं और न ही चुनाव प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। गौरतलब है कि काशी विद्यापीठ में छात्रसंघ चुनाव को लेकर छात्र जनवरी माह के पहले सप्ताह के अंत से ही आंदोलनरत है। छात्रनेता चुनाव को लेकर हंगामा के साथ चीफ प्रॉक्टर प्रो. अमिता सिंह

के वाहन पर पथराव भी कर चुके हैं। चुनाव अधिकारी प्रो. पीतांबर दास ने 7 जनवरी को नामांकन व 17 जनवरी को मतदान कराने का ऐलान किया था। वहीं दीक्षान्त समारोह के बाद विद्यापीठ प्रशासन ने सात जनवरी तक शीतावकाश घोषित कर दिया था। इसके बाद विश्वविद्यालय के खुलने पर छात्रनेता चुनाव की नई तिथि घोषित करने के लिए लगातार आंदोलन कर रहे हैं। जिला प्रशासन की अनुमति के बिना चुनाव की तिथि घोषित करने में चुनाव अधिकारी ने असमर्थता जताई है।

केएन त्रिपाठी ने पलामू उपायुक्त से मिलकर रखी मांग

मेदिनीनगर, (हि.स.)। ग्रामीण विकास, पंचायती राज, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी उपायुक्त से मिलकर जिले में हो रहे अवैध माइनिंग को रोकने की मांग की है। केएन त्रिपाठी ने उपायुक्त से कहा कि कठौतीया गांव के बधमनवा टोला में मंजीत कुमार मेहता की मौत खनन स्थल पर जहरीली गैस के चलते हुई है। खनन कार्य गांव के बीच में किया जा रहा है, जो गैरकानूनी एवं नियम विरुद्ध है। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिन रैयतों ने घर एवं जमीन नहीं दिया उनके घर एवं जमीन के चारों तरफ 20 फीट गड्डा काटकर उनके आवागमन को अवरुद्ध कर दिया गया है, जिसके चलते सैकड़ो लोगों की जान खतरे

में है। मंजीत कुमार मेहता की मौत का कारण यही नियम विरुद्ध कार्य है। पूर्व मंत्री ने उपयुक्त से आग्रह किया कि तत्काल हिण्डालाको कम्पनी को जनहित के मद्देनजर माइनिंग रोक दिया जाए। सभी रैयतों को एक समान दर से जमीन एवं घर का मुवावजा दिया जाए। गैरकानूनी तरीके से डेटोनेटर ब्लास्टींग से हो गये क्षतिग्रस्त मकान, जमीन एवं जानमाल की मुवावजा और सुरक्षा मुहैया कराई जाए। मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा एवं नौकरी दी जाए।

बीस जनप्रतिनिधियों ने ली जदयू की सदस्यता

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के गोपालपुर विधानसभा के विधायक सह सचेतक सत्तारूढ़ दल नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ. गोपाल मंडल एवं जदयू के जिलाध्यक्ष त्रिपुरारी कुमार भारती के नेतृत्व में शनिवार को पूर्व मुख्य पार्षद सह पार्षद टी एन यादव के आवास पर एक बैठक आहूत की गई। बैठक में विधायक सचेतक सत्तारूढ़ दल नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ उर्फ गोपाल मंडल एवं जिला अध्यक्ष त्रिपुरारी कुमार भारती की उपस्थिति में बीस जनप्रतिनिधियों ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में मुख्यरूप से उपसभापति प्रतिनिधि अजय कुमार उर्फ प्रमोद कुमार यादव, पूर्व उप मुख्य पार्षद सह पार्षद पार्षद टीएन यादव, पार्षद मनीष सिंह वार्ड नंबर 10, पार्षद प्रतिनिधि अशोक जयसवाल वार्ड नंबर 20, पार्षद विनोद सिंह वार्ड नंबर 17, पार्षद रवि मंडल वार्ड नंबर 16, पार्षद अभिषेक कुमार उर्फ सागर वार्ड नंबर 28, पार्षद अभिनंदन कुमार वार्ड नंबर 9, पार्षद बलराम सिंह वार्ड नंबर 2,

पार्षद रवि सिंह वार्ड नंबर 1, पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद निहाल, वार्ड नंबर 12, गोपाल तांती पार्षद प्रतिनिधि सह नगर उपाध्यक्ष भाजपा वार्ड नंबर 21, बबलू झा पार्षद प्रतिनिधि वार्ड नंबर 8, जहांगीर खान, मोहम्मद नौशाद आलम, विवेकानंद बिहारी, विपिन कुमार सिंह, सुमन कुमार सिंह, को माला पहनाकर जदयू की सदस्यता ग्रहण करवाई। मौके पर जदयू नेता पूर्व प्रमुख, वर्तमान मुखिया डुमरिया छप्पर घट मानकेश्वर सिंह, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मोहम्मद शाहिद रजा, पूर्व प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी कुमार मिलन सागर, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सह पार्षद प्रतिनिधि हिमांशु भगत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

योग गुरु बाबा रामदेव की बयान पर मौलाना बरेलवी ने जतायी नाराजगी

लखनऊ, (हि.स.)। दरगाह ए आला हजरत से जुड़े संगठन आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने योग गुरु बाबा रामदेव के 'देश में धार्मिक आतंकवाद चल रहा है' बयान पर नाराजगी व्यक्त की। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि बाबा रामदेव ने मजहब को आतंकवाद से जोड़ा है, जो सरासर गलत बात है। मौलाना बरेलवी ने कहा कि बाबा रामदेव को यह मालूम होना चाहिए कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई मजहब नहीं होता। किसी भी धर्म को आतंकवाद से जोड़ा जायेगा तो एक बड़ी समस्या खड़ी हो जायेगी। हमने हमेशा मुस्लिम संगठन की ओर से आतंकवादी गतिविधियों की हमेशा विरोध किया है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में हमने अलकायदा, तालिबान, लश्कर ए तैयबा, इंडियन मुजाहिदीन का विरोध किया है। दिल से विरोध किया है। मजहब को कभी भी आतंकवाद से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। आतंकवाद एक बीमारी है, उसे खत्म करना चाहिए। हमारा भारत सूफी विचारधारा से भरा हुआ है। उसके सूफी से गहरी जुड़ाव हैं। उन्होंने कहा कि भारत में आतंकवाद न तो पनपा है और न ही पनप पाएगा। हम अभियान चला रहे हैं और आतंकवाद के विरोध में अभियान आगे भी चलाते रहेंगे। बाबा रामदेव को अपनी ओर से इस तरह की गलत बयानबाजी नहीं करनी चाहिए,जिससे किसी मजहब से जुड़े लोगों में नाराजगी हो जाए।

राज्य में मरीजों के लिए जल्द शुरू होगी एयर एंबुलेंस की सुविधा : हेमंत सोरेन

-मुख्यमंत्री ने नेफ्रो क्रिटिकल केयर सम्मेलन-2023 का किया उद्घाटन

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए उनकी सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य में जल्द एयर एंबुलेंस की सुविधा बहाल की जाएगी। यह सुविधा आमजनों को बिल्कुल सरकारी दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। बेहतर इलाज के लिए मरीजों को देश के किसी भी कोने में स्थापित अस्पताल में जाना हो तो वे एयर एंबुलेंस की सुविधा ले सकते हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को जिमखाना क्लब में आयोजित पहले नेफ्रो क्रिटकल केयर सम्मेलन-2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के मेडिकल सर्किटों को एक-दूसरे से जोड़ने करने का काम किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जरूरतमंद मरीजों को जेनेरिक मेडिसिन उपलब्ध कराया जा सके, इस निमित्त कार्य योजना बनायी जा रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कई चीजें ऐसी हैं, जिनको जमीनी स्तर पर तैयार करने की आवश्यकता है। राज्य के सभी जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी में कार्य करे यह हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अभी और बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। राज्य

सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर कार्य योजना तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले अजीम प्रेमजी भी बहुत जल्द हमारे साथ जुड़ने वाले हैं। राज्य सरकार ने अजीम प्रेमजी को 300 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है, जहां स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज भी स्थापित की जाएगी। सोरेन ने कहा कि अजीम प्रेमजी की संस्था राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य करेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा देने वाली अपोलो सहित कई ऐसे संस्थान हैं, जिनकी सेवा झारखंड में लेने निमित्त राज्य सरकार कार्य योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जल्द निजी अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को और ज्यादा मजबूत करने पर बल देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दो दिवसीय पहला नेफ्रो क्रिटिकल केयर सम्मेलन-2023 कार्यक्रम स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। नेफ्रो क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञ डॉक्टरों के जो भी सुझाव राज्य सरकार को मिलेंगे, उन सुझावों पर राज्य सरकार अवश्य विचार करेगी। उन्होंने सभी डॉक्टर एवं आयोजनकताओं को शुभकामनाएं और बधाईयां दीं। साथ ही बेहतर कार्य करने वाले कई विशेषज्ञ डॉक्टरों को द्रोणाचार्य सम्मान तथा प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार, डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. अशोक कुमार बैद्य, डॉ. तापस कुमार साहू, डॉ. प्रदीप कुमार भट्टाचार्य, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. राश कुजूर एवं कई जाने-माने विशेषज्ञ डॉक्टर्स उपस्थित थे।

राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा ने शम्भू कुमार को नियुक्त किया सांसद प्रतिनिधि

बेगूसराय, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने बेगूसराय जिले के लिए बरियारपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता शंभू कुमार को अपना अधिकृत प्रतिनिधि मनोनीत किया है। डीएम को भेजे गए पत्र में उन्होंने लिखा है कि विकास आयुक्त, नगर निगम, सिविल सर्जन कार्यालय सहित सभी विभाग और उपक्रम को सूचित कर दें कि मेरी अनुपस्थिति में विभागीय मीटिंग सहित अन्य कार्यक्रम में शंभू कुमार भाग लेंगे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी इस संबंध में निर्देशित किया है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजकिशोर सिंह को भी पत्र की कॉपी दिया है, ताकि पार्टी द्वारा आहुत महत्वपूर्ण बैठक में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। शंभू कुमार ने कहा कि पिछले तीन साल से सांसद की अनुपस्थिति में इस दायित्व को समय-समय पर पूरा कर ही रहे थे। लेकिन संगठन और विचार परिवार के सलाह

पर इसे अधिकृत पत्र द्वारा जिला प्रशासन और पार्टी को भेजा गया तो जिम्मेवारी और बढ़ गई। यह कोई पद नहीं दायित्व है, संगठन, पार्टी और विचार परिवार के वरिष्ठ अभिभावक के मार्गदर्शन में इसे निर्वाहन करने का प्रयास रहेगा। शंभू कुमार के मनोनयन पर विचार परिवार के वरिष्ठ अधिकारी भाजपा जिलाध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने कहा कि स्थानीय स्तर पर समस्या के समाधान में सुविधा होगी, यह सराहनीय है। उपाध्यक्ष बलराम सिंह, कोषाध्यक्ष रामकल्याण सिंह, डॉ. सुरेश प्रसाद राय, सुनील कुंवर, संदीप अग्रवाल, अशोक सिन्हा, मितेश कुमार, राकेश पांडेय, प्रमोद राम, विवेक गौतम, कपिलदेव राम एवं श्यामसुंदर आदि ने कहा कि यह सराहनीय कदम है, इससे कार्य निष्पादन में सुविधा होगी।

संपादकीय

नवनिर्माण की आचार संहिता

शिमला हाई कोर्ट का यह फैसला हिमाचल के अस्तित्व को जीवन प्राण देने का मूलमंत्र है और इसे व्यावहारिक शक्ल देने की अतीव आवश्यकता है। माननीय अदालत ने हिमाचल के पहाड़ों को कुरेद रही प्रवृत्ति, अंधाधुंध व बेतरतीब निर्माण और टीसीपी कानून की अनिवार्यता को लेकर कड़े संदेश दिए हैं। अपने एक अहम फैसले में हाई कोर्ट ने विकासात्मक तथा भवन निर्माण जैसी गतिविधियों के लिए, पहाड़ों के कटान पर एक तरह से रोक लगा दी है। प्लानिंग एरिया व क्षेत्र विशेष विकास योजना से बाहर पहली बार मनमानी पूर्वक हो रहे निर्माण के हाथ पकड़े हैं तथा इसे व्यवस्थित करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब ग्रामीण क्षेत्रों को भी पहाड़ चीरने की खुली छूट नहीं मिलेगी और यह भी कि सडकों के किनारे किसी भी तरह कि निर्माण को हद से आगे बढने की अनुमति नहीं होगी। ग्रामीण इलाकों में भी रिहायशी भवनों का निर्माण भी पार्किंग के अलावा अधिकतम सीमा तीन मंजिल रखी है तथा इन्हें सडक से तीन मीटर की दूरी पर ही बनाया जा सकता है। वन भूमि से भी निर्माण की दूरी पांच मीटर रखी गई है। इस फैसले का सबसे अहम बिंदु यह है कि अदालत टीसीपी विभाग को प्रदेश के विकास नक्शे का प्रमुख संरक्षक बनाना चाहता है और इसलिए पहाड़ की खुदाई से पहले इसकी अनुमति की बाध्यता भी जुड़ रही है। माननीय अदालत ने टीसीपी निदेशक को साल के भीतर क्षेत्रीय आधार पर तमाम जिलों की योजना बना कर 'नो डिवेलपमेंट जोन' घोषित करने की हिदायत भी दी है। यानी अब हिमाचल में नवनिर्माण के सारे खाकों की निगरानी टीसीपी विभाग करेगा। यह लगभग समाप्त समझे जा रहे विभाग का पुनर्जीवन ही होगा कि इसे अदालती संबल मिल रहा है। पाठकों को याद होगा कि हमने इन्हीं कालमों में 'हिमाचल के जोशीमठ' के तहत इन्हीं चिंताओं का जिक्र किया था और इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले हफ्ते पाठकों से जब पूछा कि 'क्या जोशीमठ से सबक लेते हुए सारे हिमाचल में टीसीपी एक्ट लागू होना चाहिए,' तो इसके जवाब में अठासी प्रतिशत लोगों ने हामी भरी है कि पूरे प्रदेश में इस कानून को लागू करके निर्माण गतिविधियों पर नियम लागू किए जाएं। हमारा भी मानना है कि अब सारे हिमाचल को ग्राम एवं नगर नियोजन कानून के दायरे में ला कर निर्माण की आचार संहिता लागू की जाए तथा पूरे परिवेश को संबोधित करते हुए प्राकृतिक संरचना व दृश्यावलियों को बचाया जा सके। विडंबना यह भी है कि सार्वजनिक निर्माण में भी परिवेश और टीसीपी कानून की शर्तें अमल में नहीं आतीं। व्यावसायिक गतिविधियों ने न केवल पहाड़ का सौदा कर लिया, बल्कि निर्माण सामग्री के नाम पर भी प्राकृतिक संसाधनों की लूट से सारा परिवेश खोखला हो रहा है। आश्चर्य यह कि जिस टीसीपी कानून से हिमाचल के विकास का मॉडल तया होना था या शहरीकरण के दबाव में ग्रामीण परिवेश को बचाना था, वहां सियासी तौर पर इच्छाशक्ति हार गई। भले ही अब एक से बढक़र पांच नगर निगम हो गए या कल इनकी संख्या आठ या इससे भी अधिक हो जाए, लेकिन विडंबना यह कि शहरों के साथ लगते गांवों को हम कानूनी तौर पर या व्यवस्थित ढंग से निर्माण की आदर्श पद्धति से छूट दिलाना चाहते हैं। प्रायःशहरों के दायरे के बाहर दर्जनों गांव खुद में निर्माण की मशीनरी व आर्थिक लाभ उठा कर भी यह नहीं चाहते कि उन पर योजनाबद्ध या कानूनी मंजूरियों का कोई दायरा बने। परवाणू से शिमला के बीच एक बहुत बड़ा व्यापारिक क्षेत्र तो विकसित हुआ, लेकिन इसने एक ओर पहाड़ को बुरी तरह प्रताड़ित किया, तो दूसरी ओर घाटी की तरफ ढलान को भी कंक्रीट से चिन दिया। दोनों ही दिशाओं में प्रकृति विरोधी कार्यों के साथ-साथ भविष्य को संवारने के संकल्प भी हार गए। इसी तरह विद्युत परियोजना क्षेत्रों, नए संस्थानों के विकास तथा सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के आसपास बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों ने सारा पर्यावरण छीन लिया है। दुर्भाग्यवश सरकार की ओर से भी बड़े संस्थानों की जमीन की खोज जब पर्वत से छीन कर पूरी होती है, तो वहां जेसीबी का युद्ध तांडव मचाता है। इस भयानक परिदृश्य से बचाने के लिए केवल डंडा नहीं, नए विकल्प भी चाहिएं। पहले तो सरकार को प्रदेश भर में नए शहर तथा निवेश केंद्र विकसित करने चाहिएं ताकि आवासीय तथा व्यापारिक गतिविधियां व्यवस्थित हो जाएं। सरकार प्रमुख शहरों में नए बाजार, ट्रांसपोर्ट नगर तथा मंडियां विकसित करे। हिमाचल में नवनिर्माण की योग्य जगह पर वन विभाग कुंडली मार कर बैठा है। राज्य की 70 फीसदी भूमि पर वन विभाग की मिलकीयत है, जिसे घटा कर कम से कम 50 प्रतिशत करें, तो अतिरिक्त बीस प्रतिशत भूमि पर भविष्य की पैरवी करते हुए सार्वजनिक व निजी क्षेत्र का उत्थान बिना पहाड़ को काटे या पर्यावरण को बिगाड़े हो सकता है।

> ग्रामीण इलाकों में भी रिहायशी भवनों का निर्माण में पार्किंग के अलावा अधिकतम सीमा तीन मंजिल रखी है तथा इन्हें सडक से तीन मीटर की दूरी पर ही बनाया जा सकता है। वन भूमि से भी निर्माण की दूरी पांच मीटर रखी गई है। इस फैसले का सबसे अहम बिंदु यह है कि अदालत टीसीपी विभाग को प्रदेश के विकास नक्शे का प्रमुख संरक्षक बनाना चाहता है और इसलिए पहाड़ की खुदाई से पहले इसकी अनुमति की बाध्यता भी जुड़ रही है। माननीय अदालत ने टीसीपी निदेशक को साल के भीतर क्षेत्रीय आधार पर तमाम जिलों की योजना बना कर 'नो डिवेलपमेंट जोन' घोषित करने की हिदायत भी दी है। यानी अब हिमाचल में नवनिर्माण के सारे खाकों की निगरानी टीसीपी विभाग करेगा। यह लगभग समाप्त समझे जा रहे विभाग का पुनर्जीवन ही होगा कि इसे अदालती संबल मिल रहा है। पाठकों को याद होगा कि हमने इन्हीं कालमों में 'हिमाचल के जोशीमठ' के तहत इन्हीं चिंताओं का जिक्र किया था और इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले हफ्ते पाठकों से जब पूछा कि 'क्या जोशीमठ से सबक लेते हुए सारे हिमाचल में टीसीपी एक्ट लागू होना चाहिए,' तो इसके जवाब में अठासी प्रतिशत लोगों ने हामी भरी है कि पूरे प्रदेश में इस कानून को लागू करके निर्माण गतिविधियों पर नियम लागू किए जाएं।

व्यक्तियों के प्रभाव से अपनी सुविधा के अनुसार नियमों में परिवर्तन न हो, अन्यथा व्यवस्था में अराजकता व व्यवधान पैदा होता है

शिक्षक ट्रांसफर पॉलिसी : समस्या एवं समाधान

प्रो. सुरेश शर्मा

> एक पद पर दो-दो व्यक्ति, माननीय न्यायालयों के स्थगन आदेश, विभागाध्यक्षों को मामले को सुलझाने के आदेश या वेतन निकासी के झंझट, न जाने कितनी प्रकार की प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है जसिमें बहुत सारा धन, समय तथा ऊर्जा नष्ट होती है। अंतत : इसका नुकसान व्यवस्था तथा हितधारकों को ही भुगतना पड़ता है। एक समय था कि अधिकारी अपने विभाग में स्थानांतरण करने के लिए पूरी तरह अधिकृत थे तथा वे विभाग के संचालन, स्थानांतरण तथा कुशल प्रबंधन के लिए पूर्ण रूप से अपनी शक्तियों का प्रयोग करते थे। कर्मचारी अपने अधिकारियों के आदेशों का पालन कर कत्तव्य निर्वहन करते थे। कुछ दशकों से अब इस व्यवस्था तथा व्यवहार में परिवर्तित हो गया है और अधिकारियों की शक्तियों का अप्रत्यक्ष प्रयोग राजनेताओं द्वारा हो रहा है।

स्थानांतरण किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के व्यावसायिक जीवन की एक सामान्य प्रक्रिया है। सरकार के अधीन किसी विभाग में कार्यरत अधिकारी या कर्मचारी का ही स्थानांतरण होता है अन्यथा अपना व्यक्तिगत काम-धंधा, दुकान, उद्योग तथा कारोबार करने वाले का तो स्थानांतरण नहीं हो सकता। किसी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला या ट्रांसफर होना उसके व्यावसायिक जीवन तथा कार्यक्षेत्र का एक अंग है। तबादला, स्थानांतरण या ट्रांसफर कोई दंड या सज़ा नहीं है। स्थानांतरण या ट्रांसफर का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह विभाग, सरकार या व्यवस्था का विशेषाधिकार है और कार्यरत व्यक्ति द्वारा अनुपालना करना कत्तव्य भी है। आश्चर्य है कि कर्मचारियों को अपनी सेवा शर्तों तथा कत्तव्यों का पता होते हुए भी स्थानांतरण के विरोध में हज़ारों मामले विभिन्न न्यायालयों में लंबित पड़े हैं। इससे विभागों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। एक पद पर दो-दो व्यक्ति, माननीय न्यायालयों के स्थगन आदेश, विभागाध्यक्षों को मामले को सुलझाने के आदेश या वेतन निकासी के झंझट, न जाने कितनी प्रकार की प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है जिसमें बहुत सारा धन, समय तथा ऊर्जा नष्ट होती है। अंततः इसका नुकसान व्यवस्था तथा हितधारकों को ही भुगतना पड़ता है। एक समय था कि अधिकारी अपने विभाग में स्थानांतरण करने के लिए पूरी तरह अधिकृत थे तथा वे विभाग के संचालन, स्थानांतरण तथा कुशल प्रबंधन के लिए पूर्ण रूप से अपनी शक्तियों का प्रयोग करते थे। कर्मचारी अपने अधिकारियों के आदेशों का पालन कर कत्तव्य निर्वहन करते थे। कुछ दशकों से अब इस व्यवस्था तथा व्यवहार में परिवर्तित हो गया है और अधिकारियों की शक्तियों का अप्रत्यक्ष प्रयोग राजनेताओं द्वारा हो रहा है। कर्मचारियों का ईमानदारी से कत्तव्य निर्वहन न करना, अधिकारियों को प्रभावशाली व्यक्तियों का रौब दिखाना, अभद्र व्यवहार, कर्मचारी संघों का बढ़ता दखल, राजनेताओं की परिक्रमा करना भी इसका एक कारण है। सत्ता परिवर्तित होते ही कर्मचारी अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते अपनी सुविधा तथा इच्छानुसार स्थानों, पदों या ओएसडी के रूप में ग़लत तरीके से समायोजन करवा लेते हैं जिससे विभागीय संतुलन बिगड़ता है। काफी वर्षों से कोई भी सत्ता बदलने के पश्चात यह सब होता आया है। अपना प्रभाव दिखाने के लिए कुछ व्यक्तियों द्वारा सत्ता का दुरुपयोग किया जाता है। विभिन्न कारणों से चरमराती हुई व्यवस्था को ठीक करने के लिए बहुत आवश्यक है कि सभी ईमानदारी तथा ज़िम्मेदारी से कार्य करें। कर्मचारियों को कत्तव्यनिष्ठ, उत्तरदायी तथा जवाबदेह बना कर कार्य संस्कृति को मजबूत बनाना होगा अन्यथा कार्य में गुणवत्ता को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाते हुए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आम जनमानस तथा हितधारकों तक पहुंचाना सबसे आवश्यक है, न कि अपना प्रभाव जमाना। इसलिए एक सशक्त, टिकाऊ, पारदर्शी एवं भेदभाव रहित स्थानांतरण नीति आवश्यक है। कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए 'स्वचलित तंत्र' की स्थापना अति आवश्यक है जिसके साथ कोई भी छेड़छाड़ न कर सके। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में विगत कई वर्षों से स्थानांतरण नीति की चर्चा चल रही है, लेकिन बहुत प्रयासों के बावजूद अभी तक उसका कोई स्वरूप सामने नहीं आ पाया। वास्तविकता में अपनी सुविधा, स्थान तथा समय के अनुसार कार्य करने वाले ही नहीं चाहते कि इस प्रकार की कोई स्वचलित स्थानांतरण व्यवस्था हो। साधारणतः नियम, कायदे-कानून हमेशा प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा ही तोड़े जाते हैं तथा आम व्यक्ति की उसमें कोई भूमिका नहीं होती। हिमाचल प्रदेश सरकार का शिक्षा विभाग इस समय प्रभावी एवं स्थायी स्थानांतरण नीति पर विचार कर रहा है। हालांकि यह प्रयास पहले भी कई बार हो चुके हैं, लेकिन सफलता न मिलने की आशंका से यह नीति लागू नहीं हो पाई है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री माननीय रोहित ठाकुर चाहते हैं कि शिक्षा विभाग की पहचान मात्र तबादलों के लिए नहीं होनी चाहिए, बल्कि कार्य संस्कृति से शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रभावी, व्यावहारिक तथा स्थायी ट्रांसफर पॉलिसी बनाते समय यह बहुत ही आवश्यक है कि अति दुर्गम, कम दुर्गम, ग्रामीण, सामान्य तथा शहरी स्थानों का वर्गीकरण किया जाए तथा प्रत्येक शिक्षक को इन सभी वर्गीकृत स्थानों पर सेवाएं देना अनिवार्य हो। प्रत्येक कार्यस्थान पर शिक्षक की समयावधि निश्चित हो तथा समय पूरा होते ही उसको स्थानांतरण के लिए विभाग तथा न्यायालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि पति-पत्नी सरकारी सेवा में कार्यरत हों तो उन्हें एक ही स्थान या आसपास के क्षेत्र में तैनात करने के भी नियम निर्धारित हों। विशेष परिस्थिति, वृद्ध माता-पिता की सेवा या किसी कर्मचारी के परिजन गंभीर रूप से या शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने की स्थिति में मानवीय आधार पर समायोजन किया जाना चाहिए, लेकिन इस बारे कर्मचारी द्वारा दी गई जानकारी बिल्कुल सत्य होनी चाहिए। ट्रांसफर सिस्टम में किसी भी प्रकार का भेदभाव, पक्षपात तथा भाई-भतीजावाद न हो। जनजातीय, दुर्गम, पिछड़े तथा ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षण संस्थानों में बच्चों की संख्या तथा विषय की आवश्यकता अनुसार शिक्षकों की व्यवस्था हो। नौकरी में जनजातीय श्रेणी का लाभ लेने वाले कर्मचारियों को जनजातीय क्षेत्रों में कम से कम पांच से सात वर्ष तक कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। अपने प्रभाव से वर्षों से शहरी क्षेत्रों में डटे हुए शिक्षकों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए। जनजातीय तथा दुर्गम स्थानों पर वर्षों से कार्य कर रहे शिक्षकों को उनकी इच्छा तथा सुविधानुसार उनके गृह क्षेत्रों में भेजा जाना चाहिए। स्थानांतरण नीति को प्रभावशाली व्यक्तियों से दूर रखा जाना चाहिए। शिक्षकों को राजनीति से दूर रख कर संस्थाओं में शिक्षण तथा कार्य संस्कृति के लिए प्रेरित करना होगा। शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं होना चाहिए। स्थानांतरण नीति की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है जब वह व्यावहारिक, उपयोगी, पारदर्शी एवं स्थायी हो। व्यक्तियों के प्रभाव से अपनी सुविधा के अनुसार नियमों में परिवर्तन न हो, अन्यथा व्यवस्था में अराजकता, अनुशासनहीनता तथा व्यवधान पैदा होता है। सरकार, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों को गंभीरतापूर्वक इस पर विचार करना होगा ताकि यह ट्रांसफर पॉलिसी निष्पक्ष रूप से सभी के लिए सर्वहितकारी हो। वैसे स्थानांतरण नीति न केवल शिक्षकों के लिए बने, बल्कि प्रदेश सरकार को एक समान सर्वकर्मचारी स्थानांतरण नीति बनाने के लिए विचार करना चाहिए।

वोटों की राजनीति और स्वतंत्रता सेनानी

> राजनीतिक दल अपनी सुविधा के अनुसार स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को तोड़-मरोड़ कर पेश करके हक जमाने का दावा पेश करते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दल जनि स्वतंत्रता सेनानियों की दुहाई देते हैं, उनके बताए हुए आदर्शों पर चलना नहीं चाहते। ताजा विवाद आजाद हिंद फौज के सेनापति सुभाष चंद्र बोस को लेकर हुआ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने नेताजी जी की जयंती पर कोलकाता में कार्यक्रम आयोजति किए थे। कोलकाता विश्वविद्यालय में नेताजी की 126वीं जयंती समारोह के मौके पर वर्चुल भाषण देते हुए उनकी पुत्री अनिता बोस ने इस पूरे कार्यक्रम का विरोध किया। बोस ने कहा कि नेताजी धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते थे। उन्होंने कहा कि मेरे पिता एक ऐसे व्यक्ति थे जो हिंदू थे लेकिन सभी धर्मों का सम्मान करते थे। वे मानते थे कि हर कोई एक साथ रह सकता है। इससे पहले भी अनिता बोस ने दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का अनावरण समारोह में यह कहते हुए शामिल होने से इंकार कर दिया था कि उन्हें सम्मानित तरीके से आमंत्रित नहीं किया गया है।

राजनीतिक दल और उनके वैचारिक समर्थक वोटों की फसल काटने का कोई मौका नहीं छोडऩा चाहते। इसके लिए चाहे गढ़े मुर्दे ही क्यों न उखाडऩे पड़े। इतना ही नहीं, दलों की दलदली राजनीति में स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानी को भुनाने से परहेज नहीं है। मुद्दा चाहे स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती का हो या पुण्यतिथि का या फिर उनकी मूर्तियां लगाने का। बगैर मेहनत के मिले ऐसे मुद्दों को हर कोई राजनीतिक दल लपक कर यह साबित करना चाहता है कि उससे बड़ा देशभक्त कोई नहीं हों। बेशक स्वतंत्रता सेनानी के परिजन राजनीतिक दलों से अपने पुरखों को ऐसी सड़ी-गली राजनीति में नहीं घसीटने की चाहे कितनी ही गुहार लगाते रहें, किन्तु राजनीतिक दलों पर इसका कोई असर दिखाई नहीं देता। उनकी निगाहें सिर्फ स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत के बहाने सहानुभूति को समेट कर वोट बैंक में बदलने पर लगी रहती हैं। राजनीतिक दल अपनी सुविधा के अनुसार स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को तोड़-मरोड़ कर पेश करके हक जमाने का दावा पेश करते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दल जिन स्वतंत्रता सेनानियों की दुहाई देते हैं, उनके बताए हुए आदर्शों पर चलना नहीं चाहते। ताजा विवाद आजाद हिंद फौज के सेनापति सुभाष चंद्र बोस को लेकर हुआ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने नेताजी जी की जयंती पर कोलकाता में कार्यक्रम आयोजित किए थे। कोलकाता विश्वविद्यालय में नेताजी की 126वीं जयंती समारोह के मौके पर वर्चुल भाषण देते हुए उनकी पुत्री अनिता बोस ने इस पूरे कार्यक्रम का विरोध किया। बोस ने कहा कि नेताजी धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते थे। उन्होंने कहा कि मेरे पिता एक ऐसे व्यक्ति थे जो हिंदू थे लेकिन सभी धर्मों का सम्मान करते थे। वे मानते थे कि हर कोई एक साथ रह सकता है। इससे पहले भी अनिता बोस ने दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का अनावरण समारोह में यह कहते हुए शामिल होने से इंकार कर दिया था कि उन्हें सम्मानित तरीके से आमंत्रित नहीं किया गया है।

हालांकि बोस का बड़ा मुद्दा भाजपा की विचारधारा की खिलाफत से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता सेनानियों को राजनीतिक दलों के अपने चश्मे से देखने का यह पहला मौका नहीं है। पूर्व में भी नेताजी, भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित कई स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व राजा-महाराजाओं की छवि भुनाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। इनकी दावेदारी को लेकर राजनीतिक दल आपस में उलझते रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार की ओर से भीमराव अंबेडकर के नाम में बदलाव कर भीमराव रामजी अंबेडकर करने पर विवाद पर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नौटंकी करने का आरोप लगाया।

गौरतलब है कि मायावती ने उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहने के दौरान अपनी सैकड़ों मूर्तियां लगवाई थी। इसको लेकर भाजपा और समाजवादी पार्टी से मायावती की जमकर तकरार हुई। मुलायम सिंह के मूर्तियों पर बुलडोजर चलवाने के बयान पर मायावती भडक़ उठी थी। मायावती ने चेतावनी दी थी कि भविष्य में यदि ऐसी कोशिश हुई तो देश में क़ानून व्यवस्था की स्थिति इतनी खऱाब हो जाएगी कि राष्ट्रपति शासन लगाने की ज़रूरत पड़ जाएगी और इसके लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जिम्मेदार होगी। मुख्यमंत्री रहने के दौरान मायावती के राजनीतिक गुरू कांशीराम की प्रतिमाओं के निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट तक विवाद पहुंचा था। इस मुद्दे पर शीर्ष कोर्ट ने प्रतिमाओं पर रोक लगाने के आदेश दिए थे। स्वतंत्रता सेनानियों के दर्जे को लेकर भी राजनीतिक दलों में घमासान मचता रहा है। भारतीय जनता पार्टी जहां वीर सावरकर को महान देशभक्त मानती है, वहीं कांग्रेस उन्हें महात्मा गांधी की हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने का आरोपी करार देती रही है।

भारत जोड़ो यात्रा के महाराष्ट्र पहुंचने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सावरकर पर बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी। विरोधी दलों के साथ कांग्रेस के गठबंधन के कुछ साथियों ने भी राहुल गांधी के इस बयान का विरोध किया। सावरकर को लेकर महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी भी विवादित बयान दे चुके हैं। तुषार ने सावरकर पर अंग्रेजों की मदद करने और बापू की हत्या के लिए नाथूराम गोडसे को एक कारगर बंदूक खोजने में भी मदद देने का आरोप लगाया था। इस मुद्दे पर भी खूब वाद-विवाद हुआ। स्वतंत्रता सेनानियों पर दावेदारी जताने और आजाद भारत में उनका यथोचित सम्मान करने को लेकर राजनीतिक दल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करते रहे हैं। देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को लेकर भाजपा गाहे-बगाहे कांग्रेस को घेरती रही है। भाजपा का आरोप है कि जवाहर लाल नेहरू की वजह से कांग्रेस ने कभी भी पटेल के योगदान के साथ न्याय नहीं किया। नेहरू-गांधी परिवार ने पटेल को हाशिए पर रखने का प्रयास किया। इसके पलटवार में कांग्रेस भाजपा के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने का प्रमाण मांगते हुए पटेल को कांग्रेसी नेता बताती रही है। राजनीतिक दलों में छत्रपति शिवाजी पर भी राजनीति करने की प्रतिस्पर्धा रही है।

शिवाजी की प्रतिमाओं और जन्मस्थान सहित दूसरे मुद्दों पर शिवसेना और भाजपा में कई बार तकरार हुई है। इसी तरह टीपू सुल्तान की देशभक्ती को लेकर सवाल खड़े किए जाते रहे हैं। कांग्रेस जहां टीपू सुल्तान को अंग्रेजों से लोहा लेने वाला वीर बताती रही है, वहीं भाजपा हिंदुओं का विरोधी करार देती रही है। कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दल जहां अन्य स्वतंत्रता सेनानियों पर दावेदारी को लेकर विवादों में घिरे रहते हैं, वहीं भगत सिंह की शहादत को मुद्दा बनाने से कतराते रहे हैं। दरअसल राजनीतिक दलों के नेताओं को अंग्रेजी शासन व्यवस्था के खिलाफ ब्रिटिश संसद में बम फोड़ कर अपनी आजादी की मांग करने वाले भगत सिंह की पैरोकारी से घबराहट होती है।

राजनीतिक दल भगत सिंह को आदर्श के तौर पर स्थापित नहीं करना चाहते। राजनीतिक दलों को भगत सिंह की शहादत फायदे का सौदा नजर नहीं आती। उनको डर है कि कहीं देश के युवा अंग्रेजों की तरह मौजूदा व्यवस्था के विरोध में भगत सिंह की तरह बगावत पर नहीं उतर आएं। यही वजह है कि राजनीतिक दल भगत सिंह की जयंती और पुण्यतिथि पर महज औपचारिकता पूरी करते हैं। राजनीतिक दल भगत सिंह की मूर्तियों का विस्तार करने से कतराते रहे हैं, जबकि भगत सिंह को लेकर युवाओं में जबरदस्त आकर्षण रहा है।

देश दुनीया से

पहाड़ों पर तबाही की सुरंगें

इन पहाड़ों पर जल विद्युत और रेल परियोजनाओं ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। पर्यावरणविद और भू-वैज्ञानिक हिदायतें देते रहे हैं कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरल धारा बाधित हुई, तो गंगा तो अस्तित्व खोएगी ही, हिमालय की अन्य नदियां भी अस्तित्व के संकट से जूझेंगी। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के लिए जल विद्युत संयंत्रों और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालयी क्षेत्र में रेल चलाने और छोटी नदियों को बड़ी नदियों में मिलाने के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं में जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय दरकने लगा है, जिन पर हजारों सालों से बसे लोग अपनी ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन और वहां रहने वाले जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। अथर्ववेद के 'पृथ्वी-सूक्त' में अनेक प्रार्थनाएं हैं। यह सूक्त राष्ट्रीय अवधारणा और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को विकसित, पोषित और फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश करता है। मगर हमने विकास के बहाने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। जब हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र ने धरती को हिलाकर नाजुक बना दिया और घरों में दरारें पड़ने के साथ आधारतल घंस रहा है, तब लोगों को जीवन-रक्षा से जुड़ी सच्चाइयों को क्यों छिपाया जा रहा है? स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद हठपूर्वक पर्यावरण के विपरीत जिन विकास योजनाओं को चुना है, उनके चलते अगर लोग अपने गांव और आजीविका के साधनों को खो रहे हैं, तो ऐसी परियोजनाएं किसलिए और किसके लिए? अब रेल और बिजली के विकास से जुड़ी कंपनियां दावा कर रही हैं कि धरती निर्माणाधीन परियोजनाओं से नहीं धंस रही है, लेकिन किन कारणों से धंस रही है, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, जो इस क्षेत्र में तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है, उसकी बिजली उत्पादक कंपनी ने पत्र लिखकर दावा किया है कि इस क्षेत्र की जमीन धंसने में उसकी परियोजनाओं की कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है। नदियों पर बांध निर्माण के लिए गहरे गड्ढे खोदकर खंभे और दीवारें खड़ी की जाती हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन, तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडों के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में बढ़ जाती हैं। हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निर्माणाधीन हैं। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) को जोड़ेगी, जिससे तीस से ज्यादा गांवों को विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना सवा सौ किमी लंबी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरंग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बाकी पंद्रह सुरंगों में ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोठी तक होगा। हिमालय की ठोस और कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़ें भी हिला रहे हैं। अन्य जिलों के श्रीनगर, मलेथा, गौचर ग्रामों के नीचे से सुरंगें निकाली जा रही हैं। इनमें किए जा रहे धमाकों से घरों में दरारें आ गई हैं।

> केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, जो इस क्षेत्र में तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है, उसकी जिबली उत्पादक कंपनी ने पत्र लिखकर दावा किया है कि इस क्षेत्र की जमीन धंसने में उसकी परियोजनाओं की कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस जहार करोड़ रुपए की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है। नदियों पर बांध निर्माण के लिए गहरे गड्ढे खोदकर खंभे और दीवारें खड़ी की जाती हैं।

कुछ अलग

किससे चाहिए आजादी?

गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड के बिम्ब अब भी आंखों और मानस में बसे हैं। बदलते, बुलंद और शक्तिशाली भारत के कई जीवंत दृश्य 'कत्तव्य पथ' पर देखे। सैनिकों और जवानों के बेहद रोमांचक, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अद्भुत और असंभव-से करतब देखे, तो आसमान में लड़ाकू विमानों की कलाबाजियां भी देखी। विभिन्न दस्तों और मोर्चों का नेतृत्व करती युवा नारी-शक्ति को तनकर परेड करते देखा, तो कुछ पुरानी वीरांगनाएं याद आ गईं। एक संवैधानिक यथार्थ आंखों के सामने मौजूद था कि एक औसत आदिवासी महिला, देश की महामहिम राष्ट्रपति एवं सेनाओं की सुप्रीम कमांडर के तौर पर, परेड की सलामी ले और उन्हें सलामी दे रही थीं। बरबस ही उनके हाथ तालियां बजाने लगते थे मानो किसी को शाबाश दे रही हों! भारतीय लोकतंत्र और गणतंत्र का इससे खूबसूरत और जीवंत बिम्ब और क्या हो सकता है? परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र विजेता हमारे रणबांकुरे योद्धा जब जीवंत रूप में सामने से गुजऱे, तो लगा कि वे दुनिया के नए अजूबे हैं। कोई आम नागरिक, जवान और सैनिक देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता के लिए इस कदर दुश्मन से भिड़ सकता है और विजयी भाव के साथ ज़िंदा लौट सकता है, तो इससे बड़ी देशभक्ति की मिसाल और क्या होगी? भारत के चौतरफा विकास की गति कितनी तेज़ है, आविष्कार कितने अभिनव हैं, अंतरिक्ष में कितनी ऊंचाई तक छलांगें लगाई जा चुकी हैं, अस्त्र-शस्त्र के साथ-साथ अध्यात्म, दर्शन, संस्कृति, सभ्यता, समाज, कला आदि की भी कई झांकियां देखीं, युवा लड़कियों और लडक़ों का सामूहिक नृत्य बेहद कलात्मक और तालबद्ध था। ऐसे भारत पर बलिहारी कौन नहीं जाएगा? बहरहाल 'गणतंत्र दिवस' के जश्न और समारोहों को देशभर के लोगों ने भरपूर जिया। संविधान को पढऩे और जानने की इच्छाएं प्रबल हुईं। संविधान को लिखने में 2 साल 11 माह 18 दिन लगे थे। एक लाख से अधिक शब्दों वाला हमारा संविधान दुनिया में सबसे बड़ा और व्यापक है, लेकिन हमारे गणतांत्रिक अस्तित्व और देशभक्ति के साथ एक दुर्भाग्य और विडंबना भी चिपके हैं कि महान भारत में 'गद्दारों' और 'देश-विरोधियों' की एक जमात भी सक्रिय रही है। प्राचीन इतिहास और घटनाओं को हम भुला भी दें, तो आजकल बीबीसी के एक वृत्तचित्र के जरिए देश को तोडऩे, आज़ादी के नारे बुलंद करने, भारत को बदनाम करने और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एक क्षुद्र राजनीति खेलने की मुहिम जारी है।

नागरिक बोध

सपा का हर समय विरोध करने वाली भाजपा की पद्म विभूषण पर कैसे बदली राय

समाजवादी के संस्थापक मुलायमसिंह यादव को मरणोपरांत पद्म विभूषण से नवाजा गया। भाजपा समाजवादी की हर समय आलोचना करते नही थकती थी।26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर मुलायमसिंह सहित छह को पदम विभूषण,9 को पद्मभूषण और 91 को पद्मभूषण से नवाजा गया।हर विविधता में एकता का प्रतीक है।मुलायमसिंह को पद्मविभूषण से सर्वोच्च नगरिक अवॉर्ड की मांग बहु डिम्पल यादव ने की है। अर्पणा ने बड़े मन से कहा है जो मिला है उसमें संतोष धरना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने मुलायमसिंह को दिए पद्मविभूषण से नाखुश है। अपने लघु भ्राता शिवपाल यादव ने इस अवॉर्ड से संतुष्ट नही दिखे और उन्होंने भारत रत्न देने की मंशा जताई है। मुलायमसिंह के साथ गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद मोदी के साथ घनिष्ठता रही है। मोदी ने नेताजी के साथ बिताए पलो को यादगार बताया है। भाजपा और सपा के छतीस के आंकड़ो के बीच समाजवादी नेता को मरणोपरांत सम्मान देना एक बड़ी दीर्घकालीन दृष्टि है। जिसमे भाजपा की रणनीति जाहिर हो रही है। कार सेवको पर गोली चलाने का आदेश देने वाले मुलायमसिंह पर भाजपा अचानक मेहरबान होने की वजह क्या हो सकती है? 2024 को होने वाले लोकसभा चुनाव को मद्देनजर भाजपा ओबीसी मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने की सबसे रणनीति दिखाई दे रही है। यादव और जाटव की बड़ी आबादी समाजवादी पार्टी के साथ है। जिसका फायदा परोक्ष या अपरोक्ष से भाजपा की तरफ खींचना है। मुस्लिम गढ़ बचाने के लिए मुलायमसिह ने उनके मुख्यमंत्री रहते अनेक कल्याणकारी योजनाए सिर्फ मुसलमानों के लिए लागू की थी। मुलायसिंह को पद्म विभूषण देकर भाजपा ने एक तीर से दो निशाने किए है। कभी कांग्रेसी वंशवाद के आलोचक रहे मुलायम ने अपनी पार्टी के भीतर और बाहर भाई भतीजावाद चलाया था। राजनीति में वंशवाद के विरोधी मुलायम ने पार्टी में वरिष्ठ जनो को पार्टी में तरजीह दी थी।जमीन बचाने की जुगत में मुलायम ने मुस्लिम झाली वाली टोपी भी पहन चुके है। मुसलमानो को रिझाने के लिए मुलायम ने अनेक घोषणाएं की थी। मुलायम सिह ने एक बार संसद में मोदी की कार्यकुशलता के बखान किये थे। उन्होंने मोदी की कार्यक्षमता की दास्तां बयान की थी।

अपने राष्ट्रीय दिवस पर क्यों बुरी तरह बंटा नजर आया ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा ।

26 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया। लेकिन उसी दिन को देश के मूलवासी समुदाय ने 'आक्रमण दिवस' के रूप में मनाया। 26 जनवरी के दिन ही अंग्रेज पहली बार ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे, जहां मूलवासियों को बेदखल करते हुए वे उनकी जमीन पर बस गए। हर वर्ष की तरह इस बार भी 26 जनवरी को मूलवासी समुदाय के लोगों ने ब्रिस्बेन पार्क में मोमबत्तियां जला कर खुद पर हुए आक्रमण को याद किया। बटचुला और गारवा मूलवासी समुदाय की वंशज लियोनी ने इस मौके पर अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन से कहा- 'हमारे लिए इस दिन को देश की स्थापना का दिवस मानने या उस पर गर्व करने का कोई कारण नहीं है।' इतिहासकारों के मुताबिक 26 जनवरी 1788 को पहली बार सिडनी में ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने यूनियन जैक (ब्रिटेन का झंडा) फहराया था। इसके पहले वहां दुनिया के सबसे पुरानी संस्कृति वाले समुदाय के लोग रहते थे। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक यह संस्कृति 65 हजार साल से चली आ रही थी। मूलवासी समुदाय के लोगों में जागरूकता आने के बाद 1936 में उन्होंने 26 जनवरी को 'शोक दिवस' के रूप में मनाया था। मूलवासियों का कहना है कि अंग्रेजों के आने के बाद से वे अधिक गरीब होते गए। साथ ही वे भेदभाव का शिकार रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ तस्मानिया में इतिहासकार केट डेरियन-स्मिथ ने सीएनएन से कहा- '26 जनवरी हमेशा से प्रतिरोध दिवस रहा है। कम से कम 20वीं सदी से तो अवश्य ही इसे इस रूप में मनाया जाता रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि अब यह भावना और प्रबल हो रही है। ऑस्ट्रेलिया 26 जनवरी को सरकारी तौर पर राष्ट्रीय अवकाश रखा जाता है। लेकिन इस वर्ष संघीय सरकार के साथ-साथ कुछ निजी कंपनियों ने भी कहा था कि जो लोग इस रोज काम करना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं। मेलबर्न में दो वर्ष तक कोरोना महामारी के कारण 26 जनवरी की परेड नहीं हुई थी। इस बार उसका आयोजन किया गया। लेकिन इस बार वहां हुई पार्टियों में वस्त्र, प्लेट, नैपकिन, स्मृति चिह्न आदि जैसे परंपरात सामानों का इस्तेमाल नहीं किया गया। इन चीजों की सप्लाई करने वाली कंपनी केमार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा इस मौके पर सबकी भावनाओं का सम्मान करने के उद्देश्य से किया गया। लेकिन इस फैसले से कंजरवेटिव पार्टी के समर्थकों और श्वेत चरमपंथियों के बीच विरोध भाव भड़क उठा है। कई समूहों ने केमार्ट कंपनी के स्टोर्स का बायकॉट करने की मुहिम छेड़ी है। उधर एक सामुदायिक गुट ने फेसबुक पेज पर 'हैप्पी ऑस्ट्रेलिया डे' का संदेश डाला, तो उस पर तीखी बहस शुरू हो गई। कुछ समूहों ने आरोप लगाया कि ये समुदाय मूलवासी समूहों के नरसंहार का उत्सव मना रहा है। पर्यवेक्षकों ने बताया है कि ऑस्ट्रेलिया दिवस इस देश में लगातार तीखे राजनीतिक मतभेद का दिन बनता जा रहा है। इस दिन के बारे में राय लोगों की राजनीतिक विचारधारा से तय होने लगी है। इस वर्ष इस बारे में बहस ज्यादा तीखी रही, क्योंकि जल्द ही ऑस्ट्रेलिया में एक जनमत संग्रह कराया जाने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

रवि लमिछाने पर गिरी बिजली से थर्राई पुष्प कमल दहल सरकार

काठमांडो । नेपाल की राजनीति में उल्का की तरह उभरे रवि लछिमाने की नागरिकता रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पिछले महीने सत्ता में आई पुष्प कमल दहल सरकार को जोरदार झटका लगा है। लछिमाने को दहल ने उप प्रधानमंत्री बनाया था। लछिमाने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन में एक प्रमुख घटक दल है। विश्लेषकों के मुताबिक विडंबना यह है कि लछिमाने की नागरिकता का सवाल चुनाव के बाद सबसे पहले दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) ने ही उठाया था। पिछले आम चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिली अप्रत्याशित सफलता के बाद माओइस्ट सेंटर के नेताओं ने लछिमाने की पीठ पर विदेशी हाथ होने का इल्जाम लगाया। तभी लछिमाने की नागरिकता को रद्द करने संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई। बाद में लछिमाने नए बने गठबंधन में शामिल हो गए। बीते आम चुनाव में लछिमाने ने अपने चुनाव क्षेत्र में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के उम्मीदवार को भारी बहुमत से हराया। उसके पहले उनके विरोधी उम्मीदवार की तरफ से निर्वाचन आयोग के सामने उनके नागरिक ना होने का तर्क दिया गया था। इस आधार पर उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने की गुजारिश की गई थी, जिसे आयोग ने ठुकरा दिया। लछिमाने देश के लोकप्रिय टीवी एंकर थे। 2014 में उन्होंने अमेरिका की नागरिकता ले ली थी। पिछले साल उन्होंने अमेरिकी नागरिकता छोड़ दी थी। लेकिन उसके बाद उन्होंने फिर से नेपाल की नागरिकता ग्रहण करने की प्रक्रिया पूरी नहीं की। इसी आधार पर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की उनकी सदस्यता को न्यायालय में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने याचिका स्वीकार करते हुए लछिमाने की प्रतिनिधि सभा की सदस्यता को रद्द करने का फैसला शुक्रवार को सुनाया। नेपाल के संविधान के मुताबिक कोई गैर-नागरिक किसी निर्वाचित पद पर नहीं रह सकता। ना ही किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी बन सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट फैसले के तुरंत बाद लछिमाने ने उप प्रधानमंत्री पद के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया।

अल्लाह ने बनाया तो वही सब ठीक भी करेंगे, आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान के वित्त मंत्री का बयान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्यों न कंगाली की गर्त में डूबता जा रहा हो लेकिन उसके मंत्री अभी भी

बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला है वित्त मंत्री इशाक डार की जिन्होंने देश के लोगों की नाराजगी कम करने के लिए धार्मिक कार्ड खेलना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर स्थापित एकमात्र देश है और इसके विकास और समृद्धि के लिए अल्लाह जिम्मेदार है, क्योंकि नकदी संकट से जूझ रहे देश को भुगतान संकट का गंभीर सामना करना पड़ा है। यहां ग्रीन लाइन एक्सप्रेस ट्रेन सेवा के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पाकिस्तान प्रगति करेगा क्योंकि यह इस्लाम के नाम पर बना है। डार ने कहा कि अगर अल्लाह पाकिस्तान बना सकता है तो वह उसकी रक्षा, विकास और समृद्धि भी कर सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान की स्थिति को सुधारने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इशाक डार ने पाकिस्तान की मौजूदा बदहाली के लिए पांच साल पहले शुरू हुए नाटक को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि यहां के लोगों को अब भी भुगतना पड़ रहा है।

चांद के हिस्सों पर कब्जा कर सकता है चीनः नासा के अधिकारी का दावा- स्पेस प्रोग्राम का इस्तेमाल कर सैन्य ताकत बढ़ा रहा

बीजिंग। नासा के एक अधिकारी ने चेताया है कि चीन चांद के ज्यादा रिसोर्स यानी खनिज पदार्थों वाले हिस्से पर कब्जा कर सकता है। इंडो पैसिफिक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन ने एक रिपोर्ट जारी कर यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने स्पेस प्रोग्राम का इस्तेमाल इकोनॉमिक, मिलिट्री और टेक्निकल पावर को बढ़ाने के लिए कर रहा है। जिससे वो वर्ल्ड ऑर्डर को बदलना चाहता है। नासा अधिकारी बिल नेल्सन ने पॉलिटिको को दिए एक इंटव्यू में कहा कि चीन चांद के एक निर्धारित हिस्से पर साइंटिफिक रिसर्च फैसिलिटी बना रहा है। जिस पर बाद में वो कब्जा भी कर लेगा। दरअसल चीन ने पिछले साल एक स्पेस स्टेशन बनाया था जिसने कई मिशन कर चांद से कई सैंपल इकट्ठा किए थे। इसके अलावा चीन अलग से चांद के साउथ पोल पर एक लूनर रिसर्च स्पेस स्टेशन बनाने की योजना बना रहा है। जिसके साल 2025 में शुरू होने की संभावनाएं हैं।

रूस ने यूक्रेन में फिर किए ताबड़तोड़ हमले, 10 लोगों की मौत

कीव।

एसोसिएटेड प्रेस ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के कार्यालय का हवाला देते हुए कहा कि रूसी गोलाबारी में कम से कम 10 यूक्रेनी नागरिकों की जान ले ली और 20 अन्य घायल हो गए। इससे पहले जर्मनी और अमेरिका द्वारा यूक्रेन में दर्जनों टैंक भेजने की घोषणा के एक दिन बाद गुरुवार को रूस ने पूरे यूक्रेन में मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार की। रूस द्वारा किए गए ताबड़तोड़ हमलों से यूक्रेन में 11 लोगों की मौत हो गई है। यूक्रेनी राज्य आपातकालीन सेवाओं का हवाला देते हुए बताया कि इस एयर स्ट्राइक में 11 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेनी राज्य आपातकालीन सेवा के प्रवक्ता ऑलेक्जेंडर खोरुन्झी ने एक बयान में कहा कि कीव क्षेत्र में आवास को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। बयान में कहा गया है कि हमले के बाद बचाव प्रक्रिया में लगभग 100 बचावकर्मी शामिल हैं।

अमेरिका ने की निंदा - अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को एक नियमित ब्रीफिंग में यूक्रेन पर हमले की निंदा की और उन सभी लोगों के प्रति सहानुभूति जताई जो घायल हुए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि जैसा कि आप सभी ने देखा, रूस ने कल रात यूक्रेन में और मिसाइलें लॉन्च कीं ... अमेरिका की ओर से मैं उन सभी लोगों के प्रति सहानुभूति और यूक्रेन में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। अमेरिका और जर्मनी द्वारा यूक्रेन को युद्धक टैंक उपलब्ध कराने की घोषणा के बाद हुआ हमला यह हमला अमेरिका और जर्मनी द्वारा चल रहे संघर्ष के बीच यूक्रेन को युद्धक टैंक उपलब्ध कराने पर सहमत होने के बाद हुआ। कीव द्वारा जर्मनी और अमेरिका से युद्धक टैंक हासिल करने की घोषणा के एक दिन बाद पूरे यूक्रेन में हमलों की लहर आ गई। रूस का कहना है कि युद्ध में पश्चिम देशों की बढ़ती प्रत्यक्ष भागीदारी का यह संकेत है। अमेरिका और यूरोप की युद्ध में प्रत्यक्ष भागीदारी: रूस जर्मन और अमेरिकी घोषणाओं से गुस्से में रूस ने पूरे यूक्रेन में मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी। क्रेमलिन ने कहा कि वह पश्चिमी टैंकों की आपूर्ति के वादे को 11 महीने पुराने युद्ध में प्रत्यक्ष भागीदारी बढ़ने के सबूत के रूप में देखता है, जिसे अमेरिका और यूरोप इनकार करते हैं। यूक्रेन ने कहा कि उसने रूस द्वारा रातोंरात भेजे गए सभी 24 ड्रोनों को मार गिराया, जिसमें 15 को राजधानी कीव के आसपास मार गिराया गया। साथ ही 55 रूसी मिसाइलों में से 47 को रूसी आर्कटिक में टीयू-95 रणनीतिक बमवर्षकों से दागा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले से हमें डराने के लिए एक आतंकवादी देश के एक और प्रयास को हाल ही में हार का सामना करना पड़ा, ठीक इसी तरह रूस जल्द ही हार जाएगा। राज्य आपातकालीन सेवा के एक प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन और मिसाइल हमलों में ग्यारह लोग मारे गए और 11 घायल हो गए। हमले में 11 क्षेत्रों में फैले 35 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और दो जगहों पर आग लग गई। उन्होंने कहा कि लोग काम पर जा रहे थे, इसी बीच पूरे यूक्रेन में हवाई हमले की चेतावनी बजने लगी। राजधानी में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशनों पर कुछ देर के लिए भीड़ उमड़ पड़ी।

पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी के पति पर हमले का वीडियो आया सामने, हथौड़े से मारने की कोशिश करता दिखा आरोपी

वॉशिंगटन । अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी के पति पॉल पेलोसी पर हमले का वीडियो फुटेज जारी हुआ है। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी डेविड डेपापे पॉल पर हथौड़े बरसाता नजर आ रहा है। बता दें कि यह वीडियो मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बॉडी कैमरे में कैद हो गया, जिसे अब सैन फ्रांसिस्को की अदालत के आदेश के बाद डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ऑफिस ने जारी किया है। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी डेपापे बीते साल 28 अक्टूबर की रात में पेलोसी के घर में घुसा, जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी ने पॉल पेलोसी का हाथ पकड़ा हुआ था और उसके हाथ में हथौड़ा था। इस पर जब पुलिसकर्मियों ने आरोपी को हथौड़ा नीचे रखने को कहा तो उसने अचानक से पॉल पेलोसी पर हमला कर दिया। जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने आरोपी को किसी तरह काबू किया। इस हमले में पॉल पेलोसी के सिर की हड्डी टूट गई थी और उनके हाथ और बाजू में भी चोट आई थी। जिसके बाद पॉल पेलोसी के सिर की सर्जरी हुई। बता दें कि पॉल पेलोसी फिलहाल अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं और घर पर रहकर रिकवर कर रहे हैं।

आईएमएफ से कर्ज दिलाने के लिए पाकिस्तान ने अमेरिका के आगे जोड़े हाथ

इस्लामाबाद ।

बढ़ती आर्थिक मुसीबत के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर से अमेरिका के आगे हाथ पसारे हैं। उसने अमेरिकी अधिकारियों से गुजारिश की है कि वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को पाकिस्तान को तुरंत कर्ज देने के लिए मनाएं। अभी तक आईएमएफ अपनी कड़ी शर्तों पर अड़ा हुआ है। जबकि पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार गिरता जा रहा है।

गुरुवार को विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि अब पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ 3.7 बिलियन डॉलर की रकम बची है। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि विदेशी मुद्रा भंडार के 1.8 बिलियन डॉलर तक गिरने के बाद श्रीलंका ने खुद को डिफॉल्टर (कर्ज चुकाने में अक्षम) घोषित कर दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने यहां आए अमेरिका के उप वित्त मंत्री रॉबर्ट केपरोथ से विशेष अनुरोध किया। केपरोथ अमेरिकी वित्त मंत्रालय में दक्षिण एशिया संबंधी मामलों के प्रभावी हैं। डार ने उनसे आईएमएफ में अमेरिका के विशेष प्रभाव का इस्तेमाल करने की गुजारिश की। समझा जाता है कि पाकिस्तान में पैदा हो रही इमरजेंसी जैसी हालत को देखते हुए अमेरिका ने पहल की है। गुरुवार रात को खबर आई कि आईएमएफ पाकिस्तान की स्थिति की समीक्षा करने के लिए अपना दल भेजने पर राजी हो गया है। ये दल ऋण जारी होने से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ नौवीं समीक्षा बैठक करेगा। पाकिस्तान स्थित आईएमएफ प्रतिनिधि से बातचीत में कहा- 'पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुरोध पर आईएमएफ का एक दल 31 जनवरी से नौ फरवरी तक पाकिस्तान का दौरा करेगा। इस दौरान नौवीं समीक्षा के तहत वार्ताओं को जारी रखा जाएगा।' पेरेज ने कहा- 'आईएमएफ का दल उन नीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो घरेलू और बाहरी वित्तीय स्थिरता बहाल करने के लिए जरूरी हैं। सरकारी सूत्रों ने पाकिस्तानी मीडिया को बताया है कि आईएमएफ की मांग पर पाकिस्तान सरकार ने इस हफ्ते जरूरी सूचनाएं उसे भेजी हैं। इसके बावजूद अभी तक आईएमएफ ने अपनी सख्त शर्तों में रियायत देने का कोई संकेत नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक विदेशी विनिमय दर तय करने का सवाल दोनों पक्षों के बीच मतभेद का एक बड़ा मसला बना हुआ है। आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान कृत्रिम ढंग से विनिमय दर तय करे।

नेतन्याहू ने फिलिस्तीन का 326 करोड़ का फंड रोकाः इजराइली पीएम बोले- फिलिस्तीन में आतंक पल रहा; दुश्मन जिंदा रहेगा तो फंड नहीं

यरुशलम।

इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली नई कट्टर राष्ट्रवादी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल शुरू कर दिया है। जेनिन कैंप में रह रहे आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए इजराइली बलों ने बड़ा हमला किया। नई सरकार ने फिलिस्तीन का 4 करोड़ डॉलर (करीब 326 करोड़ रुपए) के का टैक्स रेवेन्यू रोक दिया। यह टैक्स इजराइल वसूलता है और आमतौर पर फिलिस्तीनी प्राधिकरण को स्थानांतरित करता है। जनवरी की शुरुआत में इस कदम की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, 'जब तक फिलिस्तीनी प्राधिकरण आतंक पालेगा और दुश्मन जिंदा है, हमें उसे टैक्स ट्रांसफर में दिलचस्पी नहीं है। पूर्व में आतंकवाद से संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराया जा चुके धुर दक्षिणपंथी ज्यूस पावर पार्टी के नेता और पुलिस मंत्री इतामार बेन ग्विर भी ऐलान कर चुके हैं कि फिलिस्तीनी झंडे के प्रदर्शन पर रोक रहेगी। वैसे तो इजराइल में फिलिस्तीन का झंडा लहराना अपराध नहीं है, पर पुलिस ने रोक लगाना शुरू कर दिया है। इजराइल-अरब के गांवों से फिलिस्तीनी झंडे हटवाए जा रहे हैं। झंडा विरोधी पृष्ठभूमि में ही जेनिन में फिलिस्तीनी आतंकियों व मददगारों पर कार्रवाई हुई। झंडा विरोधी

पृष्ठभूमि में ही जेनिन में आतंकियों, उनके मददगारों पर कार्रवाई हुई। इसी से तनाव बढ़ा। सुरक्षा सूत्र मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में इजराइल में आतंकी हमलों की आशंका है। 2014 के बाद से साल 2022 इजराइल में सबसे खूनी संघर्ष वाला साल था।

इजराइल से सहयोग समझौता खत्म करेगा फिलिस्तीन

इजराइली बलों ने हमले के दौरान स्थानीय रूप से संगठित आतंकी समूहों द लायन डेन और जेनिन ब्रिगेड को निशाना बनाया। इस पर फिलिस्तीन ने कहा कि वह सुरक्षा सहयोग खत्म करेगा। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच 1993 में ओस्लो समझौता हुआ था।

वह तड़पता रहा लेकिन दिल नहीं पसीजा, लात-घूंसों से मार-मारकर किया अधमरा, अस्पताल में मौत

वाशिंगटन ।

अमेरिका में एक बार फिर से पुलिस की बेरहमी सामने आई है। इस बार मेम्फिस पुलिस की क्रूरता ने सभी को हैरान करके रख दिया है। बताया जा रहा है कि यहां की पुलिस ने एक कार ड्राइवर को गाड़ी से खींचकर इस कदर बेरहमी से पिटाई की कि तीन दिन बाद उसकी अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो सामने आने के बाद कई लोग इस घटना को विभत्स बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इस घटना की निंदा की है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने का भरोसा दिया है। यह घटना सात जनवरी की बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पांच पुलिसवालों ने 29 वर्षीय टायर निकोल्स नाम के शख्स को लापरवाह ड्राइविंग के संदेह में रोका था जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर बहस हो गई फिर क्या था पुलिस वालों ने उस शख्स को गाड़ी से

बाहर खींच लिया और सड़क पर लिटा दिया। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि पुलिस वाले शख्स को बेरहमी से पीटने के साथ-साथ गंदी-गंदी गालियां भी दे रहे हैं। पहली क्लिप में अधिकारियों को निकोल्स को उनके वाहन से बाहर खींचते हुए और जमीन पर लेटने के लिए चिल्लाते हुए कहते देखा जा सकता है। पुलिस वाले कहते हैं सीधा लेट जाओ। वहीं एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इसे कसकर पकड़ो। एक अधिकारी चिल्लाता है कि इससे पहले कि मैं तुम्हारा (अपशब्द) तोड़ दूं, अपने हाथों को अपनी पीठ के पीछे रखो। फिर एक और अधिकारी चिल्लाता है कि टेजर फायर करो। सेकंड के भीतर अधिकारियों में से एक उस पर एक टेजर फायर करता है। हालांकि, इसके बाद निकोल्स छलांग लगाते हैं और भागने में सफल हो जाते हैं। लेकिन फिर जो हुआ वह दिल दहलाने वाला था। एक दूसरा वीडियो एक आवासीय क्षेत्र की सड़क के पार एक खंभे पर लगे सीसीटीवी कैमरे से दृश्य दिखाता हुआ प्रतीत होता है, क्योंकि दो अधिकारी श्री निकोल्स को पकड़ कर रखते हैं, जबकि अन्य बारी-बारी से लात और मुक्के मारते हैं और डंडों से मारते हुए दिखाई देते हैं। वे उसे जमीन पर घसीटते हुए ले जाते हैं और उसे एक स्क्वाड कार के सामने बैठा देते हैं। वीडियो फुटेज में 29 वर्षीय टायर निकोल्स को गिरफ्तारी के दौरान बार-बार अपनी मां के लिए रोते हुए सुना गया। फुटेज में पुलिस अधिकारी अपशब्दों का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है। सभी पुलिस वाले जमकर लात-घूंसे बरसाते रहे। वह बार-बार मिन्नतें कर रहा था कि उसने कुछ नहीं किया है उसे छोड़ दिया जाए लेकिन पुलिस वालों का दिल नहीं पसीजा और मार-मार कर अधमरा कर दिया। फिर शख्स को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई।

यरुशलम में पूजास्थल में गोलीबारी

आठ की मौत, 10 घायल, पुलिस ने बताया आतंकी हमला

यरुशलम ।

इस्राइल की राजधानी यरुशलम के बाहरी इलाके नेवे याकोव स्ट्रीट पर एक पूजा स्थल में शुक्रवार को गोलीबारी की खबर सामने आई। इस्राइली बचाव सेवा ने बताया कि यरुशलम के पूजा स्थल में गोलीबारी हुई है। इस घटना में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है और करीब 10 लोग घायल हैं। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह घटना रात 8: 15 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई।

गोलीबारी एक आतंकवादी हमलाः पुलिस

यह हमला फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक में इस्राइली सैनिकों द्वारा नौ लोगों के मारे जाने के एक दिन बाद हुआ है। पुलिस का कहना है कि यह गोलीबारी एक आतंकवादी हमला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी शुक्रवार शाम को पूर्वी यरुशलम के उत्तरी हिस्से में हुई।

पुलिस ने कहा कि आतंकवादी कार से पूर्वी यरुशलम के उत्तरी हिस्से के पड़ोस में एक पूजा स्थल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली इमारत पर पहुंचा और गोलियां चला दीं। पुलिस ने बंदूकधारी का पता लगाया और उसे गोली मार दी। उन्होंने कहा कि हमले में इस्तेमाल की गई एक पिस्तौल जब्त कर ली गई है। मैगन डेविड एडोम (एमडीए) बचाव सेवा ने कहा कि उसके चिकित्सकों ने घटनास्थल पर पांच पीड़ितों को मृत घोषित कर दिया। एमडीए स्टाफ ने कहा कि 70 साल की

एक महिला और 20 साल के एक युवक की हालत की हालत गंभीर है और 14 साल के एक लड़के की हालत मध्यम रूप से गंभीर है। घायलों को हदासाह माउंट स्कोपस अस्पताल ले जाया गया। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने कहा कि रक्षा मंत्री योआव गैलेंट जल्द ही इस्राइल रक्षा बल के चीफ ऑफ स्टाफ, इस्राइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख और अन्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक विशेष स्थिति आकलन बैठक करेंगे।

इस्राइली कमांडो की कार्रवाई के दौरान 9 लोगों की हुई थी मौत

बता दें कि जेनिन के उत्तरी वेस्ट बैंक शहर में गुरुवार को इस्राइली सेना और बंदूकधारियों के बीच भीषण संघर्ष हुआ था। इस कार्रवाई में एक बुजुर्ग महिला सहित नौ फिलिस्तीनियों को इस्राइली बलों द्वारा मार दिया गया था। इन झड़पों में किसी भी इस्राइली सैनिक को चोट नहीं आई थी। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने इस्लामिक जिहाद सशस्त्र समूह के सदस्यों को हिरासत में लेने के लिए जेनिन में विशेष बलों को भेजा था, जिन पर कई बड़े आतंकवादी हमलों को अंजाम देने और उसकी योजना बनाने का संदेह था। इसको लेकर छापा मारा गया था, लेकिन इस बीच सैनिकों और बंदूकधारियों के बीच भीषण संघर्ष छिड़ गया। स्थानीय निवासियों ने कहा कि दो मृत नागरिकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल थे। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया कि अचानक हमले ने इस्लामिक जिहाद के लोगों को निशाना बनाया जो कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों और नागरिकों पर हमलों में शामिल थे। इस बीच रक्षा मंत्री गैलेंट ने आरोप लगाया कि हमले में मारे गए लोग इस्राइल में आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे थे।

शौर्य, पराक्रम व देशभक्ति का पर्याय रहा है गुर्जर समाज : प्रधानमंत्री मोदी

भीलवाड़ा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार को भीलवाड़ा जिले के मालासेरी की यात्रा धार्मिक एवं सियासी संदेश वाली ही रही। उनके द्वारा कार्यक्रम में कोई घोषणा न करने से जरूर लोगों में मायूसी का भाव दिखा पर प्रधानमंत्री ने गुर्जर समाज को अपने भाषण से गदगद जरूर कर दिया। प्रधानमंत्री की यह यात्रा गुर्जर समाज की संस्कृति व राष्ट्र उत्थान में भूमिका को याद दिलाकर समाज को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में आगे आने का सियासी संदेश जरूर दे गई। प्रधानमंत्री ने मालासेरी न म्हारों प्रणाम कह कर सभा को गदगद कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी का मालासेरी डूंगरी में सभा स्थल पर मन्दिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने साफा बांध कर किया स्वागत किया। सवाई भोज के महंत सुरेशदास ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। पुजारी पोसवाल ने प्रधानमंत्री को जयपुर से निर्मित भगवान देवनारायण की चांदी से निर्मित कमल में सवार प्रतीकात्मक भगवान देवनारायण की मूर्ति भेंट की। प्रधानमंत्री

ने कहा कि देवनारायण भगवान का बुलावा आया तो मैं भी यहां आ गया। यहां अभी तक कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। मैं, पूरे विरक्त भाव से आप की ही तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया। मैं यहां विश्व कल्याण, देश व आम जन की खुशहाली की कामना लेकर आया हूं। अनवरत राष्टसेवा व गरीबों के कल्याण के लिए काम करते रहने का आशीर्वाद लिया है। मोदी ने कहा कि गुर्जर समाज शौर्य, पराक्रम व देशभक्ति का पर्याय रहा है। 21वीं सदी का कालखंड भारत के लिए अहम है। ऐसे में समाज को एकजुटता दिखाकर देश के विकास के लिए बढ़ना है। मोदी ने भगवान देवनारायण को उर्जा का पुंज बताते हुए कहा कि उन्होंने लोगों के जीवन एवं संस्कृति की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने वैश्विक ताकतों पर तंज कसा और कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिश कई बार की गई, लेकिन भारत अटल है, अजर है, अमर है। समाज व देश के कोटि-कोटि की शक्ति की वजह से ही हमारी ताकत मजबूत हुई है। उन्होंने भगवान देवनारायण की स्तुति की और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ व एकजुटता पर उनके योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए, गुलामी की मानसिकता को भूलाते हुए विकास व बदलाव के पथ पर बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने राजस्थान के शौर्य एवं बलिदान को प्रणाम किया और कहा कि तेजाजी, पाबू, गोगाजी, जननायकों ने हमेशा देश को रास्ता दिखाया है। इसमें भी गुर्जर समाज का अपना अहम योगदान है। समाज ने शौर्य के प्रहरी की भूमिका निभाई। उन्होंने रामबाई एवं पन्नाधाय को भी याद किया। इससे पूर्व हेलीपेड पर प्रधानमंत्री मोदी का केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भाजपा प्रभारी चंद्रशेखर, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, सांसद सुभाष बहेड़िया ने अगवानी की। विधायक कैलाश मेघवाल विट्ठलशंकर अवस्थी, गोपीचंद मीणा, जब्बरसिंह सांखला, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, सभापति राकेश पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली, रोशन मेघवंशी ने स्वागत किया। भगवान देवनारायण के जन्मस्थल मालासेरी में आज हुए अवतरण महोत्सव में करीब ढाई लाख लोग पहुंचे। देश के विभिन्न भागों से गुर्जर समाज सहित अन्य समाज से लोग पहुंचे। ग्रमीण परिवेश में सजधज कर महिला पुरुष देवनारायण के भजन गाते हुए कार्यक्रम में पहुंचे। लोगों को सुबह सर्दी में आने में दिक्कत हुई पर आस्था के चलते एवं मोदी को देखने के लिए उनका उत्साह कम नहीं हुआ।

कब्जा की गई 15 कनाल भूमि को पूर्व वित्त मंत्री हसीब से प्रशासन ने लिया वापस

शोपियां (हिंस)। शोपियां जिले में चल रहे निष्कासन अभियान के दौरान पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई लगभग 15 कनाल भूमि को प्रशासन द्वारा वापस ले लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि करीब 100 कनाल जमीन जिस पर अवैध रूप से कब्जा किया गया था, उसे आज वापस ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस 100 कनाल भूमि में से 15 कनाल उच्च मूल्य के बगीचे की भूमि पर पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि शनिवार को अवैध रूप से कब्जा की गई 100 कनाल भूमि में से शोपियां प्रशासन ने पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू से अवैध रूप से कब्जा की गई 15 कनाल भूमि को पुनः प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीति सुनिश्चित करती है कि भूमि का उपयोग सार्वजनिक लाभ के लिए किया जाता है।

विरोध के बावजूद डेरा प्रेमियों के लिए राम-रहीम का आज सत्संग

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में चौतरफा विरोध का सामना कर रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम 29 जनवरी को पंजाब के डेरा प्रेमियों के लिए सत्संग करेंगे। प्रशासन की मंजूरी मिलने के बाद डेरा प्रबंधकों ने जहां आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने डेरा मुखी की याचिका के विरोध में अदालत में जाने का एलान कर दिया है। रोहतक की सुनारियां जेल से पैरोल मिलने के बाद राम रहीम इस समय उत्तर प्रदेश के बरनाव आश्रम में है। बीती 25 जनवरी को हुए सत्संग में राम रहीम ने बरनावा से ही प्रवचन किए थे। उस दिन सिरसा डेरे में भीड़ अधिक होने के कारण पंजाब समेत कई राज्यों के संगत पहुंच नहीं पाई थी। जिसके चलते राम रहीम ने मंच से अलग कार्यक्रम करने का एलान किया था। ये सत्संग केवल उनके राज्य की संगत के लिए होगा। किसी ओर के लिए नहीं। जिसके चलते राम रहीम ने 29 जनवरी को पंजाब के लिए सत्संग करने का एलान किया है। दूसरी तरफ एसजीपीसी समेत कई सिख संगठनों द्वारा राम रहीम के विरोध का एलान किया गया है। ऐसे में पंजाब पुलिस इस आयोजन को लेकर सतर्क हो चुकी है।

रामचरितमानस ग्रंथ पर मंत्रियों के बयान पर भड़के व्यापारी

यमुनानगर (हिंस)। हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ रामचरितमानस को लेकर बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर यादव और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी के खिलाफ व्यापारियों ने शनिवार को शहर के थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। इन दोनों मंत्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र मित्तल ने पत्रकारों को बताया कि हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ रामचरितमानस में हम हिंदुओं की आस्था है। और यह ग्रंथ हमारे लिए पूज्यनीय हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर यादव और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की नफरत भरी टिप्पणी के हम खिलाफ है और इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने प्रशासन और सरकार से मांग करते हुए कहा कि इन दोनों ही मंत्रियों के खिलाफ केस दर्ज कर और सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ताकि वें भविष्य में इस तरह की नफरत वाली टिप्पणी करना बंद करें। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस ग्रंथ को हजारों साल पहले तुलसी दास द्वारा लिखा गया हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी समाज की शांति को भंग करने का हक नहीं है। किसी को भी किसी अन्य के धर्म के प्रति नफरत नहीं फैलानी चाहिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति हर राज्य के स्कूल-कॉलेज में लागू कर रहे

गहलोत सरकार सहयोग नहीं कर रही : केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार आज बीकानेर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी संभाग मुख्यालय पहुंचे जहां भाजपा शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य की अगुवाई में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं द्वारा सुभाष सरकार का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुभाष सरकार मीडिया से रूबरू हुए और राजस्थान की गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्री सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति हर राज्य के स्कूल कॉलेज में लागू कर रही है पर गहलोत सरकार केंद्री का सहयोग नहीं कर रही। सरकार केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक से लेकर हर आधुनिक सुविधा उपलब्ध करवा रही है पर गहलोत सरकार बच्चों को परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने में नाकाम है। राजस्थान पेपर लीक, भ्रष्टाचार, गैंगवार, में नंबर वन है। नरेंद्र मोदी की आयुष्मान भारत में लाखों लोगों को लाभ मिला है। राजस्थान सरकार इस योजना को लागू नहीं कर रही। नल से जल मिशन में सरकार का फेलियर रहा है। शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य ने कहा केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार ने भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद किया व पार्टी की रीति नीति बताते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए कहा राजस्थान में जल्दी कमल खिलने वाला है और

वेंटीलेटर पर चल रही कांग्रेस सरकार की विदाई होने वाली है। आज के कार्यक्रम में डॉ सत्यप्रकाश आचार्य, मुमताज अली भाटी, अखिलेश प्रताप सिंह, नारायण चोपड़ा, राजेंद्र पंवार, मोहन सुराणा, अनिल शुक्ला, नरेश नायक, आनंद सिंह भाटी, हनुमान चावड़ा, भूपेंद्र शर्मा, सुमन छाजेड़, सुषमा बिस्सा, रमजान अब्बासी, श्याम चौधरी, ओम प्रकाश मीणा, मुकेश ओझा, संगीलाल गहलोत, उपस्थित रहे।

पुलिस पर हमला करने वाले 3 महिलाओं समेत सात को एक-एक साल की कैद

फतेहाबाद (हिंस)। पुलिस अधिकारियों पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के तीन महिलाओं सहित सात दोषियों को न्यायिक दंडाधिकारी निधि बैनीवाल की अदालत ने शनिवार को एक-एक साल की कैद व 35-35 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। सदर फतेहाबाद पुलिस ने 3 सितंबर 2016 को चपलामोरी निवासी संतोष देवी, लीला देवी, केला देवी, रमेश उर्फ जग्गू, भाल सिंह, प्रदीप उर्फ दीपला, मानक चंद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मिली जानकारी के मुताबिक गांव चपलामोरी में एएसआई जगदीश चंद्र व अन्य पुलिस अधिकारी आरोपी रमेश उर्फ जग्गू को गिरफ्तार करने गए थे। पुलिस को दी शिकायत मे एएसआई जगदीश चंद्र ने बताया कि 3 सितंबर 2016 को वह हेड कांस्टेबल दलीप सिंह, सिराजुद्दीन, ईएसआई धर्मवीर सिंह के साथ चपलामोरी गांव में आरोपी रमेश उर्फ जग्गू की तलाश में गए थे। आरोपी रमेश उर्फ जग्गू के खिलाफ सदर थाना फतेहाबाद एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जब पुलिस पार्टी चपलामोरी के चौकीदार रमेश के साथ आरोपी रमेश उर्फ जग्गू की ढाणी पहुंची और आने का मकसद बताया तो उक्त आरोपियों ने पुलिस पार्टी को गालियां देते हुए उन पर हमला बोल दिया और सरकारी काम में बाधा पहुंचाई। इस पर आरोपी रमेश भी मौके से नरमे के खेत में भाग गया। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात आरोपी रमेश उर्फ जग्गू, भाल सिंह, प्रदीप उर्फ दीपला, मानकचंद, संतोष देवी, लीला देवी व कैला देवी को दोषी करार देते हुए एक-एक साल कैद व जुर्माने की सजा सुनाई।

गांव बचाओ-पंचायत बचाओ रैली के लिए भिवानी से किसानों का जत्था रवाना

भिवानी (हिंस)। प्रदेश की भाजपा सरकार को चाहिए कि गांवों के विकास के पथ पर अग्रसर करने वाली ग्राम पंचायतों को संपूर्ण अधिकार दिए जाए, ताकि गांवों में विकास कार्य करवाने के फैसले स्वयं पंचापयत ले सकें। लेकिन प्रदेश सरकार पंचायतों से अधिकार छीनकर ग्रामीण आंचल को ही खत्म करना चाहती है। यह बात ग्राम स्वराज्य किसान मोर्चा के जिला संयोजक जोगेंद्र तालु ने कही। वे शनिवार को सरपंचों को संपूर्ण कानूनी अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर गांव जसिया के चौ. छोटूराम धाम से शुरू होने वाली गांव बचाओ-पंचायत बचाओ रैली के लिए जत्थे को रवाना करने पहुंचे थे। इस मौके पर जोगेंद्र तालु ने कहा कि गांवों के विकास में पंचायत अपनी अहम भूमिका निभाते है, लेकिन आज उनके पास संपूर्ण अधिकार नहीं है, जिसके कारण वे कई बार विकासात्मक फैसले स्वयं नहीं ले सकते। तथा गांवों के संपूर्ण विकास में पूरी तरह से अपनी भूमिका नहीं निभा पा रहे, यह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार का हनन है। तालु ने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि सांसद व विधायक की तर्ज पर पंचायतों को भी संपूर्ण अधिकार देते हुए सभी संविधान निर्देशित संसाधन उपलब्ध करवाए जाए, जिससे पंचायत गांव स्तर पर आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, लोक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर सके तथा जनता से जुड़ी समस्याओं का निराकरण कर सके।

पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है : सांसद रमेश कौशिक

मोदी-शाह की जोड़ी भारत को विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसर

सोनीपत (हिंस)। सांसद रमेश कौशिक ने कहा कि पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भारत पुनः विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर हैं। हिंदुस्तान एक नई ताकत बनकर विश्व के मानचित्र पर उभरा है। दुनिया के सर्वोच्च शक्तिशाली देशों में भारत का नाम शामिल होने जा रहा है। भारत के मान-सम्मान में लगातार वृद्धि हुई है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री को जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रविवार की गोहाना की जनसभा को लेकर गोहाना में भारी उत्साह, हरियाणा इस रैली के माध्यम से नया इतिहास रचेंगा। गोहाना की जनसभा पूर्व के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगी। साथ ही गृह मंत्री के आगमन से विकास के नये द्वार खुलेंगे। भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह के रविवार को गोहाना आगमन कार्यक्रम की तैयारियों के दृष्टिगत सांसद रमेश कौशिक ने शनिवार को गोहाना का दौरा किया। उन्होंने कहा कि अपने जनहितकारी नेता के विचार सुनें। केंद्रीय गृह मंत्री सच्चे जनहितैषी हैं, जिन्होंने सदैव जनहितकारी नीतियों को बढ़ावा दिया है। दिन-रात आम जनमानस की चिंता करते हैं और अंत्योदय की भावना से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे जनप्रिय नेताओं की करनी व कथनी एक समान होती है। यह देश का सौभाग्य है कि हमें ऐसे नेता मिले हैं। इनके साथ में भाजपा के जिलाध्यक्ष तीर्थ राणा, इंद्रजीत विरमानी, जसबीर सिंह दोदवा आदि उपस्थित रहे। सुरक्षा और प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों नेता कार्यकर्ता सभी ने संयुक्त रूप से बैठक की तो अधिकारियों सारे रूट पर रिहर्सल की जहां से अमित शाह को आना है, जहां हेलीकॉप्टर लैंड होना है। वहां पर चाक चौंबंध व्यवस्था की समीक्षा की गई और फूल रिर्सल के साथ की अधिकारियों की डयूटी तय कर दी गई है। सासंद कौशिक

पुलिस आयुक्त बालन ने सारी समीक्षा के बाद व्यवस्था कुछ फेर बदल की अधिकारियां को दिशा निर्देश दिए हैं।

कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं ने मनाया लाला लाजपत राय का जन्मदिवस

हिसार (हिंस)। जिला बार एसोसिएशन की ओर से लाला लाजपत राय जी के जन्म दिवस पर हिसार बार के अधिवक्ताओं ने शनिवार को उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। बार के प्रधान बंसीलाल गोदारा ने बताया कि लाला लाजपत राय हिसार बार के 1886 से 1892 तक छह साल सदस्य रहे। प्रधान बंसीलाल गोदारा ने कहा कि वर्ष 1889 में नगरपालिका के पहले सचिव बने थे। हिसार से ही उन्होंने राजनीति में कदम रखा, महान स्वाधीनता सेनानी लाला लाजपत राय आधुनिक हिसार के विकास के सूत्रधार रहे हैं। उनके नाम से हिसार बार को लाल लाजपत राय की बार कहा जाता है। बार के सचिव मुकेश शर्मा ने बताया कि जंगे आजादी

में लाला जी के अदम्य साहस भरे योगदान के कारण उन्हें पंजाब केसरी कहकर संबोधित किया जाता है, उन्हें हिसार के शिल्पी होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने देशभक्ति में वो आदर्श स्थापित किए जिसके लिए संपूर्ण देश उनका सदैव ऋृणी रहेगा। मातृभूमि के लिए उनका बलिदान आज भी देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना का संचार करता है। इस मौके पर हिसार बार के उपप्रधान राजकृष्ण वशिष्ठ, सह सचिव गीतांजलि शर्मा व कोषाध्यक्ष रिंकू सिंह खटाणा सहित अधिवक्ता रोहताश रेपसपाल, धर्मपाल बांगड़, नीलम शर्मा, ईश्वर कड़वासरा, यशवंत सिंह, अशोक बिश्नोई, हरदीप मौन, अश्वनी आर्यन, अमृत सागर, सुरेंदर बेरवाल, युद्धवीर सिहाग, भंवर सिंह, शिवकूमार सैनी, राजेश परमार, संजीव ग्रेवाल, राजेश महरा, रमेश डांगरा, अमित पूनिया लाडवा आदि अधिवक्तागण मौजूद थे।

पंजाब पुलिस में भर्ती होने वाले नौजवानों को सीएम का बड़ा तोहफा

बठिंडा। बठिंडा में गणतंत्र दिवस के समारोह में संबोधन करते हुए सीएम भगवंत मान ने पंजाब पुलिस में भर्ती होने वाले नौजवानों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री ने एलान किया है कि अब हर साल पंजाब पुलिस में भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर साल करीब 2200 कर्मचारियों की भर्ती होगी। इसके लिए जनवरी महीने में नोटिफिकेशन आया करेगी और मई-जून में परीक्षा होगी। इसे बाद परीक्षा का परिणाम अगस्त में आएगा।

अमृतसर में सिरफिरे आशिक ने युवती को मारी गोली, हालत गंभीर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर में एक सिरफिरे आशिक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर युवती को गोली मार दी। युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। आरोपी एएसआई का बेटा बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अमृतसर के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी अमोलदीप कौर घर के बाहर खड़ी थी। तभी मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और युवती को तीन गोलियां मार फरार हो गए। युवती के परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में अमृतसर पुलिस लाइन में तैनात एक एएसआई के बेटे का नाम लिया है। पीड़िता के दादा ने बताया कि पहले आरोपी और उनकी पोती के बीच दोस्ती थी, लेकिन आरोपी की हरकतें देख वह पीछे हट गई। पहले भी कई बार थाने में शिकायत की गई, लेकिन वह बार-बार उन्हें परेशान कर रहा था।

शादी की रस्म निभाने जा रहे चार लोगों की मौत

चूरू (हिंस)। सरदारशहर के रतनगढ़ रोड पर स्थित राणासर गांव के पास शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। बोलेरो और ट्रेलर की टक्कर में बोलेरो सवार चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। यहां से गुजर रहे लोगों ने बोलेरो में सवार सभी लोगों को बाहर निकाला और घायलों को राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद 2 को बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे करवा कर यातायात को सुचारू करवाया। उसके बाद पुलिस राजकीय अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली है। एएसआई हिम्मत सिंह ने बताया कि राणासर गांव से बोलेरो में सवार होकर राणासर निवासी लालचंद पुत्र हनुमान राम जाट, हरिराम पुत्र हनुमान राम जाट, शीशराम पुत्र नेमीचंद जाट, दानाराम पुत्र पाबूदान जाट, अड़मालसार निवासी ताराचंद पुत्र भोमाराम जाट, बंधनाऊ निवासी रुघाराम पुत्र हेमाराम जाट, सीताराम पुत्र हेमाराम जाट, और राणासर निवासी गिरधारीलाल पुत्र डालूराम जाट शादी की रस्मे निभाने जीवनदेसर गांव जा रहे थे। घायल लालचंद और हरिराम दोनों भाइयों की गुरुवार को ही शादी हुई थी।

अरनिया सैन्य कैंप की तस्वीरें खीचने के आरोप में दो हिरासत में

जम्मू (हिंस)। जम्मू जिले के सीमावर्ती क्षेत्र अरनिया में स्थित सैन्य कैंप की तस्वीरें खीचने करने के आरोप में दो श्रमिकों को हिरासत में लिया गया है। इसके साथ ही श्रमिकों के नौ साथियों से भी पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अरनिया सैन्य कैंप के पास सेना के जवानों ने दो मजदूरों को कैंप की तस्वीरें खींचते हुए देखा। जवान श्रमिकों के पास गए और पूछताछ की। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस मामले को संदिग्ध देखते हुए उनके नौ साथियों को भी थाने में बुलाकार पूछताछ कर रही है। सभी मजदूर पुंछ और रामबन जिले के रहने वाले हैं।

यूएई में स्टार्टअप विकसित करने को भारतीयों का स्वागत : शेख माजिद

गुरुग्राम (हिंस)। फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (एफआईआई) की ओर से यहां एक होटल में वैश्विक निवेश परिदृश्य विषय पर कार्यशाला में न केवल नई उभरती संभावनाओं पर, बल्कि नवोदित और सक्षम स्टार्ट-अप के लिए धन व अन्य आवश्यकताओं पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संयुक्त अरब अमीरात के महामहिम शेख माजिद राशिद अल मुअल्ला ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता में फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के महानिदेशक डॉ. दीपक जैन ने की। शेख माजिद राशिद अल मुअल्ला ने भारत और यूएई के बीच निवेश की भविष्य की संभावनाओं पर अपना दृष्टिकोण सांझा किया। भारतीय स्टार्ट-अप कैसे विकसित हो सकते हैं। संयुक्त अरब अमीरात में खुद को कैसे स्थापित कर सकते हैं, इस पर विस्तार से उन्होंने चर्चा की। उन्होंने यूएई में स्टार्टअप के लिए भारतीयों को आमंत्रित करते हुए कहा कि यूएई में उनका स्वागत है।

उन्होंने और उनकी टीम में शामिल डॉ. कबीर व अन्य सलाहकार ने उन सुविधाओं के बारे में बात की, जो वे स्टार्टअप्स को प्रदान कर सकते हैं। व्यवसाय को बढ़ने में कैसे मदद कर सकते हैं। शेख ने भारतीय कारोबारियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को समझने का प्रयास किया। शेख और उनकी टीम ने यूएई में व्यवसाय करने के तौर-तरीकों पर भी बात की। साथ ही बताया कि कैसे भारत के उद्यमी संयुक्त अरब अमीरात में आसानी से व्यापार कर सकते हैं। एफआईआई के महानिदेशक डॉ. दीपक जैन ने निवेश के नए क्षेत्रों पर बात की। दीपक जैन ने 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए नए अवसरों का पता लगाने के लिए आवश्यक प्रयासों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन्हें चिह्नित करें और निकट भविष्य में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनते हुए देखें। दीपक जैन ने कहा कि भारत तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब है और वैश्विक निवेशकों के सामने बहुत बड़ा अवसर है। निवेश प्रकोष्ठ, एफआईआई निवेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सीएम अतुल गुप्ता ने स्थिरता से संबंधित निवेश क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में, कोई भी संस्थान पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मानदंडों को कितनी अच्छी तरह से पूरा कर रहा है। अच्छे निवेश की तलाश करने वाले स्टार्ट-अप के लिए महत्वपूर्ण हैं कि वे शुरुआत में ही ईएसजी मापदंडों को लागू करना शुरू करें।

रिसाइकिल तांबे व पीवीसी के जरिये हो रही जीएसटी चोरी, तत्काल सरकार को ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली।
इलेक्ट्रिकल केबल उद्योग में असंगठित कंपनियां रिसाइकिल तांबे और पॉलीविनील क्लोराइड (पीवीसी) का उपयोग कर लंबे समय से जीएसटी की चोरी कर रही हैं। स्थानीय बाजारों में ऐसी कंपनियां खराब गुणवत्ता वाला उत्पाद कम भाव पर बेच कर अच्छी कमाई कर रही हैं। इससे सरकार को घाटा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि देशभर में व्यावसायिक व आवासीय भवनों में बिजली की आग का सबसे अधिक कारण यही है। असंगठित क्षेत्र इसके लिए जिम्मेदार हैं। इस उद्योग में असंगठित कंपनियों का हिस्सा 35प्रतिशत है। इस पर तत्काल सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। बिल्डिंग वायर का बाजार लगभग 20,000 करोड़ का है, लेकिन उनमें से ज्यादातर पीवीसी या एफआरएलएस इंसुलेटेड तार बेचते हैं जो एक बढ़िया विकल्प नहीं है।

खाने में मोटे अनाज को बढ़ावा देगी आईटीसी – जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के मद्देनजर खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के तहत आईटीसी लिमिटेड ने खाने में मोटे अनाज को बढ़ावा देने की पहल की घोषणा की। आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने कहा, जलवायु परिवर्तन की घटनाओं ने खाद्य और पोषण सुरक्षा के समक्ष बड़ी चुनौतियां पैदा की हैं। इससे निपटने के लिए हम अपनी अधिकांश श्रेणियों में मोटे अनाज के साथ उत्पादों की पेशकश करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। पुरी ने कहा, हम अपने सभी सेगमेंट को एक साथ लाएंगे और सामूहिक रूप से इसे अपना समर्थन देंगे। टाटा सॉल्ट ने हर सवाल उठेगा अभियान शुरू किया है। इसका मकसद बच्चों को सवाल उठाने के लिए एक ऐसा मंच देकर उन्हें सशक्त बनाना है, जिससे प्रासंगिक बातचीत को बढ़ावा मिले। सामाजिक परिवर्तन को भी बल मिले।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की अध्यक्ष (पैकेज्ड फूड्स इंडिया) दीपिका भान ने कहा कि बच्चे अपने वास्तविक सवालों के जरिये हमारी सोच को नया रूप दे सकते हैं। यह अभियान इन वास्तविक सवालों को सामने लाने का प्रयास करता है।

न्यूज ब्रीफ

अब आगरा का बाजरा भी दुनिया में मचाएगा धूम

लखनऊ। अब आगरा का बाजरा भी सिद्धार्थनगर के काला नमक धान की तरह देश–दुनिया में धूम मचाएगा। सोनपुर का सावां वहां के किसानों के लिए सोना बन जाएगा। मीरजापुर सिर्फ अपनी दरियों के लिए ही नहीं, कोदो के लिए भी जाना जाएगा। दरअसल योगी सरकार ने किसानों के व्यापक हित में इन उत्पादों को एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना में शामिल किया है। अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 में एमएसएमई (सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विभाग) ने आगरा एवं कानपुर मण्डल के लिए बाजरा, सोनभद्र और मीरजापुर एवं बुंदेलखण्ड के लिए सावां को बतौर ओडीओपी उत्पाद चुना है। इससे समान कृषि जलवायु के नाते बाजरा उत्पादक आगरा मंडल एवं बुंदेलखंड के दो दर्जन जिलों के लाखों किसानों को लाभ होगा। सरकार इनमें से मीरजापुर के ज्वार एवं देशी बाजरा, कानपुर के लाल ज्वार को जीआई टैग दिलाने के लिए भी शिद्दत से लगी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सरकार की हाई पॉवर कमेटी ने प्रदेश के जिन 21 कृषि उत्पादों को जीआई टैग के लिए हरी झंडी दी है, उनमें मिलेट्स माने जाने वाले ये उत्पाद शामिल हैं। बाकी उत्पादों में लखनऊ की रेवड़ी, बाराबंकी एवं रामपुर का मेंथा, गोरखपुर का पनियाला, गोठा का गुड़, मऊ का बैगन, आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा, खुर्जा का खुरचन, मेरठ का गजक, बुंदेलखंड की अरहर दाल, हाथरस का गुलाबजल, गुलकंद, बलिया का बोरो धान, संडीला का लड्डू, एटा का चिकोरी, फरुर्खाबाद का फुलवा आलू, फतेहपुर का मालवा पेड़ा, सोनभद्र का चिरौंजी है।

एंटी-थेफ्ट तकनीक की कमी के लिए हुंडई, किआ पर अमेरिका में मुकदमा दायर

सोल। कार निर्माता कंपनियों ने कहा कि अमेरिका में सिएटल सिटी के एक व्हीकल ने हुंडई मोटर और उसके सहयोगी किआ के खिलाफ उनके कुछ मॉडलों में चोरी–रोधी तकनीक की कमी के लिए मुकदमा दायर किया है। संघीय अदालत में दायर मुकदमे में, सिएटल सिटी अटॉर्नी एन डेविसन ने तर्क दिया कि कार निर्माता कुछ वाहनों में एंटी–थेफ्ट तकनीक स्थापित करने में विफल रहे, जिससे सिएटल और अन्य क्षेत्रों में उनकी कार चोरी में तेजी से वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, शहर ने कहा कि 2021 से 2022 तक, हुंडई और किआ कारों की चोरी में क्रमशः 503 प्रतिशत और 363 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हुंडई और किआ ने प्रभावित ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगते हुए सिएटल में कानूनी कार्रवाई पर खेद व्यक्त किया।

दुनियाभर में स्मार्टफोन की बिक्री घटी: बीते साल भारत में 9प्रतिशत और चीन में 14प्रतिशत कम बिके स्मार्टफोन

नई दिल्ली। बीते साल दुनियाभर में स्मार्टफोन की बिक्री में गिरावट देखने को मिली। दो सबसे बड़े मोबाइल मार्केट में शुमार चीन और भारत में भी यही स्थिति रही। लेकिन, भारत में चीन के मुकाबले कम गिरावट आई काउंटर पॉइंट मार्केट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2022 के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री 2021 की तुलना में 9प्रतिशत घट गई और 15.2 करोड़ स्मार्टफोन बिके। ये गिरावट मुख्य रूप से एंट्री लेवल और बजट सेगमेंट के फोन में रही। इस दौरान प्रीमियम सेगमेंट की बिक्री में बढ़ोतरी जारी रही। स्मार्टफोन की कुल बिक्री में हिस्सेदारी पहली बार डबल डिजिट यानी 11प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्केट की आय में 30,000 रुपए से ज्यादा के स्मार्टफोन की हिस्सेदारी भी बढ़कर 35प्रतिशत हो गई, जो एक रिकॉर्ड है। सबसे बड़े मोबाइल मार्केट चीन में लगातार पांचवें साल स्मार्टफोन की बिक्री घटी है। बीते साल 14प्रतिशत गिरावट के साथ स्मार्टफोन की बिक्री दशक के निचले स्तर पर आ गई। सभी बड़े ब्रांड की बिक्री में गिरावट रही।

अमेरिकी उद्योग जगत को भारत के बजट से क्या चाहिए वित्त मंत्री सीतारमण के सामने रखी ये मांग

नई दिल्ली।
अमेरिकी उद्योग जगत ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों को तर्कसंगत और सरल बनाने का आग्रह किया है। इसका मानना है कि इस कदम से वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिलेगा।प्रत्यक्ष कर आयकर, पूंजीगत लाभ कर या प्रतिभूति लेनदेन कर के रूप में होते हैं, जबकि जीएसटी, सीमा शुल्क या वैट जैसे अप्रत्यक्ष कर किसी भी वस्तु या सेवाओं को खरीदने के लिए सभी अंतिम उपभोक्ताओं पर लगाए जाते हैं।

कॉरपोरेट कर की दरों को तर्कसंगत बनाने की मांग

अमेरिका–भारत रणनीतिक और भागीदारी मंच ने एक फरवरी को पेश होने वाले सालाना बजट से पहले वित्त मंत्रालय को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा, विदेशी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट कर की दरों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि समानता लाने के लिए बैंकों सहित विदेशी कंपनियों के लिए दर कम की जानी चाहिए और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कर को तर्कसंगत बनाने की मांग की गई है।

यूएसआईएसपीएफ ने भारत से पूंजीगत लाभ कर सुधारों को सरल बनाने का आग्रह करते हुए होल्डिंग अवधि और विभिन्न साधनों की दरों में सामंजस्य स्थापित करने की भी मांग की। इसमें कहा गया है, वैश्विक कर सौदे के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराएं।

एफपीआई के लिए रियायती कर व्यवस्था का विस्तार करने का आग्रह

केंद्रीय वित्त मंत्री से प्रतिभूति में निवेश से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के लिए रियायती कर व्यवस्था का विस्तार करने का आग्रह भी किया गया है। यूएसआईएसपीएफ ने नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, निवेश जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को कर प्रोत्साहन देने का भी सुझाव दिया है। फोरम की सिफारिशों में स्थिर और अनुमानित कर वातावरण की वकालत करना, कारोबारी माहौल को आसान बनाना, कारोबार करने की लागत को युक्तिसंगत बनाना और कर दरों एवं शुल्कों को युक्तिसंगत बनाना शामिल है।

वित्त मंत्री से सीमा शुल्क वृद्धि को वापस लेने पर विचार करने को कहा

यूएसआईएसपीएफ ने वित्त मंत्री से पोषण उत्पादों के महत्व को देखते हुए उन पर सीमा शुल्क वृद्धि को वापस लेने और भारत में वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए पोषण संबंधी खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। सीमा शुल्क पर यूएसआईएसपीएफ की सिफारिशों में दूरसंचार उत्पादों पर सीमा शुल्क अधिनियम में अस्पष्टताओं को दूर करने, उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए रियायती सीमा शुल्क का विस्तार करने और कैरोटार व फेसलेस असेसमेंट जैसी व्यापार सुविधा योजनाओं के संबंध में जमीन पर प्रक्रिया को मजबूत करने की मांग शामिल है।

अप्रत्यक्ष करों के बारे में यूएसआईएसपीएफ ने तेल और प्राकृतिक गैस कंपनियों को दी जाने वाली सीमा शुल्क छूट, एक्स–रे मशीनों के लिए सीमा शुल्क की दर 10 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत करने और विशिष्ट अनुसंधान व विकास इकाइयों की ओर से आयातित सभी वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट देने पर स्पष्टीकरण मांगा है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा- महंगाई, वृद्धि दर व मुद्रा संकट का बुरा दौर पीछे छूटा

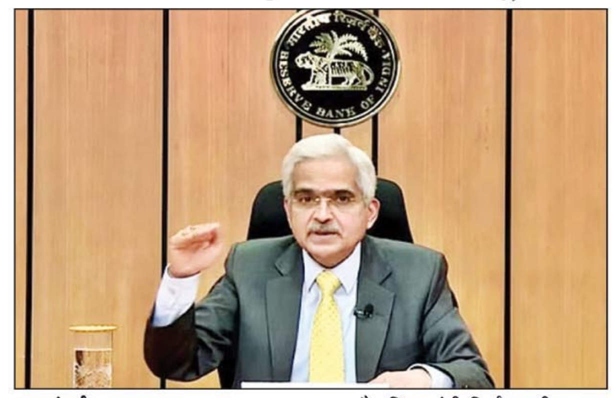

मुंबई।
आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है।महंगाई, आर्थिक वृद्धि और मुद्रा में उतार–चढ़ाव के ताजा आंकड़े बताते हैं कि वित्त बाजारों व वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे बुरा दौर पीछे छूट चुका है।

दास ने कहा कि वैश्विक जीडीपी में इस साल उल्लेखनीय रूप से गिरावट की आशंका है। हालांकि, उच्च ब्याज दरें लंबे समय तक बनी रह सकती हैं।एक कार्यक्रम में गवर्नर ने कहा, कोविड प्रतिबंधों में राहत और विभिन्न देशों में महंगाई कुछ कम होने के साथ केंद्रीय बैंकों ने दर में कम वृद्धि या ठहराव के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। वृद्धि के मोर्चे पर कहा कि कुछ महीने पहले गंभीर मंदी की आशंका थी, लेकिन अब लग रहा है कि सामान्य मंदी रहेगी।

किसान संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशन ने सरकार से सिगरेट की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि सिगरेट की तस्करी से सरकारी खजाने को सालाना 13,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बजट पूर्व प्रस्तुति में सिगरेट की तस्करी के बढ़ते खतरे के बारे में कहा, इससे कई परेशानिया हो रही हैं।अपराध के बढ़ने से लेकर सरकार को करों का भारी नुकसान हो रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.72 अरब डॉलर बढ़ा

विदेशी मुद्रा भंडार 20 जनवरी को समाप्त तिमाही में 1.72 अरब डॉलर बढ़कर 573.72 अरब डॉलर पहुंच गया। आरबीआई ने शुक्रवार को बताया, यह लगातार दूसरा सप्ताह है, जब इसमें बढ़त आई है। विदेशी मुद्रा संपत्ति में 83.9 करोड़ डॉलर और सोने के भंडार में 82.1 करोड़ डॉलर की बढ़त आई।

फरवरी से महंगे होंगे टाटा मोटर्स के वाहन

टाटा मोटर्स ने कहा है कि वह एक फरवरी से अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करेगी। इनकी कीमतें 1.2प्रतिशत तक बढ़ेंगी। यह नेक्सन, पंच, सफारी, हैरियर जैसे वाहनों की बिक्री करती है। बढ़ती लागत के कारण कंपनी को यह फैसला करना पड़ा है। इस महीने भी कंपनी ने दाम बढ़ाया था।

मैं पूरे दिन काम करता हूं, फिर घर जाता हूं और वर्क सिम्युलेटर खेलता हूं : मस्क

सैन फ्रांसिस्को।
शनिवार को ट्विटर के बॉस एलन मस्क ने अपनी दिनचर्या के बारे में बताते हुए कहा कि वह पूरे दिन काम करते हैं, फिर घर जाकर वर्क सिम्युलेटर खेलते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, मैं पूरे दिन काम करता हूं, फिर घर जाता हूं और वर्क सिम्युलेटर खेलता हूं। मस्क अपनी पांच कंपनियों- टेस्ला, स्पेसएक्स, ट्विटर, न्यूरालिंक और बोरिंग कंपनी को चलाने के लिए लंबे समय तक काम करने के लिए जाने जाते हैं। उनके ट्वीट को अब तक 8.8 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है, 127.8 हजार लाइक और 7,803 रीट्वीट किए जा चुके हैं।

हालांकि, उनके ट्वीट पर सैकड़ों कमेंट्स की बाढ़ आ गई, कुछ ने उन्हें काम से छुट्टी लेने की सलाह दी और कुछ ने उन पर निशाना साधा।

एक यूजर ने कमेंट किया, मैं पूरे दिन ट्वीट करता हूं, फिर घर पर रहता हूं और ट्वीट सिम्युलेटर खेलता हूं। एक अन्य यूजर ने लिखा- मैं पूरे दिन काम करता हूं और फिर दिन भर के काम से आराम करने के लिए अलग–अलग काम करता हूं। इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क ने माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अपना नाम बदलकर मिस्टर ट्वीट कर लिया था और अब वह इसे वापस नहीं ले सकते। मस्क ने खुलासा किया कि वह अपने नए नाम के साथ फंस गए, क्योंकि ट्विटर उन्हें इसे वापस बदलने नहीं दे रहा है।

बीएमडब्ल्यू ने भारत में अपनी थर्ड जेनरेशन बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉन्च की

नई दिल्ली।
लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने शनिवार को भारत में उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट में ऑल–न्यू बीएमडब्ल्यू एक्स1 स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल (एसएवी) लॉन्च किया।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय रूप से उत्पादित, कार 45,90,000 रुपये (पेट्रोल) और 47,90,000 रुपये (डीजल) की शुरुआती कीमतों पर आती है और कंपनी के डीलरशिप नेटवर्क और इसकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग के लिए उपलब्ध है।

कंपनी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू एक्स1 (डीजल) की डिलीवरी मार्च से और बीएमडब्ल्यू एक्स1 (पेट्रोल) की डिलीवरी जून से शुरू होगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने एक बयान में कहा, ऑल–न्यू बीएमडब्ल्यू एक्स1 अपने शक्तिशाली बिल्ड और विशिष्ट मस्कुलर डिजाइन के साथ इसकी क्लास और बढ़ाती है। इंटीरियर प्रभावशाली रूप से आधुनिक और डिजिटल है, जो उन्नत कनेक्टिविटी और उपयोग में शानदार आसानी से चिह्नित है। यह सब, अभी भी सबसे फुर्तीली लक्जरी स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल होने के बावजूद, एक्स1 की सफलता को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए बाध्य है। थर्ड जेनरेशन की ऑल–न्यू बीएमडब्ल्यू एक्स1 लक्जरी एसएवी में कई नई विशेषताएं हैं, जिनमें हाई बीम असिस्टेंट के साथ अडैप्टिव एलईडी हेडलाइट्स, बीएमडब्ल्यू कर्व्ड डिस्प्ले के साथ बीएमडब्ल्यू लाइव कॉकपिट प्लस, रिमोट फंक्शन के साथ माई बीएमडब्ल्यू ऐप, कम्फर्ट एक्सेस के साथ डिजिटल की प्लस, पार्किंग और रिवर्सिंग असिस्टेंट, एक्टिव सीट्स, इंस्ट्रूमेंट पैनल लक्जरी, हारमोन कार्डन ऑडियो सिस्टम और भी बहुत कुछ शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने उल्लेख किया कि बीएमडब्ल्यू एक्स1 (डीजल) 8.9 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ती है, जबकि बीएमडब्ल्यू एक्स1 (पेट्रोल) 9.2 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ती है।

1 फरवरी से महंगी हो जाएंगी टाटा की गाड़ियां

टाटा मोटर्स ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार बढ़ाए पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली।
भारत की तीसरी सबसे बड़ी ऑटो मैन्यूफैक्चरर कंपनी टाटा मोटर्स ने 1 फरवरी से अपनी गाड़ियों के प्राइस बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार प्राइस बढ़ाए हैं। इससे पहले टाटा मोटर्स ने 7 नवंबर को पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में 0.90प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी।

कंपनी का कहना है कि कंपोनेंट महंगे होने और नए एमिशन नॉम्स के अनुसार कार मैकिंग में ओवरऑल कोस्ट बढ़ रही है। इस कारण पेट्रोल–डीजल पोर्टफोलियो की सभी गाड़ियों के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बढ़े हुए दाम 1 फरवरी से कंपनी के लाइनअप में शामिल सभी मॉडल्स के अलग–अलग वैरिएंट पर 1.2प्रतिशत की दर से लागू होंगे। कीमतें बढ़ने के बाद यहां हम आपको बता रहे हैं कंपनी के सभी मॉडल्स के बेस वैरिएंट्स की क्या कीमत होगी।

जनवरी 2022 से अब तक 5 बार बढ़े दाम

ये जनवरी 2022 से अब तक पांच बार है

जब टाटा मोटर्स ने गाड़ियों के दाम बढ़ाए हैं। इससे पहले लागत बढ़ने के चलते जुलाई में भी पैसेंजर गाड़ियों के दाम 0.55प्रतिशत बढ़ाए थे। इससे पहले अप्रैल में भी दाम करीब 1.1प्रतिशत बढ़ाए थे। इतना ही नहीं इससे पहले जनवरी 2022 में भी कंपनी ने अलग–अलग मॉडल और वैरिएंट के आधार पर 0.9प्रतिशत का इजाफा किया था। उस वक्त भी इनपुट कोस्ट बढ़ने की वजह से कीमतें बढ़ाई गई थीं।

पिछले महीने कंपनी ने बेची थी 72,997 यूनिट

टाटा मोटर्स पैसेंजर सेग्मेंट में तेजी से अपने पेर पसार रहा है। बीते दिसंबर महीने में कंपनी की मशहूर एसयूवी टाटा नेक्सॉन देश की चौथी सबसे ज्यादा बेची जाने वाली कार रही थी। इस दौरान कंपनी ने नेक्सॉन की 12,053 यूनिट्स बेची थी। कंपनी ने दिसंबर 2022 में 72,997 यूनिट्स के साथ कुल घरेलू बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी, जो कि पिछले साल इसी महीने में 66,307 यूनिट्स थी।

दिसंबर 2022 तिमाही में दो साल बाद प्रॉफिट में आई कंपनी

टाटा मोटर्स ने 31 दिसंबर 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,957.71 करोड़ रुपए रहा। वहीं पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 1,516 करोड़ रुपए और पिछले क्वार्टर में 944.61 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ था। कंपनी को 2 साल में पहली बार किसी तिमाही में मुनाफा हुआ है। पैसेंजर कारों के साथ–साथ मीडियम और हैवी कमर्शियल वीकल्स की मांग बढ़ने से कंपनी ने यह मुनाफा दर्ज किया है। इससे पहले कंपनी ने आखिरी बार अक्टूबर–दिसंबर 2020 की तिमाही में मुनाफा कमाया था।

टाटा मोटर्स का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 22.5प्रतिशत बढ़ा

वहीं अगर रेवेन्यू की बात करें तो टाटा मोटर्स का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू दिसंबर तिमाही में 22.5प्रतिशत बढ़कर 88,488.59 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 72,229 करोड़ रुपए था।

पठान सिर्फ एक फिल्म हो सकती है गूंजेगा तो जय श्रीराम : कंगना रनौत

-कंगना के ट्वीट सोशल मीडिया पर जमकर हो रहे वायरल

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म पठान को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। शाहरुख की फिल्म पठान 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म ने ओपनिंग के पहले दिन ही रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। शाहरुख के फैंस लंबे समय के बाद उन्हें सिल्वर स्क्रीन पर देख कर काफी खुश हैं। फिल्म के लिए फैंस ही नहीं बल्कि स्टार्स की दीवानगी भी बढ़ रही है। पठान को लेकर स्टार्स के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। वहीं कंगना रनौत का बयान चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में कंगना ने फिल्म की तारीफ की थी लेकिन अब उनके तेवर बदले हुए दिख रहे हैं। शाहरुख को लेकर कंगना का कहना है कि पठान सिर्फ एक फिल्म हो सकती है गूंजेगा तो यहां सिर्फ जय श्रीराम। कंगना रनौत ने एक बार फिर से ट्विटर पर वापसी करते ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। कंगना फिर से ट्विटर पर एक्टिव हो चुकीं हैं। उन्होंने पठान को लेकर एक नहीं बल्कि कई ट्वीट किए हैं। कंगना रनौत ने ट्वीट कर लिखा कि जो लोग इस बात का दावा कर रहे हैं कि पठान नफरत पर प्यार की जीत है मैं मानती हूं लेकिन किसका प्यार और किसकी नफरत? चलो ठीक है कौन टिकट खरीद रहा है और इसे सफल बना रहा है? हां ये भारत का प्यार है जिसमें 80 प्रतिशत हिंदू रहते हैं और फिर भी फिल्म का नाम पठान है। जो दिखाती है कि हमारा पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान और आईएस-।आईएस अच्छे हैं। इसके बाद कंगना ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि जिन लोगों को बहुत उम्मीदें हैं कृपया ध्यान दें। पठान सिर्फ एक फिल्म हो सकती है गूंजेगा तो यहां सिर्फ जय श्रीराम...जय श्रीराम। कंगना के ये सभी ट्वीट इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं।

मेरी बेटियां एक आशीर्वाद हैं: चाहत खन्ना

-राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर अभिनेत्री ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। लड़कियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाए जाने वाले राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर अभिनेत्री चाहत खन्ना ने कहा मेरी बेटियां एक आशीर्वाद हैं। हमारे बीच एक असाधारण बंधन है और मैं अपनी बेटियों से हर दिन बहुत कुछ सीखती हूं। मेरा दिन उन्हें देखे बिना और उनके साथ समय बिताने के बिना अधूरा है। स साल मैं अपनी लड़कियों को जितना संभव हो उतना प्यार करने और उन्हें समान अधिकार और अवसर देने और दुनिया को संभालने का संदेश फैलाना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि जोहर और अमायरा की मां बनकर खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। यह कहते हुए कि उनकी बेटियां उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कुमकुम काज्जल कबूल है में अपने काम के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने कहा मैं हमेशा यह सुनिश्चित करती हूं कि मैं अपनी लड़कियों के लिए सब कुछ सबसे अच्छा प्रदान कर सकती हूं और उनके सभी सपनों को हासिल करने में उनकी मदद कर सकती हूं। अभिनेत्री ने कहा दुनिया लड़कियों के बिना अधूरी है इसलिए उन्हें समान अधिकार और खिलने के अवसर दिए जाने चाहिए। जब भी मैं किसी लड़की के साथ दुर्व्यवहार या हत्या की कोई खबर सुनती हूं तो मेरा दिल पसीज जाता है और मैं समझ नहीं पाती हूं कि कोई भी ऐसे प्यारे फरिश्तों को कैसे चोट पहुंचा सकता है।चाहत ने आगे कहा कि देश के कई हिस्सों में लड़कियों के प्रति समाज में असमानता को देखना दुर्भाग्यपूर्ण है और वह आने वाले वर्षों में चीजों को बेहतर होते देखने की उम्मीद करती हैं।

पैसा वाला मुर्गा फंसा होगा

-बॉयफ्रेंड को लेकर श्रुति हासन ट्रोल्स के निशाने पर

चेन्नई (ईएमएस)। एक्ट्रेस श्रुति हासन बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका के साथ अपने रिश्ते की वजह से इन दिनों काफी चर्चा में हैं। इन दोनों की जोड़ी लोगों को नहीं भाती है। जहां एक्ट्रेस स्लिम-फिट हैं और खूबसूरती की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। वहीं उनके बॉयफ्रेंड का लुक लोगों को जरा भी नहीं भाता है। अब दोनों को हाल ही में शॉपिंग के लिए जाते हुए साथ में स्पॉट किया गया है। इस दौरान एक्ट्रेस शांतनु की वजह से ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं। श्रुति हासन का बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका के साथ एक लेटेस्ट वीडियो वायरल हो रहा है जो कि सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इसमें एक्ट्रेस ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। लोग एक्ट्रेस के लुक के साथ बॉयफ्रेंड के लुक पर जमकर निशाना साध रहे हैं। दरअसल मामला कुछ ऐसा है कि श्रुति बॉयफ्रेंड शांतनु के साथ शॉपिंग के लिए गई थीं। इस दौरान एक्ट्रेस को कैजुअल लुक में देखा गया था और शांतनु भी इसी लुक में दिखे। वीडियो में लोगों ने बॉयफ्रेंड के लुक के साथ-साथ साउथ एक्ट्रेस के हाथ में बड़ा बैग भी देखा जिसे लेकर उनके लोग खूब मजे लेने लगे। अगर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में लोगों के रिएक्शन्स की बात की जाए तो एक ने श्रुति हासन के बैग को लेकर लिखा इस बैग में एक इंसान आ सकता है। दूसरे ने लिखा चर्सी लग रहा है। तीसरे ने लिखा पैसा वाला मुर्गा फंसा होगा। चौथे ने लिखा लंगूर के हाथ में अंगूर आता है बार-बार। इसके साथ ही एक अन्य ने लिखा कैसे-कैसे लोग हैं यार। अच्छी खासी होकर ऐसे चौमू के साथ हैं। इनके वीडियो को 41 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इस पर इसी तरह से लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। इसके अलावा अगर श्रुति हासन के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो इस साल 2023 में प्रभास के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करते हुए नजर आने वाली हैं। प्रभास और श्रुति की जोड़ी फिल्म सालार में नजर आने वाली है। दोनों को साथ में देखने के लिए फैंस काफी एक्सा-इटेड और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी एक्ट्रेस श्रुति हासन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

रोमांस को थिएटर में वापस लाने वाली है तू झूठी मैं मक्कार ट्रेलर आउट

मुंबई (ईएमएस)। ब्रह्मास्त्र की सफलता के बाद एक बार फिर रणबीर कपूर दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। इस बार वे किसी अलौकिक शक्तियों वाली या कोई एक्शन फिल्म में नहीं अपितु अपने चिरपरिचित रोमांस के साथ वापसी करने जा रहे हैं। नायिका के तौर पर श्रद्धा कपूर उनके साथ हैं। इस फ्रेश जोड़ी की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार का ट्रेलर जारी हुआ है जिसे देखने के बाद निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि परदे पर एक बार फिर से रोमांस की वापसी होने जा रही है लेकिन वर्ष 2023 के अनुसार। फिल्म का निर्देशन लव रंजन ने किया है। रणबीर लगभग एक दशक के बाद रोम-कॉम में वापसी कर रहे हैं और इसने अपने आप में प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर रणबीर और श्रद्धा के चरित्र लक्षणों को उजागर करने वाले कई पलों से भरा है।रणबीर के रोल में एक मजेदार और बनी वाइब है जो श्रद्धा के किरदार के लिए काफी अच्छा है। यह लंबे समय के बाद है कि एक ऑनस्क्रीन जोड़ी एक ही समय में मजेदार और रोमांटिक होने का वादा करती है। ट्रेलर जान बूझकर कई हालिया फिल्मों की तुलना में छोटा है और चिढ़ाता है कि यह इंतजार करने वाली फिल्म क्यों है। तीन मिनट पच्चीस सेकंड का ट्रेलर ताजी हवा की एक सांस है जिसमें मुख्य जोड़ी के बीच शानदार केमिस्ट्री आश्चर्यजनक दृश्य और प्रफ़ुल्लित करने वाले संवाद इसे एक शानदार पल बनाते हैं। ऐसा लगता है कि तू झूठी मैं मक्कार रोमांस को थिएटर में वापस लाने वाली है लेकिन 2023 की शैली में। ट्रेलर में स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी को भी दिखाया गया है जो फिल्म के साथ अपनी शुरूआत कर रहे हैं। श्रद्धा और रणबीर की केमिस्ट्री के अलावा ट्रेलर ने फिल्म में प्रीतम अमिताभ भट्टाचार्य और अरिजीत सिंह के जादू के साथ शानदार संगीत की झलक भी दिखाई। इस होली 8 मार्च 2023 को रोमांटिक-कॉमेडी तू झूठी मैं मक्कार के प्रदर्शन के साथ लव रंजन शैली में अतिरिक्त विशेष और रंगीन होने जा रही है। एक युवा जोड़े की दिलचस्प कहानी के साथ फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों को आकर्षित करेगी। सभी उम्र के दर्शकों और फिल्म प्रेमियों का निश्चित रूप से सिनेमाघरों में अच्छा समय आने वाला है। मेकर्स ने एक महीने पहले ही अनोखे अंदाज में फिल्म के टाइटल की घोषणा की थी। यह भी पहली बार है जब रणबीर और श्रद्धा एक साथ आ रहे हैं और फिल्म के पोस्टर पर उनकी तस्वीर आपको इस नई ऑनस्क्रीन जोड़ी के बारे में उत्साहित करने के लिए काफी है। फिल्म होली 2023 सप्ताहांत के दौरान रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के बाद रणबीर कपूर संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में नजर आएंगे। वहीं दूसरी ओर श्रद्धा कपूर दिनेश विजन की फिल्म स्त्री के दूसरे भाग स्त्री-2 में आने की तैयारी में हैं।

सलमान के साथ दिखे शाहरुख मीजान जाफरी ने शेयर की तस्वीर

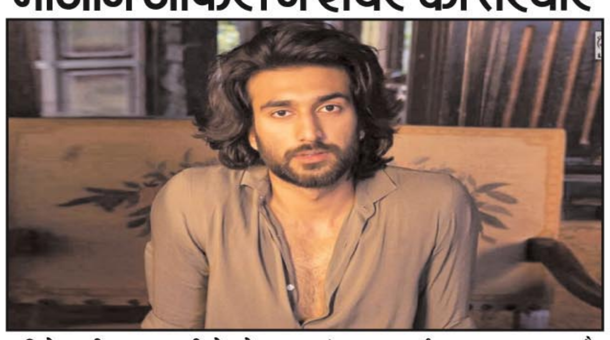

अभिनेता मीजान जाफरी ने सोशल मीडिया पर पठान शाहरुख खान और टाइगर सलमान खान के साथ एक तस्वीर साझा की है। दोनों सितारे कहां हैं इसका खुलासा किए बिना मिजान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा की जहां दोनों सुपरस्टार खुशी से पोज देते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान आलिव ग्रीन सूट और ब्लू शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। शाहरुख ने काले रंग का कुर्ता-पायजामा पहना है। मीजान ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा पठान इन थिएटर्स टुमॉरो। शाहरुख फिलहाल पठान की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं जो बुधवार को रिलीज होने वाली है। फिल्म में जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। सलमान कथित तौर पर फिल्म में एक कैमियो में दिखाई देंगे।

34 साल पहले आज के दिन रीलिज हुई थी रामलखन

सुभाष घई साल 1989 में बड़े बजट की मसाला फिल्म राम लखन लेकर आए थे। रिपब्लिक डे के मौके पर इस फिल्म को 27 जनवरी 1989 को रिलीज किया गया था। यानी इस फिल्म ने आज 34 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में कई बड़े कलाकारों ने काम किया था और कमर्शियली यह फिल्म काफी सफल रही थी। फिल्म से जुड़ा 34 साल पुराने फोटो में कलाकारों की जवानी के दिनों की झलक देखी जा सकती है। कुछ चेहरे जहां आप आसानी से पहचान लेंगे। वहीं कुछ चेहरे ऐसे हैं जिन्हें पहचान पाना आसान नहीं है।34 साल पुराना यह फोटो माधुरी दीक्षित ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। फोटो में कई दिग्गज कलाकार हैं। इनमें से कुछ कलाकार मनोरंजन की दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। वहीं जैकी माधुरी अनिल डिम्पल परेश आदि अब भी फिल्मी दुनिया में सक्रिय हैं। पीछे खड़े कलाकरों में दांए से दूसरे नम्बर पर अन्नू कपूर हैं। फिलहाल अन्नू की तबीयत नासाज है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई थी।सुभाष घई की यह फिल्म दो भाईयों को केन्द्र में रखकर बनी थी। साल 1989 में यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म ने करीब 18 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। फिल्म को अब भी लोग देखना पसंद करते हैं। फिल्म में शामिल सभी कलाकारों के लिए यह फिल्म खास बन गई थी।

पुष्पा 2 देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड

-लीक हुआ फिल्म का फर्स्ट लुक

चेन्नई (ईएमएस)। साउथ की फिल्म पुष्पा का पहला पार्ट देखने के बाद फैंस के बीच इसका जबरदस्त क्रेज देखने के लिए मिल रहा है। इसमें अल्लू अर्जुन की एक्टिंग को फैंस ने काफी पसंद किया गया है। ऐसे में लोग पुष्पा 2 को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। अब ऐसे लग रहा है कि फैंस का ये इंतजार खत्म होने वाला है। अल्लू अर्जुन फिल्म में किस लुक में दिखाई देने वाले हैं। इसका खुलासा हो गया है। सोशल मीडिया पर उनका एक लुक वायरल हो रहा है जिसे उनका पुष्पाः द रूल का लुक बताया जा रहा है। इसे भी लोग काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए लुक में अल्लू अर्जुन का डैशिंग लुक देखने के लिए मिल रहा है जो पहले से थोड़ा अलग रहा है। इसमें वो बढ़े बालों और रिची लुक में दिखाई दे रहे हैं। दरअसल गुरुवार को एक्टर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में पुष्पा 2 की शूटिंग के लिए पहुंचे हैं। यहां उनका ग्रांड वेलकम किया गया। इसमें फैंस उनका गजब का ट्रांसफॉर्मेशन देखकर शॉक्ड हो गए हैं। आपको बता दें कि कुछ समय पहले ही इस फिल्म की शूटिंग को लेकर मेकर्स की ओर से ऐलान किया गया था। अब इसकी शूटिंग जारी है। फिल्म रिलीज से पहले ही काफी बज बन गया है। ऐसे में अब सवाल ये खड़ा रहा है कि साउथ का बॉक्स ऑफिस पर बवंडर नहीं थमेगा? क्या बॉलीवुड को साउथ फिर से बॉक्स ऑफिस पर शानदार टक्कर देगा?

ऐसे में तो अब फिल्म के आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि आखिर क्या होगा। लेकिन पुष्पा 2 का क्रेज अभी से लोगों के बीच देखने के लिए मिल रहा है। बता दें कि कुछ समय पहले पुष्पाः द रूल के सेट से मेकर्स की एक फोटो भी शेयर की गई थी जो कि बिहाइंड द कैमरा की है। इसमें देखने के लिए मिला था कि फिल्म की यूनिट आपस में फिल्म का कोई सीन डिसकस करते हुए नजर आ रही है। टीम कैमरा और लाइट्स से घिरी हुई है। इसे शेयर करने के साथ ही जानकारी दी गई कि पुष्पा 2 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है। मेकर्स इसे बनाने में अपना बेस्ट दे रहे हैं। बता दें कि साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त किया था। कोरोना काल में रिलीज की गई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल ही मचा दिया था।

इसमें उनकी और रश्मिका मंदाना की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में इसकी दूसरी किस्त की रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच मूवी से एक्टर का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर लीक हो गया है और ये वायरल हो रहा है। इसके सामने आने के बाद लोगों की एक्साइटमेंट भी सातवें आसमान पर पहुंच गई है।

गदर 2 के सीक्वल के पहले पोस्टर का अनावरण

गदर 2 नाम के सीक्वल के पहले पोस्टर का गुरुवार को अनावरण किया गया। सनी देओल की गदर जिसने 22 साल पहले बॉक्स-ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे अपने सीक्वल के साथ वापसी कर रही है। गदर 2 हथौड़े के साथ सनी द्वारा अभिनीत तारा सिंह को दिखाया गया है। फिल्म ने अपनी रिलीज की तारीख 11 अगस्त 2023 भी निर्धारित की है। अभिनेता सनी देओल ने कहा गदर - एक प्रेम कथा व्यक्तिगत रूप से और साथ ही पेशेवर रूप से मेरे जीवन का एक प्रमुख हिस्सा रही है। गदर से तारा सिंह सिर्फ एक नायक नहीं हैं बल्कि एक संस्कारी आइकन बन गया है जिसने सभी बाधाओं को पार कर लिया है और अपने परिवार और प्यार के लिए सभी सीमाओं को पार कर लिया। 22 साल बाद टीम के साथ सहयोग करना रचनात्मक रूप से समृद्ध अनुभव है। निर्देशक-निमार्ता अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित नई फिल्म में सनी देओल अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। सनी देओल और अमीषा पटेल-अभिनीत फिल्म ने बॉलीवुड में एक जबरदस्त हलचल पैदा कर दी जब यह 2001 में रिलीज हुई और आमिर खान की ऑस्कर नामांकित लगान के खिलाफ टकराई थी।

सूडोकु नवताल- 6326

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6325 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7073

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा

शब्दजाल - 7072 का हल

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6026

	2				6	
3	24	6	37	2	32	
						3
5	33	1	29	4	30	
7		5	4			2
	38	4	31	3	29	
4		7			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6025 का हल

7	1	3	4	6	5	2
4	38	6	34	2	32	7
6	4	7	1	5	2	3
5	29	1	33	4	36	6
3	1	2	6	7	4	5
1	24	4	35	3	28	1
2	6	5	7	1	3	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

जोकोविच बोले मेरे पिता युद्ध का समर्थन नहीं करते, उम्मीद है कि वह फाइनल मैच देख पाएंगे

मेलबर्न ।

टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अपने पिता की वायरल तस्व पर हो रहे विवाद को लेकर सफाई दी है। जोकोविच ने कहा कि उनके पिता की तस्वीर का गलत मतलब निकाला गया। जोकोविच के पिता की जिस तस्वीर पर विवाद हो रहा है, उसमें वह एक फैन के साथ दिखाई दे रहे हैं। इस फैन के हाथ में रूस का झंडा है, जिसमें व्लादिमीर पुतिन की तस्वीर बनी हुई है। जोकोविच ने टॉमी पॉल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। उनका कहना है कि उनके पिता को लेकर जमकर विवाद हो रहा है और कल रात उन्हें इस बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि उनके पिता की तस्वीर का गलत मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। उनका परिवार कई युद्ध देख चुका है और उनके पिता युद्ध का समर्थन नहीं करते। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई के उनके पिता ऑस्ट्रेलियन ओपन का फाइनल देखने पहुंचेंगे। 35 वर्षीय जोकोविच ने जोर देकर कहा कि उनके पिता का किसी भी युद्ध पहल का समर्थन करने का कोई इरादा नहीं था। जोकोविच ने अपने सेमीफाइनल मैच के बाद कहा, मैंने देखा जैसा कि बाकी सभी ने देखा कि क्या हुआ और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो हुआ उसकी गलत व्याख्या इतने उच्च स्तर तक बढ़ गई है। निश्चित रूप से मुझे इस बारे में पता चला है। मुझे कल रात तक इसके बारे में पता नहीं था। और फिर निश्चित रूप से मुझे यह देखकर खुशी नहीं हुई। मेरे पिता, मेरा पूरा परिवार कई युद्धों से गुजरा है। जैसा कि मेरे पिता ने बयान दिया था, हम युद्ध के खिलाफ हैं। हम कभी भी किसी भी हिंसा या युद्ध का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पिता रॉड लेवर एरिना के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन कर रहे थे, हर मैच के बाद उन्होंने समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जोकोविच के पिता ने पहले कहा था कि वह सेमीफाइनल में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने एक बयान में जोर देकर कहा कि वह केवल शांति की कामना करते हैं। टूर्नामेंट से प्रतिबंधित किए जाने की मांग पर श्रीजन जोकोविच ने कहा, मैं यहां केवल अपने बेटे का समर्थन करने के लिए हूं। मेरा इस तरह की सुर्खियां या व्यवधान पैदा करने का कोई इरादा नहीं था। रूस समर्थक ऑस्ट्रेलियाई यूट्यूब अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया। इस वीडियो में जोकोविच के पिता एक व्यक्ति के साथ दिख रहे हैं, जिसके हाथ में रूस झंडा है और इस झंडे पर पुतिन की तस्वीर बनी हुई है। वीडियो के साथ लिखा गया नोवाक जोकोविच के पिता का बेबाक राजनीतिक बयान। जोकोविच के मैच के दौरान एएफपी ने एक और समर्थक की फोटो खींची थी। इस फैन की टी शर्ट में जेड का प्रतिक बना हुआ था, जो रूस के युद्ध के समर्थन का प्रतीक माना जाता है। श्रीजान जोकोविच ने कहा कि वह बुधवार को अपने बेटे के प्रशंसकों के साथ बाहर थे जैसा कि मैंने अपने बेटे के सभी मैचों के बाद उसकी जीत का जश्न मनाने और उनके साथ तस्वीरें लेने के लिए किया है। ऑस्ट्रेलिया में यूक्रेन के राजदूत वासिल मायरोशनिचेंको ने श्रीजन जोकोविच से उनकी मान्यता वापस लेने की मांग की थी। एएफपी के साथ एक बातचीत में, मायरोशनिचेंको ने जोकोविच से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने और यूक्रेन पर रूसी हमले पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए भी कहा। उन्होंने मांग की, जो कुछ हुआ उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करनी चाहिए। महिला युगल सेमीफाइनल में हारने वाली यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने कहा कि यह व्यवहार आहत करने वाला था, लेकिन जोकोविच के पिता पर प्रतिबंध को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की।

न्यूज ब्रीफ

महिला एकल में मिलेगा नया चैंपियन, फाइनल मुकाबला आर्यना सबलेंका और एलेना रयबाकिना के बीच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल के फाइनल में आर्यना सबलेंका का सामना एलेना रयबाकिना से होगा। खिताबी मुकाबले में बेहतरीन सर्विस और तेज तर्रार स्मैश की भरमार देखने को मिलेगी। बेलारूसी पांचवीं वरीयता प्राप्त सबलेंका को इस मैच में थोड़ा पसंदीदा माना जा रहा है। हालांकि, मॉस्को में जन्म लेने वाली कजाखस्तान की रयबाकिना ज्यादा अनुभवी हैं। उन्होंने इससे पहले भी एक ग्रैंड स्लैम जीता है। 23 साल की रयबानिका ने पिछले साल विंबलडन ओपन अपने नाम किया है। रयबानिका का मानना है कि उनकी सर्विस दमदार है और अगर फाइनल मैच में भी वह लय में हुईं तो सबलेंका मुश्किल में पड़ सकती है। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सेमीफाइनल में हराने के बाद रायबकिना ने कहा, यह एक कठिन मैच होने जा रहा है। रयबकिना को उनकी बहन और माता-पिता का समर्थन भी मिलेगा, जो पिछले साल विंबलडन में जीत के समय नहीं थे। वह उनकी मौजूदगी से अतिरिक्त प्रेरणा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब वे सभी यहां एक साथ हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हम एक साथ शाम बिता सकते हैं और वे मुझे लाइव देख सकते हैं। 24 वर्षीय सबालेंका पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से एक जीत दूर है और शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस सीजन अपने सभी मैच जीते हैं और 2023 में कोई सेट नहीं गंवाया है। उनके ताकतवर स्मैश के सामने सभी खिलाड़ी पस्त नजर आए हैं। वह हमेशा से ही इस तरह का खेल खेलती रही हैं, लेकिन पहले वह अहम मौकों पर दबाव नहीं झेल पाती थीं, लेकिन अब उन्होंने इसमें सुधार किया है।

क्रिकेट में बीजी शेड्यूल को लेकर बोले डिविलियर्सः कहा - अब खिलाड़ियों के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना नामुमकिन, यह एक सजा की तरह

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के महानतम बल्लेबाजों में से एक एबी डिविलियर्स ने कहा कि क्रिकेट के टाइट शेड्यूल के कारण प्लेयर्स के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना मुश्किल बनता जा रहा है। यह उनके लिए एक सजा की तरह हो गया है। एक प्लेयर तीनों फॉर्मेट तब ही खेल सकता है जब वह बीच में ब्रेक ले। एबी डिविलियर्स ने 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इसके 3 बाद उन्होंने 2021 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए क्रिकेट छोड़ दिया। डिविलियर्स ने कहा कि, खिलाड़ियों के करियर को बढ़ाया जा सकता है अगर वे अपने फॉर्मेट चुन ले इसके साथ ही बोर्ड को खिलाडियों से इस बारे में बात करनी चाहिए ताकि बैलेंस बना रहे। बोर्ड को खिलाड़ियों को चुनना चाहिए उनसे बात करनी चाहिए। खिलाड़ियों को सुनकर और उनके लक्ष्य को समझ कर यह पता करना चाहिए की खिलाडी कहा फिट होते है।

वर्ल्ड कप में पहली बार सभी ऑफिशियल्स महिलाएंः 18 साल खेलने के बाद रेफरी बनीं लक्ष्मी, रेफरी पैनल में इकलौती भारतीय

दुबई। महिला टी20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। आईसीसी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सारी मैच ऑफिशियल्स महिलाएं होंगी। आईसीसी की 13 सदस्यों की सूची में भारत से जीएस लक्ष्मी, वृंदा राठी और एन. जननी ऑफिशियल्स के तौर पर शामिल होंगी। लक्ष्मी रेफरी हैं जबकि वृंदा और जननी अंपायर के तौर पर शामिल हैं। ये पहली बार है, जब पूरी महिला ऑफिशियल्स की टीम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में काम करेगी। आईसीसी ने बताया कि वे क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना चाहते हैं। आईसीसी मैच रेफरी पैनल में जगह बनाने वाली पहली महिला है लक्ष्मी, वृंदा, जननी कर चुकी रणजी में अंपायरिंग जीएस लक्ष्मी महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑफिशियल रेफरी के रूप में जाने वाली 3 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। वे आईसीसी रेफरी पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला भी हैं। साथ ही, पुरुष वनडे मुकाबले में रेफरी की भूमिका निभाने वाली पहली महिला भी थीं। इन्होंने ये मुकाम साल 2020 में हासिल किया था। 54 वर्षीय लक्ष्मी खुद ऑलराउंडर रह चुकी हैं। अपने 18 साल के करियर के दौरान उन्होंने साउथ सेंट्रल रेलवे, आंध्रप्रदेश, बिहार, ईस्ट जोन और साउथ जोन की टीम के लिए खेला है। 1999 में लक्ष्मी को भारतीय टीम में भी चुना गया, लेकिन वे प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाई।

विनेश फोगाट और बजरंग सहित आठ पहलवानों ने वापस लिया नाम, बोले- हमारी तैयारी पूरी नहीं

नई दिल्ली ।

विनेश फोगट और बजरंग पुनिया सहित आठ भारतीय पहलवानों ने जगरेब ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पहलवानों का कहना है कि वे प्रतियोगिता के लिए तैयार नहीं हैं। वहीं, अंजू चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गई हैं।

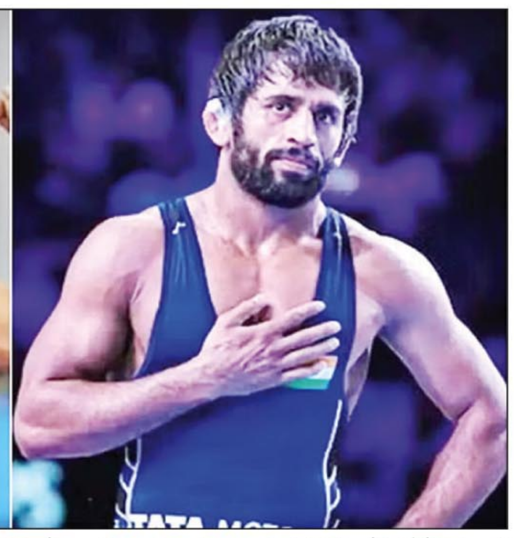

डब्ल्यूएफआई मामलों का प्रबंधन करने वाली मैरी कॉम की अध्यक्षता वाली निरीक्षण समिति ने बुधवार को इस इवेंट के लिए 36 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी। क्रोएशिया की राजधानी में एक फरवरी से शुरू होने वाले यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज इवेंट में भारत के सभी बड़े पहलवानों को शामिल होना था।

जंतर मंतर पर अपने तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के दौरान पहलवानों ने कहा था कि वे तब तक किसी भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे, जब तक कि भारतीय कुश्ती महासंघ को भंग नहीं किया जाता है और इसके प्रमुख को बर्खास्त नहीं किया जाता है।

टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया (57 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता दीपक पुनिया (86 किग्रा), प्रतिभाशाली युवा अंशु मलिक (57 किग्रा), बजरंग की पत्नी संगीता फोगट (62 किग्रा), सरिता मोर (59 किग्रा), जितेंद्र किन्हा (79 किग्रा), विनेश (53 किग्रा) और बजरंग (65 किग्रा) का कहना है कि उनकी तैयारी पूरी नहीं है और ये पहलवान प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे।

खेल इंडिया प्राधिकरण से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा उन्होंने जो कारण दिया है वह यह है कि वे भाग लेने के लिए वह 100 प्रतिशत अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। वे अब इस मामले को थोड़ा बढ़ा रहे हैं। उन्हें भारतीय टीम में नाम आने के बाद प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए थी। जाहिर है, इसकी सराहना नहीं की जा रही है।

यह 2023 सीजन में भारतीय पहलवानों के लिए पहला टूर्नामेंट है। इसके बाद पहलवानों को एशियाई खेलों और 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर में भी भाग लेना है। धरने में बैठने वाले पहलवानों ने टूर्नामेंट से पहले अभ्यास का समय खो दिया और अगर वह भाग लेते तो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता।

सरकार ने धरने पर बैठे पहलवानों को आश्वासन दिया कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें कुश्ती संघ के कामकाज से अलग रहने को कहा गया। इसके बाद ही पहलवानों ने अपना धरना खत्म किया। पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण और मनमाने तरीके से काम करने का आरोप लगाया था। उनके खिलाफ जांच शुरू हो चुकी है। पांच सदस्यीय समिति उनके खिलाफ जांच कर रही है। पहलवान समिति में अपनी पसंद का व्यक्ति चाहते हैं, जिसमें पूर्व पहलवान योगेश्वर दत्त और तृप्ति मुरगुंडे के अलावा दो खेल प्राधिकरण अधिकारी सदस्य के रूप में हैं। जांच कमेटी को एक महीने में अपनी रिपोर्ट देनी है। जाहिर तौर पर पहलवान समिति में योगेश्वर की मौजूदगी से खुश नहीं हैं क्योंकि वे लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर को फेडरेशन प्रमुख का करीबी मानते हैं। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक सरकार सोशल मीडिया पर पहलवानों की टिप्पणियों से खुश नहीं है। इस बीच, कुश्ती संघ अध्यक्ष के करीबी सूत्रों ने कहा कि बृजभूषण उत्सुकता से जांच शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनका नाम किसी भी गलत काम से मुक्त हो सके। सूत्र ने कहा वह वास्तव में खुश हैं कि जांच की जा रही है। उनका मानना है कि उनका नाम साफ हो जाएगा और पहलवानों की गलतफहमी भी टूट जाएगी। न तो उन्होंने किसी महिला पहलवान का यौन उत्पीड़न किया है और न ही कुश्ती संघ में कोई वित्तीय अनियमितता है, इसलिए उन्हें विश्वास है।

जर्मनी हॉकी विश्व कप के फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया को हराया, डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम से खिताबी मुकाबला

भुवनेश्वर ।

हॉकी विश्व कप धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंच रहा है। विश्व कप के दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहले सेमीफाइनल में स्टार ड्रैग फ्लिकर गोंजालो पिलाट की हैट्रिक से जर्मनी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 4-3 से हरा दिया और फाइनल में प्रवेश किया। पिलाट ने 43वें, 52वें और 59वें मिनट में पेनल्टी कार्नर से गोल किये, जबकि 'प्लेयर ऑफ द मैच' निकलास वेलेन (60वें) ने मैच खत्म होने से चंद सेकेंड पहले गोल कर ऑस्ट्रेलिया को चौंका दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (12वें), नाथन एफ्राम्स (27वें) और ब्लेक गोवर्स (58वें) ने गोल किए। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियंस बेल्जियम ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हरा दिया। अब 29 जनवरी को जर्मनी और बेल्जियम के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच रविवार को कांस्य पदक का मुकाबला खेला जाएगा। जर्मनी की टीम ने लगातार दूसरे मैच में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की है। क्वार्टर फाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद इस टीम ने आखिरी तीन मिनट में दो बार गोल करके स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। दो बार के चैंपियन जर्मनी ने नई दिल्ली में 2010 सीजन के बाद पहली बार फाइनल में अपनी जगह पक्की की। तब टीम खिताबी हैट्रिक पूरा करने से चूक गई थी। यह टीम 2002 और 2006 में चैंपियन बनी थी, जबकि 1982 में भी रजत पदक जीता था। जर्मनी ने इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली 1-3 की हार का बदला भी ले लिया। तीन बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने से चूक गया। टीम 2018 में इसी चरण में नीदरलैंड से हार गई थी और कांस्य पदक जीता था। इससे पहले वे 2010 और 2014 में लगातार दो बार खिताब जीतने में सफल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया 42वें मिनट तक 2-0 से आगे चल रहा था और ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम उनके पक्ष में रहेगा। अर्जेंटीना के लिए 100 से अधिक मैच खेलने वाले पिलाट ने हालांकि इसके बाद मैच का रुख बदल दिया। अर्जेंटीना को 2016 ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पिलाट अब जर्मनी के नागरिक हैं।

वॉलीबॉल कैप्टन ने अफसर संग लिए फेरेः पानीपत की निर्मल से दीपक ने 1 रुपए में रचाई शादी, 3 साल से भेज रहे थे रिश्ता

पानीपत ।

हरियाणा के पानीपत की रहने वाली भारतीय वॉलीबॉल टीम की कप्तान निर्मल तंवर रेलवे अफसर दीपक भाटी के साथ परिणय सूत्र में बंध गई हैं। ये शादी बिना दहेज के हुई। सिर्फ एक रुपए और एक जोड़े में निर्मल को दीपक ब्याहकर ले गए।

निर्मल इस समय पुणे में रेलवे में नौकरी कर रही है तो वहीं दीपक भाटी भी मुंबई में रेलवे में अफसर के पद पर तैनात हैं। निर्मल 2019 में भारतीय टीम की कप्तान बनी थी। उनकी कप्तानी में इंडियन टीम ने काठमांडू (नेपाल) में हुई साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था।

इस मैच से निर्मल के फैन हुए थे दीपक - इस जीत में खास बात यह रही कि भारतीय कप्तान निर्मल को डेंगू हो गया था। फाइनल में जब टीम हारने लगी तो आखिरी राउंड में निर्मल खुद मैदान में आ गई। इसके बाद ही ऑफिसर दीपक भाटी ने उनके मैच के वीडियो यूट्यूब पर देखे थे। तभी से दीपक ने निर्मल से शादी करने का मन बना लिया था। तभी से ही निर्मल के घर रिश्ता भेजना शुरू कर दिया था। पिछले तीन साल से निर्मल से शादी के लिए रिश्ता भेज रहे थे। 2022 में निर्मल के घरवालों ने रिश्ता लिया और शादी की तारीख तय की।

शादी में ये हुए शामिल - राष्ट्रीय किसान यूनियन प्रधान मेनपाल चौहान, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह, सांसद संजय भाटिया, विधायक बलबीर सिंह, पूर्व मंत्री बच्चन सिंह, ओम प्रकाश, अर्जुन अवार्डी दलोल सिंह, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सूबे सिंह गुर्जर, भीम सिंह चोपड़ा, सुमेधा कटारिया, एशियन बॉक्सर अंकित, पूर्व विधायक भरत सिंह, साध्वी देवा ठाकुर, बीजेपी नेता धारा सिंह रावल, कांग्रेस नेता अमर सिंह, वॉलीबॉल कोच वैशाली ने शादी समरोह में शिरकत कर दोनों को शुभाकामनाएं दी। पिता का सपना पूरा करने के लिए निर्मल ने खेलना शुरू किया था। निर्मल के पिता चाहते थे कि उनके बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन करें। पांच सितंबर 1996 को पानीपत के आसन कलां गांव में जन्मी निर्मल तंवर ने नौ वर्ष की आयु में ही वॉलीबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उनके पिता मदनलाल का 17 मई 2021 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। वर्ष 2019 में भारतीय वॉलीबॉल टीम की कैप्टन बनने का मौका मिला और सीनियर नेशनल एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता।

सानिया मिर्जा के ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर होने के बाद शोएब मलिक का ट्वीट- तुम पर गर्व है

नई दिल्ली ।

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को अपने आखिरी ग्रैंडस्लैम में मिश्रित युगल के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह महिला युगल में दूसरे दौर से ही बाहर हो गई थीं और मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचने के बाद उम्मीद लगाई जा रही थी कि वह चैंपियन बनकर अपना ग्रैंड स्लैम का सफर खत्म करेंगी। फाइनल तक पहुंचने वाली सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी शानदार लय में थी। ये दोनों फाइनल से पहले पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक सेट हारे थे, लेकिन फाइनल में लगातार दो सेट हारकर चैंपियन बनने से चूक गए। सानिया और बोपन्ना की जोड़ी के ब्राजील की लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस की जोड़ी ने 6-7 (2) 2-6 से हराया। इस मैच के बाद सानिया ने बताया कि यह उनका आखिरी ग्रैंडस्लैम था। वह दो टूर्नामेंट और खेलेंगी, लेकिन वह ग्रैंड स्लैम नहीं होंगे। सानिया ने कहा, अगर मैं रोती हूं, तो ये खुशी के आंसू हैं। यह सिर्फ एक डिस्क्लेमर है। मैं अभी भी कुछ और टूर्नामेंट खेलने जा रही हूं। पाकिस्तानी क्रिकेटर और सानिया के पति शोएब मलिक ने टेनिस कोर्ट पर उनकी उपलब्धियों के लिए उनकी सराहना की। शोएब ने ट्वीट किया आप खेल में सभी महिलाओं के लिए बहुत जरूरी उम्मीद हैं। आपने अपने करियर में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए आप पर बहुत गर्व है। आप कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं, मजबूत बनी रहें। एक अविश्वसनीय करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई...। सानिया ने 2009 के ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2012 के फ्रेंच ओपन में महेश भूपति के साथ और 2014 के यूएस ओपन में ब्राजीलियाई ब्रूनो सोरेस के साथ मिश्रित युगल खिताब जीता था। रॉड लेवर एरिना अच्छा मैदान रहा है। उनके पास महिला युगल और मिश्रित युगल खिताब हैं और ऑस्ट्रेलियन ओपन में चार बार उपविजेता रही हैं। सानिया ने बताया यह 2005 में शुरू हुआ जब मैं 18 साल की उम्र में तीसरे दौर में सेरेना विलियम्स के खिलाफ खेली और 18 साल पहले यह काफी डरावना था। मुझे यहां बार-बार वापस आने, यहां कुछ टूर्नामेंट जीतने और कुछ फाइनल खेलने का सौभाग्य मिला है। रॉड लेवर एरिना वास्तव में मेरे जीवन में खास रहा है और मैं ग्रैंड स्लैम में अपने करियर को समाप्त करने के लिए इससे बेहतर कोर्ट के बारे में नहीं सोच सकती थी। परिवार और दोस्तों के साथ उनके बेटे इजहान की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी शानदार बना दिया। सानिया ने कहा कि यहां मेरे माता-पिता, और रोहन की पत्नी, मेरे कोच, ऑस्ट्रेलिया में मेरा परिवार जिसने मुझे घर से दूर घर जैसा महसूस कराया।

न्यूजीलैंड ने भारत को 21 रन से हराया

टी-20 सीरीज में 1-0 से आगे कीवी टीम, काम नहीं आई सुंदर की पहली हॉफ सेंचुरी

रांची ।

टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 रनों की करारी हार झेलनी पड़ी। इसी के साथ भारतीय टीम 3 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई है। इस हार के साथ रांची के मैदान पर भारत का अजेय रिकॉर्ड टूट गया है। इससे पहले, यहां टीम ने कोई भी टी-20 मुकाबला नहीं गंवाया था। धोनी के शहर रांची में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रनों का स्कोर खड़ा किया। उसके बाद भारतीय बल्लेबाजों को 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 पर रोक दिया। कीवी टीम की जीत के हीरो डेरिल मिचेल और मिचेल सेंटनर रहे। मिचेल ने 30 गेंदों में 59 रन की पारी खेली। जबकि मिचेल सेंटनर ने चार ओवर में एक मेडन सहित 11 रन देकर दो विकेट चटकाए। कप्तान हार्दिक पंड्या (21 रन) और सूर्यकुमार (47 रन) की साझेदारी के बाद वाशिंगटन सुंदर (50 रन) के नंबर-6 पर आए अर्धशतक ने भारत की हार का अंतर कम किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। आखिरी ओवर में 27 रन पहली पारी के आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह ने 27 रन लुटाए। डेरिल मिचेल ने उनकी पहली 3 गेंदों पर ही 3 छक्के जड़ दिए। अगर ये रन नहीं बनते तो भारत को जीत के लिए कम टारगेट मिलता। टॉप ऑर्डर फ्लॉप 177 रन के टारगेट में भारत का टॉप ऑर्डर बुरी तरह फ्लॉप हो गया। शुभमन गिल 7 और ईशान किशन 4 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल त्रिपाठी भी शून्य के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। टॉस जीतकर गेंदबाजी लेना भारत के कप्तान हार्दिक पंड्या ने पिच को नजरअंदाज किया और टॉस जीतकर बॉलिंग चुन ली। पिच में स्पिनर्स को मदद मिली। अगर पहले बैटिंग करते तो बड़ा स्कोर बना कर न्यूजीलैंड को दबाव में ला सकते थे। सेकेंड इनिंग में स्पिनर्स को और ज्यादा मदद मिली और भारत टारगेट हासिल नहीं कर सका।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला : दूसरे ओवर की तीसरी बॉल पर माइकल ब्रेसवेल ने ईशान किशन को बोल्ड कर दिया। दूसरा : जैकब डफी ने राहुल त्रिपाठी को विकेट के पीछे ड्वेन कॉन्वे के हाथों कैच कराया। तीसरा : चौथे ओवर की पहली बॉल पर मिचेल सेंटनर ने शुभमन गिल को फिन एलेन के हाथों कैच कराया। चौथा : सूर्या 12वें ओवर की चौथी बॉल पर एलेन को कैच दे बैठे। उन्हें ईश सोढ़ी ने आउट किया। पांचवां : 13वें ओवर की दूसरी बॉल पर पंड्या को ब्रेसवेल ने कैच एंड बोल्ड किया। छठा : हुड्डा को सेंटनर के कॉन्वे के हाथों स्टंपिंग कराया। सातवां : शिवम मावी रन आउट हुए। आठवां : कुलदीप यादव को लोकी फर्ग्युसन को बोल्ड कर दिया। नौवां : आखिरी ओवर में फर्ग्युसन ने सुंदर को आउट कर दिया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 176 रन

टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए कीवी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा नाबाद 59 रन बनाए। ओपनर ड्वेन कॉन्वे ने 52 रन का योगदान दिया। फिन एलेन ने 35 रन की आतिशी पारी खेली। भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। शिवम मावी, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

ऐसे गिरे न्यूजीलैंड के विकेट

पहला : सुंदर ने 5वें ओवर में फिन एलेन को सूर्या के हाथों कैच कराया। दूसरा : 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर सुंदर ने मार्क चैपमैन को कैच एंड बोल्ड किया। तीसरा : ग्लेन फिलिप्स 13वें ओवर की 5वीं बॉल पर सूर्या को कैच दे बैठे। उन्हें कुलदीप ने आउट किया। चौथा : ड्वेन कॉन्वे को अर्शदीप सिंह ने 18वें ओवर की दूसरी बॉल पर हुड्डा के हाथों कैच कराया। पांचवां : माइकल ब्रेसवेल रन आउट हुए। उन्हें ईशान किशन ने चलता किया। छठा : 19वें ओवर की आखिरी बॉल पर शिवम मावी ने मिचेल सेंटनर को राहुल यादव के हाथों कैच कराया।

ऑफिस में खुद ब खुद चलती हैं कुर्सियां

इससे पहले कि आप इस बात को तकनीकी से जोड़कर देखें, तो हम आपको बता दें कि ये बातें किसी तकनीकी की हिस्सा नहीं है। न ही किसी जादूगर के शो का। ये जगह इंग्लैंड के शहर मानचेस्टर में है, जो एक कार्यालय के तौर पर बना है। पर यहां से रात में सीसीटीवी की जो रिकॉर्डिंग सामने आई हैं, डराने वाली हैं। इस ऑफिस में रात के अंधेरे में कुर्सियां अपने आप घूमती हैं। उड़ती हैं। गिरती हैं औ टूटती भी है। लोग इस जगह को भूतहा मानते हैं। इस बिल्डिंग का नाम कैसलफील्ड हॉउस है, जो मानचेस्टर शहर के लिवरपूड रोड पर है। लोगों का कहना है कि इस ऑफिस में अजीब हरकतें होती रहती हैं। कई कर्मचारियों को लगता है कि कोई उनका पीछा कर रहा है, या उन्हें किसी ने धक्का दिया। भूतों की मौजूदगी के दावे करने वाला ये वीडियो सन 2012 साल में ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, अपने इंटनेट की दुनिया पर आते ही। पर ये वीडियो लोग अब भी साझा कर रहे हैं। हालांकि भूतों के मामलों के जानकार एक व्यक्ति का कहना है कि पिछले 20 सालों के करियर में ऐसा मामला देखने को नहीं मिला। ये वीडियो फर्जी है और बहुत ही चालाकी से बनाया गया है।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा। धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

नेल पेंट लगाने से डैमेज हो सकती है किडनी

हर लड़की चाहती है कि वह खूबसूरत दिखे, लोग उनके हुस्न की तारीफ करें। सुंदर और खूबसूरत दिखने के लिए वह महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और तरह-तरह के घरेलू नुस्खें अजमाती हैं। चेहरे के साथ-साथ वह अपनी बॉडी का भी ध्यान रखती हैं। हाथों को नेल पेंट से सजाती हैं शायद यह काम आप भी करती होंगी लेकिन क्या आप सिर्फ खूबसूरती चाहती है अच्छी सेहत नहीं?

जी हां, आपको बता दें कि नेल पेंट लगाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

- नेल पेंट में पाया जाने वाला कैमीकल त्वचा और आंखों के संपर्क में आने पर सेहत पर बुरा असर डालता है । नेल पॉलिश में Formaldehyde नाम का एक कैमीकल होता है जो नेल पेंट को चिपचिपा बनाने में मदद करता है। इस कैमीकल का त्वचा के संपर्क में आने से खुजली की परेशानी हो सकती है, जिसके गंभीर परिणाम आपको भुगतने पड़ सकते हैं।

- नेल पॉलिश में Phthalates नामक एक ऑयली कैमीकल भी होता है, जो लगाते समय इसमें क्रैक नहीं पड़ने देता लेकिन जब यह आंख और मुंह के संपर्क में आता है तो इंफैक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, इसकी वजह से नाक और गले में इंफैक्शन तक हो सकता है।
- नेल पॉलिश में मौजूद Toluene कैमीकल इसमें मौजूद सभी तत्वों को मिलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से सिर दर्द, त्वचा संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। वहीं अगर यह कैमीकल बहुत अधिक मात्रा में शरीर में पहुंच जाए तो लीवर और किडनी तक को डैमेज कर देता है।

तो अब अगली बार अगर नेल पॉलिश लगाए तो ध्यान रखें कि उसे अपनी आंख, नाक, स्किन और मुंह से दूर रखें जितना जल्दी हो सके, इसे हटा लें।

सफेद बालों की समस्या को दूर करने के घरेलू टिप्स

कई ऐसे घरेलू उपाय हैं, जो सफेद होते बालों की समस्या को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ हमारे घरेलू नुस्खों की पोटली से निकले कुछ बेहद असरदार उपाय।

आंवले का कमाल

छोटा सा दिखने वाला आंवला न केवल आपकी सेहत के लिए गुणकारी है बल्कि इससे नियमित उपयोग से सफेद होते बालों की समस्या से भी निजात मिलती हैं। आंवले को न सिर्फ डाइट में शामिल करें बल्कि मेंहदी में मिलाकर इसके घोल से बालों की कंडिशनिंग करते रहें। चाहे तो आंवले को बारीक काट लें और गर्म नारियल तेल में मिलाकर सिर पर लगाएं।

बड़े काम की छोटी सी मिर्च

काली मिर्च खाने का स्वाद तो बढ़ाती है, साथ ही इससे सफेद होते बाल भी काले होने लगते हैं। इसके लिए काली मिर्च के दानों को पानी में उबाल कर उस पानी को बाल धोने के बाद सिर में डालें। लंबे समय तक बालों में इस तरह करने से यह असर दिखाती है।

कॉफी और काली चाय

अगर आप सफेद होते बालों से परेशान हैं तो ब्लैक टी और कॉफी का इस्तेमाल करें। सफेद हो चुके बालों को अगर आप ब्लैक टी या कॉफी के अर्क से धोएंगें तो आपके सफेद होते बाल दोबारा से काले होने लगेगें। ऐसा आप दो दिन में एक बार जरूर करें।

प्याज करे बड़े-बड़े काज

प्याज आपके सफेद बालों को काला करने में मदद करता है। कुछ दिनों तक रोजाना नहाने से कुछ देर पहले अपने बालों में प्याज का पेस्ट लगाएं। इससे आपके सफेद बाल काले होने शुरू हो ही जाएंगे, बालों में चमक आएगी और साथ ही बालों का गिरना भी रुक जाएगा।

दही से करें सफेदी पर वार

सफेद होते बालों का रंग प्राकृतिक रूप से बदलने के लिए दही का इस्तेमाल करें। इसके लिए हिना और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को बालों में लगाइए। इस घरेलू उपचार को हफ्ते में एक बार लगाने से ही बाल काले होने लगते हैं।

एलोवेरा में है गजब का जादू

बालों में एलोवेरा जेल लगाने से भी बालों का झड़ना और सफेद होना बंद हो जाता है। इसके लिए आप एलोवेरा जेल में नींबू का रस बना कर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को बालों में लगाएं।

भृंगराज और अश्वगंधा

भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ें बालों के लिए वरदान मानी जाती हैं। इनका पेस्ट बना कर नारियल तेल में मिलाकर बालों की जड़ों में एक घंटे के लिए लगाएं। फिर बालों को गुनगुने पानी से अच्छी तरह से धो लें। इससे बालों की कंडीशनिंग भी होगी और बाल काले भी होंगे।

कढ़ी पत्ता करे बड़े कमाल

सफेद हो रहे बालों के लिए कढ़ी पत्ता बहुत ही अच्छा होता है। नहाने से पहले कढ़ी पत्ते को नहाने के पानी में छोड़ दें और एक घंटे के बाद उस पानी से सिर धो लें। या फिर आंवले की तरह कढ़ी पत्ते को भी बारीक काटकर और गर्म नारियल तेल में मिलाकर सिर पर लगाएं। इससे भी लाभ होगा।

दूध के अद्भुत लाभ

गाय के दूध के फायदों के बारे में कौन नहीं जानता, लेकिन क्या आपको यह भी पता है कि गाय का दूध सफेद बालों को भी काला बना सकता है। गाय का दूध बालों में लगाने से बाल कुदरती तौर पर काले होने लगते हैं। ऐसा हफ्ते में एक दिन करें और देखिए कैसे खिल जाते हैं आपके बाल।

देसी घी से मालिश

बुजुर्गो को अकसर आपने सिर पर देसी घी से मालिश करते हुए देखा होगा। घी से मालिश करने से त्वचा को पोषण मिलता है। प्रतिदिन शुद्ध घी से सिर की मालिश करके भी बालों के सफेद होने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

एलोवेरा जूस पीकर कम करें मोटापा

एलोवेरा हमारे शरीर और बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। यह बात तो सब जानते ही हैं लेकिन एलोवेरा मोटापा कम करने में भी आपकी मदद करता है। शायद यह बात आपको पहले नहीं पता थी। जी हां, एलोवेरा जूस वजन कम करने में भी सहायक है। एलोवेरा जैल कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा में कई प्रकार के विटामिन्स, मिनरल्स और एंजाइम्स पाए जाते हैं जो मोटापा कम करता है। एलोवेरा जैल पानी या जूस के साथ मिलाकर पीया जा सकता है लेकिन ध्यान रहें इसका सेवन करने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर ले लें।

कैसे बनाएं एलोवेरा जूस

एलोवेरा और फल का रस

एलोवेरा में से जैल निकाल कर उसको किसी भी फल के रस के साथ मिलाकर पीया जा सकता है।

एलोवेरा जैल और जूस

एलोवेरा को छील कर इसके जैल को निकाल लें। एलोवेरा के जूस को 2 हफ्तों तक पीया जा सकता है। इससे शरीर को आवश्य ही लाभ होगा।

एलोवेरा और नींबू

एलोवेरा के रस को नींबू के साथ मिलाकर इसे पीया जा सकता है।

एलोवेरा और शहद

मोटापा कम करने के लिए एलोवेरा के साथ शहद बहुत फायदेमंद होती है। एक गिलास एलोवेरा जूस में 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह से मिक्स करके पीने से फैट कम होती है।

एलोवेरा और पानी

एलोवेरा के रस को पानी में डालकर पीने से भी मोटापा कम होता है।

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

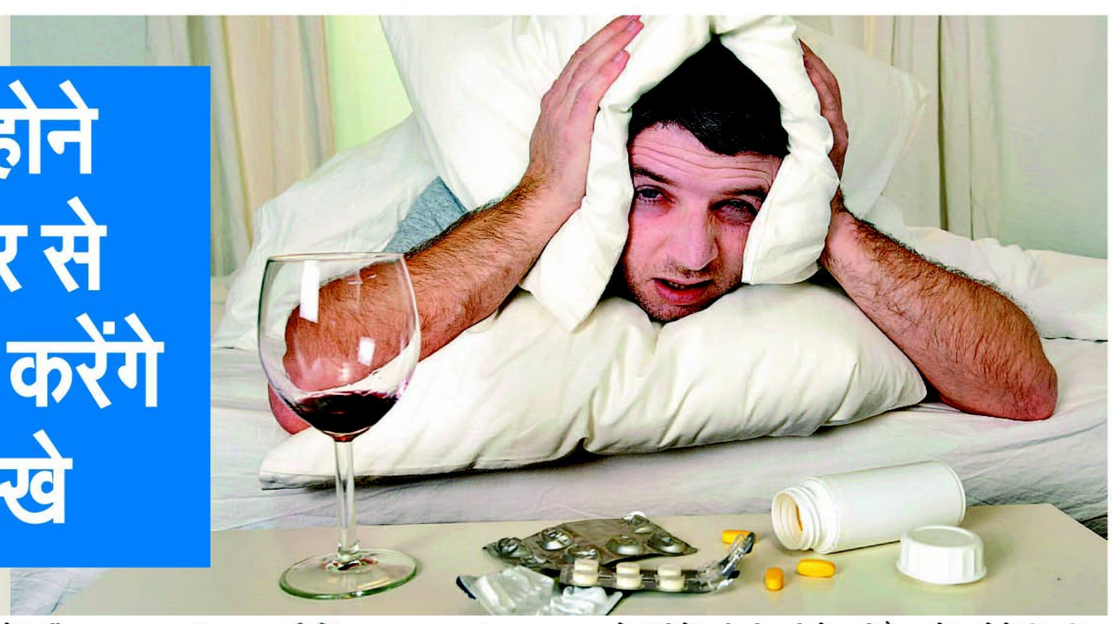

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली

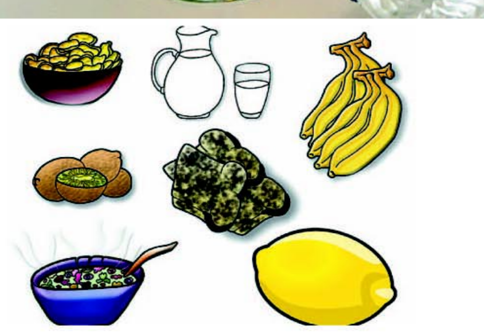

फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

रेसिपी

क्रिमी स्पिनॅच टोस्ट

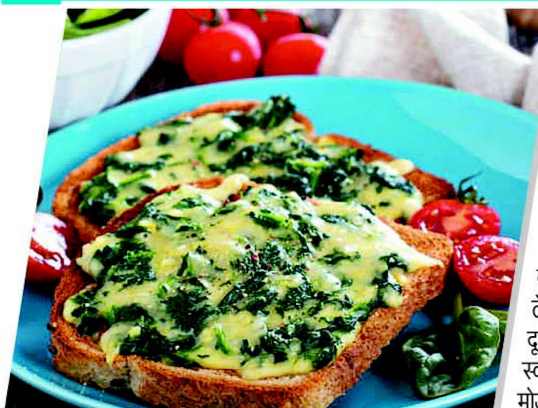

सामग्री

8 टोस्ट किए हुए गेहूं के ब्रेड स्लाईस, **स्पिनॅच टॉपिंग के लिए:** 3 कप बारीक लंबी कटी हुई पालक, 1 टेबल-स्पून लो-फैट मक्खन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा, 1 टेबल-स्पून कोर्नफ्लार , 3/4 कप ठंडे लो-फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त , में घोला हुआ, नमक स्वादअनुसार **अन्य सामग्री:** 2 टी-स्पून कसा मोजरैला चीज, टोबेस्को सॉस (ऐच्छिक)

विधि

स्पिनॅच टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए भून लें। पालक और बेकिंग सोडा डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए पका लें। कॉर्नफ्लार-दूध का मिश्रण डालकर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या मिश्रण के गाढ़ा होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा कर मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: प्रत्येक टोस्ट किए हुए ब्रेड पर तैयार टॉपिंग के एक भाग को अच्छी तरह फैला लें, ऊपर 1 टी-स्पून चीज छिड़कर पहले से गरम अवन में, 8 से 10 मिनट या करारा होने तक बेक कर लें। प्रत्येक ब्रेड स्लाईस को टेड़ा काटकर 4 टुकड़ो में काट लें और तुरंत परोसें।

दही वाली पनीर सब्जी

सामग्री

3/4 कप ताजा दही , 1 टी-स्पून मैदा के साथ घोला हुआ, 1 कप पनीर के टुकड़े, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून सरसों, 5-6 मेथी के दाने, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 कप पतले स्लाईस्ड प्याज, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए: 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

सौंफ, सरसों, मेथी दाने, कलौंजी, जीरा और हींग को एक छोटे बाउल में मिलाकर एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और बीज का मिश्रण डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनें। पनीर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक डालकर हलके हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। दही-मैदा का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)